



# वार्षिक रिपोर्ट 2015-16

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार  
[www.tifac.org.in](http://www.tifac.org.in)

# वार्षिक रिपोर्ट

## 2015–16



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद  
ए विंग, विश्वकर्मा भवन, शहीद जीत सिंह मार्ग,  
नई दिल्ली - 110016  
[www.tifac.org.in](http://www.tifac.org.in)



## अनुक्रमणिका

कार्यकारी सारांश	पृष्ठ सं.
<b>1. प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान गतिविधियां</b>	<b>1</b>
1.1. प्रौद्योगिकी विजन 2035	
1.2. ऑटोमोटिव अनुसंधान हेतु प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान (टी.एफ.ए.आर)	
1.3. विषयक अध्ययन एवं रिपोर्टें	
1.4. मात्रात्मक प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान	
1.5. होराइजन स्केनिंग	
1.6. जलवायु परिवर्तन	
1.7. वैकल्पिक ईंधन	
<b>2. नव प्रवर्तन (इनोवेशन) पोषण</b>	<b>12</b>
2.1. पेटेंट सुविधा केन्द्र (पीएफसी)	
2.2. प्रौद्योगिकी प्रवर्तन कार्यक्रम हेतु टाइफैक - सिडबी चक्रण निधि (सृजन)	
2.3. एम.एस.एम.ई. इंटर्नशिप योजना	
<b>3. उद्योगों को प्रौद्योगिकी सहायता</b>	<b>23</b>
3.1. एमएसएमई समूह कार्यक्रम	
3.2. एम.एस.एम.ई. निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रम	
3.3. जैव - प्रक्रिया एवं जैव - उत्पाद कार्यक्रम	
3.4. राज्य सरकारों के साथ पहल	
<b>4. अंतर्राष्ट्रीय संबंध</b>	<b>29</b>
4.1. भारत - आई.आई.ए.एस.ए. कार्यक्रम	
4.2. सोसाइटी स्वरूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एस.टी.एस. फोरम)	
4.3. सरकारी पूर्वानुमान संगठन नेटवर्क (जी.एफ.एन)	
4.4. स्कूल ऑफ इंटरनेशनल फ्यूचर्स एस.ओ.आई.एफ.-भारत	
<b>5. कार्यक्रम</b>	<b>36</b>
5.1. आई.डी.आर. आई.एम. सम्मेलन	
5.2. भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आई.आई.एस.एफ.)	
5.3. पूर्वानुमान कार्य-प्रणालियों पर कार्यशाला	
5.4. कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज 21 (कोप - 2) - पेरिस	
5.5. टाइफैक स्थापना दिवस	
5.6. अन्य कार्यक्रम	
<b>6. मानव संसाधन विकास</b>	<b>43</b>
6.1. टाइफैक इंटर्नशिप योजना	
6.2. प्रकाशित/प्रस्तुत शोधपत्र	
6.3. सम्मेलनों / संगोष्ठियों में भागीदारी	
6.4. प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी	
6.5. आमंत्रित व्याख्यान	



<b>7. आधारभूत संरचना और संसाधन</b>	<b>53</b>
7.1. राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.)	
7.2. ई - संसाधन	
7.3. राजभाषा नीति का कार्यान्वयन	
7.4. पुस्तकालय	
7.5. टाइफैक सूचना अंतरापटल (इन्टरफेस)	
<b>8. लेखा परीक्षित विवरण के साथ लेखा परीक्षक की रिपोर्ट</b>	<b>56</b>
<b>9. टाइफैक कर्मचारीगण</b>	<b>117</b>

**शासी परिषद (2015 - 2016)  
(03 दिसम्बर, 2015 तक)**

**अध्यक्ष**

डॉ. अनिल काकोडकर

आई.एन.ए.ई. सतीश धवन चेयर ऑफ इंजीनियरिंग एमीनेंस, बी.ए.आर.सी., मुम्बई

**सदस्यगण**

- सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
- सदस्य सचिव, योजना आयोग
- महानिदेशक, सी.एस.आई.आर. एवं सचिव, डी.एस.आई.आर
- सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
- रक्षामंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन
- सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक मामलों का विभाग,
- महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) और सचिव कृषि विभाग (डी.ए.आर.ई)
- डॉ. एच संथानम, उपाध्यक्ष (सी.एम.ई.पी.), महिन्द्रा एंड महिद्रा
- प्रोफेसर शिवाजी राहा, निदेशक, बोस संस्थान, कोलकाता
- प्रोफेसर दिनेश सिंह, उप कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय
- डॉ. विनीता बल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान
- डॉ. दीपक पुरी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मोजर बायर इंडिया लिमिटेड,
- प्रोफेसर समीर बरुआ, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- सदस्य सचिव, कार्यकारी निदेशक, टाइफैक

## शासी परिषद (2015 - 2016)

(04 दिसम्बर, 2015 से)

### अध्यक्ष

डॉ. अनिल काकोडकर

आई.एन.ए.ई. सतीश धवन चेयर ऑफ इंजीनियरिंग एमीनेंस, बी.ए.आर.सी., मुम्बई

### सदस्यगण

- सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
- सचिव, नीति आयोग
- महानिदेशक, सी.एस.आई.आर. और सचिव, डी.एस.आई.आर.
- सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
- महानिदेशक, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन
- सचिव, आर्थिक मामलों का विभाग, वित्त मंत्रालय
- भारतीय रक्षामंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार
- अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (आई.एन.ए.ई.), नई दिल्ली
- संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
- डॉ. विजय भाटकर, अध्यक्ष, बी.ओ.जी. आई.आई.टी. दिल्ली, ई.टी.एच. अनुसंधान प्रयोगशाला, पुणे
- प्रो. जी. पद्मनाभन, इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर
- डॉ. कृष्ण एल्ला, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड हैदराबाद
- डॉ. राजीव एल. करांडीकर, निदेशक, चेन्नई मैथेमेटिकल इंस्टीट्यूट, चेन्नई
- प्रोफेसर भारत रामास्वामी, प्रधान - अर्थशास्त्र एवं नियोजन युनिट, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली
- प्रोफेसर सिबाजी राहा, निदेशक बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- कार्यकारी निदेशक, टाइफैक (सदस्य सचिव)

## कार्यकारी सारांश

टाइफैक की स्थापना 'टेक्नोलॉजी थिंक टैंक' के रूप में 1988 में हुई। इसे प्रौद्योगिकियों पर दृष्टि रखने, पूर्वानुमान और मूल्यांकन के साथ, भारत के महत्वपूर्ण सामाजिक - आर्थिक क्षेत्रों के लिए महती प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु दिशा निर्धारित करने का काम सौंपा गया था। अपने अस्तित्व के लगभग तीन दशकों में अग्रगामी दृष्टि सम्पन्न संगठन के रूप में, टाइफैक ने अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं, इनमें सर्वाधिक उल्लेखनीय उपलब्धि प्रौद्योगिकी विजन - 2020 दस्तावेज की प्रस्तुति है।

प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए वर्ष 2015-16 में, टाइफैक ने पिछले दो दशकों में वैश्विक स्तर पर सामाजिक आर्थिक और प्रौद्योगिकीय परिदृश्य में हुए मुख्य परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, भारत की प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं पर एक नवीन परिप्रेक्ष्य के साथ, देश के लिए प्रौद्योगिकी विजन 2035 दस्तावेज तैयार किया।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मैसूर में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 103 वें अधिवेशन में, 03 जनवरी, 2016 को इस दस्तावेज का लोकार्पण किया। इस विजन के कार्यान्वयन के क्रम में, शैक्षिक प्रौद्योगिकियां, ऊर्जा, पर्यावरण, खाद्य एवं कृषि, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियां, अवसंरचना, आवास, सामग्री, निर्माण प्रौद्योगिकियां, चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य सुरक्षा, परिवहन एवं जल जैसे 12 क्षेत्रों के व्यापक प्रौद्योगिकी रोडमैपों को समांतर रूप से तैयार किया जा रहा है और इन्हें एक के बाद एक प्रस्तुत किया जायेगा।

सोलर पी.वी. पर एक प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान अध्ययन पूरा हो चुका है। डॉ. हर्ष वर्धन, माननीय मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान, भारत सरकार ने 10 फरवरी, 2016 को टाइफैक स्थापना दिवस के अवसर पर अन्य रिपोर्टों के साथ इस रिपोर्ट का विधिवत रूप से लोकार्पण किया। यह रिपोर्ट सोलर पी.वी. के संभावनाशील क्षेत्रों में सतत उत्पादन, उपयोगिता और अनुसंधान के लिए हितधारकों हेतु कार्य योजना की अनुशंसा करती है।

टाइफैक, विविध हस्तक्षेपों के माध्यम से, उद्योगों की सहायता करके, राष्ट्रीय इनोवेशन ईको सिस्टम में अपना योगदान दे रहा है। प्रौद्योगिकी इनोवेशन कार्यक्रम और एम.एस.एम.ई. निर्यात कार्यक्रम के अपने कार्यक्रमों में, इस वर्ष अनेक परियोजनाओं पर कार्य शुरू हुआ, कुछ पर कार्य चल रहा है तो कुछ परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। पेटेंट सुविधा केन्द्र केन्द्र (पी.एफ.सी.) ने इस वर्ष भी आई.पी. सुरक्षा हेतु संस्थानों की सहायता, अकादमिकों और अनुसंधानकर्ताओं के मध्य आई.पी.आर. के सम्बंध में जागरूकता लाना और महिला आई.पी. व्यावसायिकों के लिए स्व रोजगार का सृजन जारी रखा।

इस वर्ष के दौरान, टाइफैक को एक तरफ तो आपदा जोखिम कटौती पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजित करने का अवसर मिला। साथ ही उसने सरकारी पूर्वानुमान संगठन नेटवर्क (जी.एफ.एन.) की छठी बैठक की मेजबानी की, जिसमें बड़ी संख्या में विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दूसरी तरफ, टाइफैक को भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान समारोह (आई.आई.एस.एफ. - 2015) के प्रथम संस्करण को आयोजित करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ।



अपने टी.वी. 2035 दस्तावेज से टाइफैक ने तीन चुनौतियों की पहचान की है और अपने स्थापना दिवस पर, संबंधित मंत्रालयों/विभागों और हितधारकों के साथ विचारोत्तेजक सत्रों का आयोजन किया, ताकि उन्हें राष्ट्रीय फोकस के अंतर्गत कार्यों के लिए प्रेरित किया जा सके।

भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय ने, टाइफैक की योजना किरण - आई.पी.आर. के अंतर्गत रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार (नारी शक्ति पुरस्कार, 2015) प्रदान किया। यह योजना बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) विशेषकर पेटेंटों पर प्रशिक्षण के माध्यम से आर. एवं डी. में महिलाओं के सशक्तीकरण पर कार्य कर रही है। यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर प्रदान किया गया।

**प्रो. प्रभात रंजन**  
कार्यकारी निदेशक

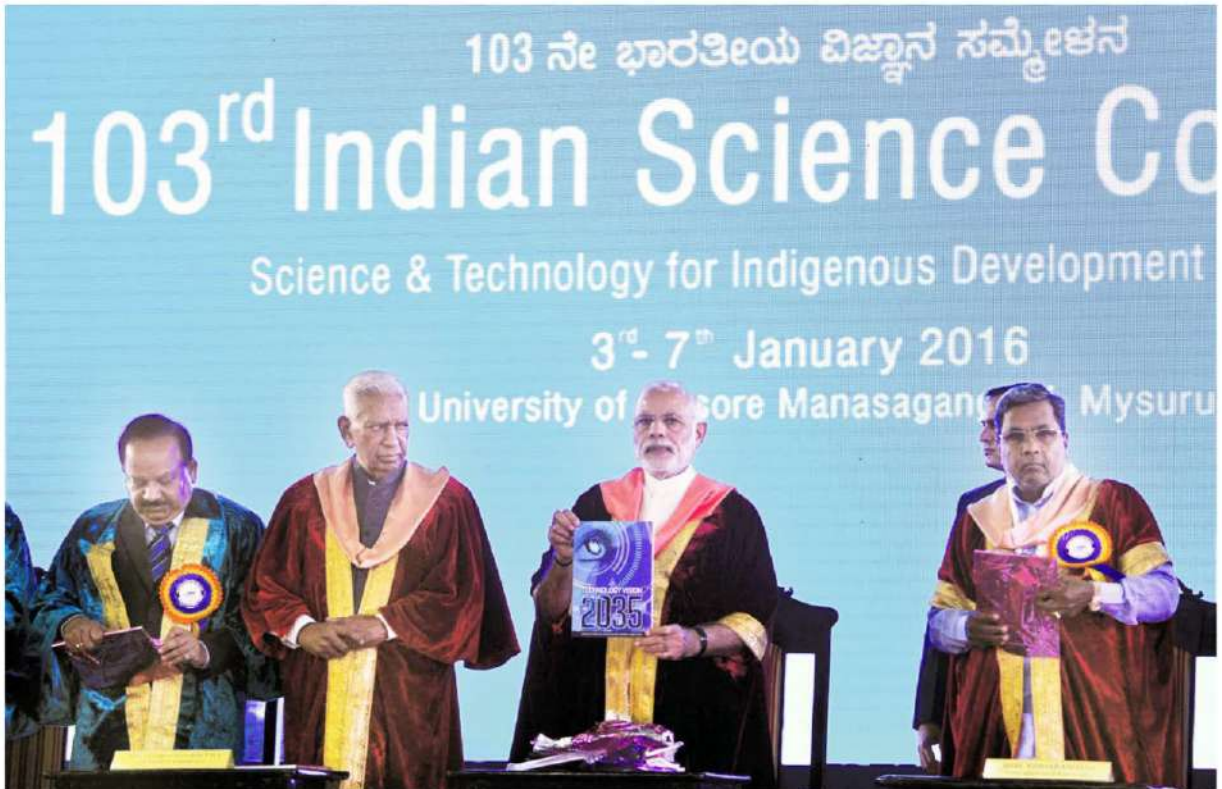
## 1. प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान गतिविधियां

प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान अपनी अद्यतन अभिव्यक्ति में राष्ट्रीय इनोवेशन तंत्र को नियंत्रित करने एवं भावी बाजार मांग का अनुमान एवं निर्णय करने हेतु विकास नीतियों के डिजाइन के लिए एक उपकरण के रूप में उभर रहा है। यह देशवासियों की जीवन स्थितियों में सुधार लाता है और आय बढ़ाने में योगदान देता है। टाइफैक अपनी स्थापना के समय से ही प्रौद्योगिकी विज्ञान दस्तावेजों तकनो - बाजार सर्वेक्षण रिपोर्टों क्षेत्र विशेष की प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान रिपोर्टों आदि की प्रस्तुति से प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान कार्यों से जुड़ा रहा है। टाइफैक द्वारा अनेक प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान कार्य किये गये। इनमें विशेष प्रतिष्ठित कार्य प्रौद्योगिकी विज्ञान 2035 की प्रस्तुति रहा।

### 1.1 प्रौद्योगिकी विज्ञान 2035

वर्ष 1988 में अपनी स्थापना के समय

गतिविधियों से जुड़ा रहा है। दीर्घकालिक पूर्वानुमान गतिविधि के रूप में, टाइफैक द्वारा 1990 के मध्य में



से ही, टाइफैक प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान

प्रौद्योगिकी विज्ञान 2020, टाइफैक के

तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के नेतृत्व में तैयार किया गया। इसका उद्देश्य 2020 तक भारत को एक विकसित देश के रूप में तैयार करने के लिए एस. एवं टी. प्रयासों के लिए मार्ग दर्शन उपलब्ध कराना था। वैश्विक परिदृश्य में हो रहे परिवर्तनों, देश की आर्थिक प्रगति, प्रौद्योगिकियों द्वारा किये गये विघटनों और देशवासियों की आकांक्षाओं के उभार को देखते हुए, यह निर्णय लिया गया कि एक और राष्ट्रव्यापी पूर्वानुमान कार्य किया जाये।

### 1.1.1 प्रौद्योगिकी विजन 2035

दूसरा राष्ट्रव्यापी विजन कार्य, प्रौद्योगिकी विजन 2035 को खेल की वास्तविक स्थिति की समीक्षा, नयी संभावनाओं की खोज और उन चुनौतियों की पहचान वर्ष 2035 तक देश को जिनका सामना करना है, की समीक्षा के लिए शुरु किया गया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने 03 जनवरी, 2016 को मैसूर में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 103 वें अधिवेशन में इस दस्तावेज का लोकार्पण किया। इस दस्तावेज को परामर्शी स्वरूप पर तैयार किया गया है

और इसे सभी हितधारकों को प्रेरित करने वाले संदर्भीय दस्तावेज के रूप में रखा गया है। इसकी जड़े भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं, हमारे युवाओं की अभिलाषाओं और 2035 में, देश की प्रगति के अनुरूप, भारतीयों की इच्छाओं में हैं। समग्र कार्य का मार्गदर्शन डॉ. अनिल काकोडकर, अध्यक्ष टाइफैक की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय एपेक्स समिति द्वारा किया गया।

प्रौद्योगिकी विजन 2035 दस्तावेज, टी.वी. - 2020 कार्य के सिंहाबलोकन से शुरु होता है और आज की स्थिति में, चुने हुए क्षेत्रों में हमारी प्रगति के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। विजन 2035 में भारतीयों के प्रकारों का पूर्वानुमान लगाता है, उनकी सुरक्षा, समृद्धि एवं पहचान की आवश्यकताओं की पहचान करता है और उन्हें 12 विशेषाधिकारों से जोड़ता है जो प्रत्येक नागरिक के लिए सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यह विकास की विभिन्न अवस्थाओं में प्रौद्योगिकियों की पहचान करता है जो उन अधिकारों की गारंटी देने में मदद करती हैं। विजन के परिदृश्य के कार्यान्वयन की धारा के निर्माण के लिए, यह दस्तावेज देश के



लिए 10 बड़ी चुनौतियों को सामने रखता है जो हमारे 2035 में पहुंचने पर, इन क्षेत्रों पर व्यापक स्तर प्रभाव डालेंगी। अनुप्रस्थ प्रौद्योगिकियां : सामग्री, निर्माण एवं सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) जो उप स्तर (सब स्ट्रेटम) उपलब्ध कराती हैं और सभी अन्य प्रौद्योगिकियों से आपस में जुड़ी है, इन पर भी फोकस किया गया है। यह भारत की क्षमताओं और बाधाओं के साथ प्रधान कारकों और मुख्य गतिविधियों पर भी प्रकाश डालता है जो विजन को कार्रवाई में बदल सकती हैं। यह दस्तावेज व्यापक राष्ट्रीय शक्ति को प्रोत्साहित करने में, प्रौद्योगिकी के प्रभाव को रेखांकित करने पर समाप्त होता है।

### 1.1.2 प्रौद्योगिकी रोडमैप

टी.वी. 2035 दस्तावेज में भारतीयों के लिए संरक्षित विजन के कार्यान्वयन के लिए 12 क्षेत्रों के प्रौद्योगिकी रोडमैप समान्तर रूप से तैयार किये गये हैं। प्रत्येक क्षेत्र का रोडमैप भावी प्रौद्योगिकी रुझान, मांग प्रक्षेपण, आर. एवं डी. निर्देशों, अनुसंधान हेतु संकेतकों, अनुमानित चुनौतियों और

नीति आवश्यकताओं आदि को समाहित करेगा।

इन रोडमैपों को हितभोगियों के साथ सम्पर्क, विशेषज्ञों के साथ विचारोत्तेजक बैठकों, संरचित प्रश्नावलियों के प्रयोग द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन सर्वेक्षण, डेल्फी अभ्यासों, परिदृश्यों और युवाओं संकाय और टेक्नोक्रेट्स के साथ विषय आधारित सम्पर्क सत्रों के माध्यम से तैयार किया जा रहा है।

इन रोडमैपों में से एक सामग्री पर है जो पूर्णता की ओर है। 2035 में सामग्री का रोडमैप '2035 तक आला (विच) सामग्री एवं उसकी प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों में भारत का वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनना' का पूर्वानुमान देता है। चूंकि सामग्री किसी भी देश के विकास और सतत प्रगति में सामान्य रूप से सर्वोत्कृष्ट भूमिका निभाती है, अतः यह प्रौद्योगिकी पांच जटिल क्षेत्रों; शीशा एवं सिरैमिक्स, पॉलीमर्स एवं कम्पोजिट्स मैटेलिक सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक एवं ऊर्जा सामग्री एवं जैव सामग्री में प्रौद्योगिकियों का सार (कम्पेंडियम) उपलब्ध कराती है। इसमें उभरती हुई सामग्रियों पर भी एक अनुच्छेद होगा।



निर्माण पर प्रौद्योगिकी रोडमैप अंतिम चरण में है और यह अगले छह महीनों में जारी होने के लिए तैयार हो जायेगा । यह रोडमैप आठ प्रमुख खंडों चमड़ा एवं परिधानों (एपेरल) रसायन, धातु फेबीकेशन, फूड प्रोसेसिंग इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आई.सी.टी. उपकरण, कम्पोजिट्स एवं माइक्रो नैनो निर्माण की भारत में वर्तमान स्थिति एवं ईकोसिस्टम, निर्माण में वैश्विक परिदृश्य आर. एवं डी. ड्राइवर्स, अनुमानित चुनौतियां एवं नीति आवश्यकताओं का विश्लेषण करता है । 'इनोवेशन से चालित

स्वच्छ, हल्की एवं हरित प्रक्रियाओं के द्वारा भारत के निर्माण आधार को मजबूत करना' क्षेत्रीय विजन है जिसे यह रोडमैप प्रस्तुत करता है ।

प्रौद्योगिकी रोडमैप की तैयारी की स्थिति निम्नलिखित है:

## 1.2 ऑटोमोटिव अनुसंधान हेतु प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान (टी.एफ.ए.आर.)

### 1.2.1 इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के राष्ट्रीय मिशन (एन.एम.ई.एम.) के अंतर्गत

क्षेत्र	स्थिति
शिक्षा	..
चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य रक्षा	***
खाद्य एवं कृषि	***
जल	***
ऊर्जा	***
पर्यावरण	..
अवसंरचना	***
आवास	***
परिवहन	***
निर्माण	****
सामग्री	****
आई.सी.टी.	***

\*\*\*\* प्रारूप तैयार \*\*\* प्रारूप पूर्णता की ओर \*\* प्रक्रियाधीन

## प्रौद्योगिकी प्लेट फार्म के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.)

भारी उद्योग विभाग (डी.एच.आई.) ने टाइफैक से, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के राष्ट्रीय मिशन (एन.एम.ई.एम.) के अंतर्गत, प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म के लिए व्यापक परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का आग्रह किया था। अक्टूबर, 2014 में, टाइफैक ने विचारोत्तेजक सत्रों और हितभोगियों से परामर्श के आधार पर अन्तरिम रिपोर्ट डी.एच.आई. को सौंप दी। सितम्बर, 2015 में अंतिम रिपोर्ट का रूपांतर - 1 डी.एच.आई. को भेजा गया। अंतिम हितधारक परामर्शों के बाद रिपोर्ट के शीघ्र जारी होने की आशा है। रिपोर्ट इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में, भारत के लिए प्रौद्योगिकी रुझानों, रिक्तियों एवं प्रौद्योगिकी विकासात्मक नीतियों की पहचान करती है। इसकी मुख्य विशेषताएं सिस्टम्स इन्टीग्रेशन, लाइटवेटिंग रिचार्जबल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, और ड्राइवर्स एवं पॉवर्स इलेक्ट्रॉनिक्स हैं।

### 1.2.2 इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान अध्ययन

इसका उद्देश्य विभिन्न प्रौद्योगिकी विकल्पों के तुलनात्मक रुझान एवं

लाभ, ऊर्जा क्षेत्र पर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के संभावित प्रभाव, पर्यावरण एवं प्राकृतिक स्रोतों सहित इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विभिन्न मुद्दों की जांच करना है। यह अध्ययन इन विश्लेषणों के आधार पर नीति प्रयोगों की पहचान का प्रयास करता है। विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहनों के ड्राइव - ट्रेन, उनकी अवसंरचना एवं उनके भावी बेधक परिदृश्यों के साथ सम्पर्क के लिए रूपांकन, (साइमुलेशन) मॉडलों के विकास पर कार्य किया जा रहा है।

### 1.3 विषयपरक पूर्वानुमान अध्ययन

#### 1.3.1 सुरक्षा प्रौद्योगिकियां

इन प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान अध्ययनों का उद्देश्य दुर्भावनापूर्ण धमकियों और सुरक्षा चूकों को समझना एवं उनका विश्लेषण करना, राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में धमकियों एवं चूकों की प्राथमिकता / श्रेणी निर्धारित करना, वर्तमान एवं भविष्य की धमकियों का जबाब देने के लिए संभावित प्रौद्योगिकियों की पहचान करना है। ये अध्ययन भारत में सरकारी एवं निजी क्षेत्र की प्रौद्योगिकीय क्षमताओं, पर्याप्त प्रति उपायों (काउन्टर मीजर्स) हेतु नीतियों



एवं कौशल के साथ, बड़े स्तर पर तैनाती पर भी प्रकाश डालने का प्रयास करते हैं ।

इस अवधि में ऊर्जा एवं स्रोत संस्थान (टेरी) नई दिल्ली के साथ 'प्राकृतिक संसाधन/पर्यावरण सुरक्षा' पर एक अध्ययन संचालित किया जा रहा है । एक प्रारूप रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है, जिसमें वन संसाधनों के उप क्षेत्र, जैव विविधता/जैव संसाधन, कृषि एवं सम्बंध संसाधन, खाने/खनिज, जल संसाधन, जल एवं वायुमंडल एवं समुद्री संसाधनों को समाहित किया गया है ।

### 1.3.2 सूचना एवं संचार सुरक्षा तथा वित्तीय क्षेत्र सुरक्षा

यह अध्ययन सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डेक), पुणे एवं डाटा सिक्योरिटी कौंसिल ऑफ इंडिया (डी.एस.सी.आई.) नई दिल्ली के साथ शुरू किया गया। यह प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों को कवर करता है, जिनके भविष्य में बने रहने की संभावना है जैसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.), क्लाउड एवं विर्चुअलाइजेशन, बिग डाटा, औद्योगिक नियंत्रण सुरक्षा एवं वित्तीय प्रणाली

सुरक्षा । चिह्नित प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में द्वितीयक अनुसंधान और प्राथमिक डाटा विश्लेषण तकनीक जैसे वर्तमान स्थिति का मानचित्रण, धमकी का मूल्यांकन एवं भू-राजनीतिक जोखिम मानचित्रण को अपनाया जाना है । प्रौद्योगिकी भू-दृश्यों में आने वाले परिवर्तनों को समझने के लिए सुरक्षा प्रतिमानों, का मूल्यांकन, थ्रेस होल्ड्स और टिपिंग पाइन्ट्स, क्षमताएं, समय रेखा विचलन एवं हाइप परीक्षण किये जायेंगे ।

### 1.3.3 वैयक्तिक एवं सामाजिक सुरक्षा एवं अवसंरचना तथा शारीरिक सुरक्षा

यह अध्ययन सरदार वल्लभ पटेल नेशनल पुलिस अकेडमी (एस.वी.पी.एन.पी.ए.) हैदराबाद और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नोलोजी (आई.आई.आई.टी.), हैदराबाद के सहयोग से शुरू किया गया। इस अध्ययन में विद्यालयों/विद्यार्थियों, धार्मिक जमावड़ों, पोर्ट्स/कोस्टल सुरक्षा, पॉवर प्लांट्स, रिफाइनरीज, जलापूर्ति, मानव स्वास्थ्य खाद्य / कृषि की सुरक्षा समेत विभिन्न पहलुओं को लक्षित किया गया है । यह अध्ययन सोशल मीडिया के

माध्यम से व्यक्ति एवं सोसाइटी के धमकाने की प्रवृत्ति पर भी ध्यान रखता है ।

#### 1.3.4 आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के चुने हुए जिलों में जी.डी.पी. वृद्धि और प्रौद्योगिक कारणों के बीच सम्बंध

यह अध्ययन आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के पांच चुने हुए जिलों में सकल जिला घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में एस. एवं टी. निवेश एवं वृद्धि के बीच सम्बंध का निर्धारण करता है । विशाखापट्टनम, ईस्ट गोदावरी, श्रीकाकुलम, गुंटूर और आदिलाबाद के जिलों को समाहित करती हुई ड्राफ्ट रिपोर्ट को, अंतिम रूप दिया जाना है ।

#### 1.3.5 सोलर फोटो वोल्टाइक

सोलर पी.वी. पर केन्द्रित इस प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान अध्ययन का उद्देश्य उत्पादन, उपयोगिता एवं अनुसंधान के लिए, विभिन्न हितधारकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर योजना निर्माण एवं कार्य योजना की सिफारिश करना है ताकि वैश्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में, भारत अग्रणी भूमिका निभा सके । यह अध्ययन पूरा हो चुका है और विधिवत, रूप से इसका

लोकार्पण डॉ. हर्ष वर्धन, माननीय मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान, मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 10 फरवरी, 2016 को टाइफैक स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया । इस रिपोर्ट और इसके उपयोग के व्यापक प्रसार के लिए, रिपोर्ट को केन्द्र और राज्यों के सम्बंधित मंत्रालयों/विभाग, प्रयोगशालाओं, शैक्षिक संगठनों आदि विभिन्न हितधारकों को भेजा गया है ।

#### 1.3.6 सहायक प्रौद्योगिकियां

टाइफैक, अक्षमता से पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तीकरण विभाग (डी.ई.पी.डब्लू.डी.) के सहयोग से एक निर्देशिका के साथ राष्ट्रीय पोर्टल लेकर आया है जिसमें एक बटन दबाने पर से उपकरणों और सहायक उपकरणों से सम्बंधित सूचना मिल जायेगी । यह परियोजना 31 अक्टूबर, 2015 तक के लिए स्वीकृत की गयी थी ताकि निर्माता/विक्रेता लॉग इन प्रणाली बनाई एवं स्थापित की जा सके और वर्तमान निर्देशिका डाटा बेस को लॉग इन आधारित सिस्टम में उन्नत किया जा सके । यह एक विकेन्द्रीकृत सेटअप है जो विक्रेताओं को स्वतंत्र रूप से अपने उत्पादों से सम्बंधित सूचना अद्यतन करने की सुविधा देता है । यह पोर्टल



भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार विकलांगों के प्रयोग के लिए सहज है। अक्षमता की कार्यकारी श्रेणियों में, सम्बंधित विभाग और उसके स्वायत्तशासी संस्थानों से सलाह लेकर, कुछ परिवर्तन किये गये हैं।

#### 1.4 मात्रात्मक प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान

टाइफैक के प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान प्रयासों को समृद्ध और सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से, गुणात्मक प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान में क्षमता निर्माण शुरू किया गया है। गुणात्मक विधियां चालक बलों और बेहतर परिशुद्धता के साथ संभावित भविष्यों (फ्यूचर्स) का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान करती है। ऐसी विधियां, विभिन्न परिस्थितियों में विकासों के स्तर की तुलना की सुविधा प्रदान करती हैं। और टेबिलो, ग्राफो आदि के माध्यम से दृश्यीकरण उपलब्ध कराती हैं। इस प्रकार वे विभिन्न सामाजिक आर्थिक कारकों के प्रभावों, नीति विकल्पों और इच्छित भविष्य हेतु रोडमैप से बेहतर अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

टाइफैक ने प्रारम्भ में परिवर्तन क्षेत्र पर केन्द्रित गुणात्मक प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान प्रयास शुरू किये हैं। इनका

उद्देश्य प्रौद्योगिकी विज्ञान 2035 के लक्ष्य 'सुरक्षित एवं त्वरित गतिशीलता' के कार्यान्वयन हेतु पथों का विश्लेषण और पहचान है। इसमें उपलब्ध मॉडलिंग टूल्स के इन्टरफेस के साथ आवश्यकता पड़ने पर उपकरणों का विकास भी समाहित है।

#### 1.5 होराइजन स्कैनिंग

टाइफैक नियमित और सतत आधार पर वैश्विक प्रौद्योगिकी परिदृश्य पर विकासों, सफलताओं और उथल - पुथलों पर दृष्टि रख रहा है। भारत में पूर्वानुमान गतिविधियों में प्रौद्योगिकी सतर्कता लाने के लिए, नियमित रूप से होराइजन स्कैनिंग की जाती है और क्षितिज पर दर्शाई गयी प्रौद्योगिकियों से जुड़े संभावित अवसरों एवं खतरों का मूल्यांकन करते हुए विषयगत रिपोर्ट तैयार की जाती है।

अनेक स्रोतों से नियमित रूप से प्रौद्योगिकी अपडेट एकत्रित किये जाते हैं और उन्हें टाइफैक फेसबुक पेज ([www.facebook.com/tifac.dst.india](http://www.facebook.com/tifac.dst.india)) पर पोस्ट किया जाता है। इस वर्ष ऐसी 4000 से अधिक पोस्टें डाली गयीं। इस अवधि के अन्त तक पोस्टों की

संख्या पांच गुनी बढ़ी जबकि इस अवधि में पाठकों की संख्या में चार गुनी वृद्धि हुई। पोस्टों का एक डाटाबेस भी रखा जा रहा है।

इन प्रौद्योगिकी अपडेटों को प्रौद्योगिकी विजन 2035 गतिविधि और क्षेत्रीय प्रौद्योगिकीय रोडमैप में इनपुट के रूप में भी प्रयोग किया जा रहा है। इन पर कार्य चल रहा है।

## 1.6 जलवायु परिवर्तन

### 1.6.1 अभिप्रेत राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (आई.एन.डी.सी.)

भारत में अक्टूबर, 2015 में अपनी नयी जलवायु योजना यु.एन.एफ.सी.सी.सी. में जमा की जिसे अभिप्रेत राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (आई.एन.डी.सी.) के नाम से जाना जाता है। विश्व के तीसरे सबसे बड़े उत्सर्जी देश और ऐसा देश है जो जलवायु परिवर्तनों के प्रभावों के कारण अत्याधिक असुरक्षित है। भारत - आई.एन.डी.सी. 2005 के स्तर से, 2030 तक अपनी जी.डी.पी. की उत्सर्जन तीव्रता को 33% से 35% तक कम करने के लिए संकल्पित है। आई.एन.डी.सी. ने कुछ सक्षम

प्रौद्योगिकियों को दर्शाया है जो लक्ष्य की प्राप्ति में मदद करेंगी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एम.ओ.ई.एफ. एंड सी.सी.) एवं डी.एस.टी. के अनुरोध पर टाइफैक ने शुद्ध कोयले, नवीकरण योग्य (रीन्युएबल्स) एवं नाभिकीय के क्षेत्र में उपयुक्त प्रौद्योगिकियों की पहचान और उनसे सम्बंधित जानकारियां उपलब्ध कराकर इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत को जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से निबटने के लिए भविष्य में न्यूनीकरण और अंगीकरण प्रयोजन के लिए इन प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होगी।

### 1.6.2 वैश्विक प्रौद्योगिकी निगरानी समूह (जी.टी.डब्लू. जी.)

डी.एस.टी. की ओर से, टाइफैक ने छह क्षेत्रों यथा नवीकरण योग्य ऊर्जा, हरित वन, सतत आवास, जल, सतत कृषि निर्माण के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी निगरानी रिपोर्टों को तैयार करने की परियोजना पर काम शुरू किया। जी.टी.डब्लू.जी., नेशनल मिशन ऑन स्ट्रेटेजिक नोलेज फॉर क्लाइमेट चेंज (एन.एम.एस.के.सी.सी.) के अंतर्गत डी.एस.टी. का एक महत्वपूर्ण प्रयास है जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर



उभरती स्तरीय प्रौद्योगिकियों की जानकारी रखना है। जी.टी.डब्लू.जी. के अंतर्गत, मुख्य गतिविधियों में प्रौद्योगिकी मैपिंग, न्यूनीकरण और अंगीकरण नीतियों के लिए, भारत के लिए इन प्रौद्योगिकियों का चयन और श्रेणीकरण शामिल है। साथ ही इसमें अगले 20 वर्षों में जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के लिए प्रौद्योगिकियों की पूर्वानुमान आवश्यकताओं का आकलन भी सम्मिलित है। जी.टी.डब्लू. परियोजना का मुख्य अवयव जी.टी.डब्लू.जी. एन.एम.एस.के.सी.सी. वेब पोर्टल तैयार करना भी है जोकि अपनी प्रकृति में सम्पर्कशील और अत्यधिक प्रखर होगा और यह विभिन्न जलवायु परिवर्तन मिशनों को सूचनाएं उपलब्ध करायेगा।

### 1.6.3 तृतीय राष्ट्रीय संचार एवं द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट (टी.एन.सी. एवं बी.यू.आर.)

एम.ओ.ई.एफ. एंड सी.सी. की ओर से, टाइफैक ने न्यूनीकरण और अंगीकरण की महत्ता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी आवश्यकता मूल्यांकन पर एक अध्ययन प्रस्ताव किया। इसका उद्देश्य यू.एन.एफ.सी.सी.सी. के प्रति

भारतीय दायित्वों को पूरा करने की दृष्टि से, रिक्तियों बाधाओं और वित्तीय/तकनीकी आवश्यकताओं पर अपडेट उपलब्ध कराना है। यह मुख्य रूप से भारत की विशिष्ट प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं के मूल्यांकन एवं क्षेत्रीय स्तर पर प्रौद्योगिकियों के अंतरण पर केन्द्रित है।

### 1.7 वैकल्पिक ईंधन

टाइफैक ने वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में पूर्वानुमान का कार्य शुरु किया है। इसमें कोयले और बायोमास से द्रव ईंधन एवं कार्बन डाई ऑक्साइड का चक्रण होगा। यह भारत के लिए मीथेनॉल एवं डाई मीथाइल ईंधन (डी.एम.ई.) का रोडमैप तैयार कर रहा है जिसके लिए नीति आयोग और डी.एस.टी. की ओर से निम्नलिखित दो अध्ययन शुरु किये गये हैं :

#### 1.7.1 मीथेनाल और डी.एस.टी. पर सर्वेक्षण अध्ययन

यह अध्ययन - उत्पादन पक्ष उच्च राख वाले कोयले, बायोमास एवं सीमेंट तथा इस्पात उद्योग जैसे स्रोतों से उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकियों, उनके लागत प्रभाव के साथ चालू स्थितियों के मूल्यांकन

(आज और भविष्य में) को व्यापक रूप से समाहित करेगा ।

### 1.7.2 मीथेनॉल और डी.एम.ई. पर सर्वेक्षण अध्ययन - उपयोगिता पक्ष

यह अध्ययन मीथेनॉल और डी.एम.ई. गुणवत्ता, उपयोगिता, भंडार, हस्त

कार्यद्व परिवहन, व्यवसायिक एवं नियामक अपेक्षाएं, सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों और परिवहन, रसायन, फ्यूल सेल्स आदि क्षेत्रों में उनके उपयोग से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों को व्यापक रूप से कवर करेगा ।



## 2.0 नव प्रवर्तन (इनोवेशन) पोषण

टाइफैक अपने विभिन्न इनोवेशन सहायता कार्यक्रमों के अंतर्गत अकादमिक संस्थानों सरकारी आर. एवं डी. संस्थानों उद्योगों के साथ व्यक्तिगत स्तर पर किये इनोवेशन को सहायता प्रदान करता है। मुख्य तौर पर तकनीकी एवं वित्तीय सहायता पेटेंटों एवं अन्य आई.पी. आवेदनों के मूल्यांकन और फाइल करने में और विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत पायलट स्तर से औद्योगिक उत्पादन स्तर तक प्रौद्योगिकियों के उन्नयन के लिए प्रौद्योगिकी परिशोधन हेतु पश्च पेटेंट (पोस्ट पेटेंट) सहायता के रूप में दी जाती है। ये कार्यक्रम पेटेंट सुविधा केन्द्र (पी.एफ.सी.) और टाइफैक - सिडबी रिवाँल्विंग फंड फॉर टेक्नोलोजी इनोवेशन प्रोग्राम (सृजन) है। इनमें से प्रत्येक कार्यक्रम के पास अपना उद्देश्य और सहायता प्रणाली हैं। टाइफैक इन कार्यक्रमों की कार्यशीलता और उत्पादन में भी मदद करता है।

### 2.1 पेटेंट सुविधा केन्द्र (पी.एफ.सी.)

पी.एफ.सी. टाइफैक देश के विभिन्न

कार्यक्रम के आयोजन के द्वारा और न्यूज मैटर्स और सोशल मीडिया के माध्यम से देश के वैज्ञानिक समुदाय के



भागों में कार्यशालाओं और प्रशिक्षण

मध्य पेटेंट और आई.पी.आर. के सम्बंध

में जागरूकता और गहरी समझ लाने के लिए सतत रूप से प्रयास कर रहा है। वह सरकारी आर. एवं डी. संस्थानों एवं शैक्षिक संस्थानों को अपने इनोवेशन एवं सर्जनात्मक कार्यों पर पेटेंटों और अन्य आई.पी. अधिकारों को प्राप्त करने में तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है। साथ ही पी.एफ.सी., पेटेंट खोज रिपोर्टों और पेटेंट विश्लेषण रिपोर्टों के रूप में आर. एवं डी. की प्रक्रिया हेतु महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में पेटेंट सूचना भी उपलब्ध कराता है। यह आई.पी.आर. के क्षेत्र में हो रहे विकासों पर दृष्टि रखता है और सरकार को नीति संबंधी जानकारियां (इनपुट्स) प्रदान करता है।

टाइफैक को पी.एफ.सी., टाइफैक द्वारा कार्यान्वित किरण-आई.पी.आर. नामक कार्यक्रम के लिए नारी शक्ति पुरस्कार, 2015 (रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उसे आर. एवं डी. के क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण के लिए प्रदान किया गया। इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम में, आई.पी.आर. के क्षेत्र में देश भर से 7 बेंचों में लगभग 400 महिला वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किया गया एवं इनमें 10% सक्रिय पेटेंट

एजेंट के रूप में उभरकर आयीं। यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदान किया गया।

### 2.1.1 पेटेंट/आई.पी. सुविधा

समग्र तकनीकी एवं वित्तीय सहायता के साथ, पेटेंट सुविधा के एक भाग के रूप में, पी.एफ.सी. अकादमिक संस्थानों और सरकारी आर. एवं डी. संस्थानों की ओर से पेटेंट की फाइलिंग के लिए 96 नये मामले लिये साथ ही 150 से अधिक इन्सपायर मामलों पर कार्य किया। इनमें 38 आविष्कार पेटेंट योग्य थे। उनमें आगे नये पेटेंट आवेदनों को फाइल करने पर कार्रवाई की गयी जिनमें 04 पेटेंट आवेदन डी.एस.टी. के इन्सपायर कार्यक्रम से सम्बंधित थे। दो मामलों पर पी.सी.टी. आवेदन फाइल करने के लिए कार्रवाई की गयी। इनमें से अंतिम रूप से एक पी.सी.टी. आवेदन फाइल हुआ।

#### 2.1.1.1 पेटेंटों की स्वीकृति

इस अवधि में कुल 17 पेटेंटों को स्वीकृति मिली जिनमें 12 भारतीय, 2 यू.एस. और 2 दक्षिण कोरिया के थे। स्वीकृत पेटेंटों का विवरण निम्नलिखित है:



वित्तीय वर्ष में स्वीकृत पेटेंट

भारतीय पेटेंट				
क्र.सं.	पेटेंट सं.	स्वीकृति की तारीख	आवेदक	शीर्षक
1.	271334	17.02.2016	आई.आई.टी. खड़गपुर	सिण जैस के उत्पादन नीथेन की स्टीम रिफार्मिंग हेतु एक स्ट्रक्चर्ड कैटेलिस्ट
2.	271230	10.02.2016	एम.एस. युनिवर्सिटी वडोदरा	एयरोबिक एपॉक्सीडेशन ऑफ एल्कीन्स हेतु सपोर्टेड अनकैफोस फोटुन्गस्टेट कैशलिस्ट
3	270285	09.12.2015	इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता	सिंथेथाइज्ड कार्बन नैनो ट्यून्स और उनके उत्पादन की प्रक्रिया
4.	270484	28.12.2015	आई.आई.टी., गुवाहाटी	कार्बोडिलिमाइज्ड्स के निर्माण की प्रक्रिया
5.	269204	09.10.2015	एम.डी. युनिवर्सिटी रोहतक	सॉलिड सपोर्ट पर प्रोटीन्स का इम-मोबिलाइजेशन और उसकी प्रक्रिया
6.	269149	01.10.2015	आई.आई.टी., गुवाहाटी	9,9 डाई-एल्काइल सबस्टीट्यूटेड फ्लोरीन मोनोयर के उत्पादन की प्रक्रिया और उससे पॉलीफ्लूरेन पॉलीमर्स (पी.एफ.सी.) निकालना
7.	268892	22.09.2015	शहीद भगत सिंह कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, फिरोजपुर	पूरी तरह स्थिर क्यूबिक जिंकोनिया के उत्पादन की विधि
8.	268363	09.09.2015	पी.जी.आई.एम.ई.आर. चंडीगढ़	राट कैनाल इरीगेशन नीडल
9.	267527	22.07.2015	आई.आई.टी., दिल्ली	क्रोस लिंकड प्रोटीन कोटेड माइक्रो - क्रिस्टल्स और उनके निर्माण की प्रक्रिया
10.	266115	01.04.2015	आई.आई.टी., खड़गपुर	एक विशेष डेयरी में हाई विस्वास उत्पादों की प्रोसेसिंग हेतु बहुदेशीय यंत्र एवं खाद्य उत्पाद



यू.एस. पेटेंट्स				
1.	9077869	07.07.2015	आई.आई.टी., खड़गपुर	टेम्पोरल ओर स्पेटियो टेम्पोरल प्रापर्टीज का प्रयोग करते हुए वीडियोज से बूंदो की पहचान और उन्हें हटाने के लिए विधि एवं उपकरण
2.	9197789	24.11.2015	आई.आई.टी., खड़गपुर	छवि और वीडियोज से फोग, मिस्ट और हेज हटाने के लिए विधि एवं सिस्टम
दक्षिण कोरिया पेटेंट्स				
1.	1015915 760000	28.01.2016	आई.आई.टी., खड़गपुर	टेम्पोरल ओर स्पेटियो टेम्पोरल प्रापर्टीज का प्रयोग करते हुए वीडियोज से बूंदो की पहचान और उन्हें हटाने के लिए विधि एवं उपकरण
2.	1015689 710,000		आई.आई.टी., खड़गपुर	छवियों और वीडियोज से फोक मिस्ट और हेज हटाने के लिए विधि एवं सिस्टम

### 2.1.1.2 आई.पी.आर. जागरूकता कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण

पी.एफ.सी. ने आई.पी.आर. और पेटेंटों पर 04 कार्यशालाएं आयोजित की। ये कार्यशालाएं मानेसर, गांधी नगर, तेजपुर और डिब्रूगढ़ में आयोजित हुईं। मानेसर कार्यशाला, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपोरेट अफेयर्स (आई.आई.सी.ए.), मानेसर के सहयोग से आयोजित की गयी। इसमें देश भर से 60 सहभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में पूर्व नासा वैज्ञानिक ने नासा में आई.पी. और पेटेंटों के व्यवहार से सम्बंधित अपने अनुभव

सांझा किये। तेजपुर और डिब्रूगढ़ की कार्यशालाएं पेटेंट खोज और विश्लेषण पर केन्द्रित थीं। इन्हें तेजपुर विश्वविद्यालय में एम.एच.आर.डी-आई.पी.आर. पीठ के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रायोगिक सत्र के दौरान उन्हें पेटेंट खोज के लिए बहुआयामी वाई-फाई हॉट स्पॉट्स के प्रयोग का हैंड-ऑन प्रशिक्षण दिया गया।

पी.एफ.सी. ने आई.आई.टी. दिल्ली में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आई.आई.एस.एफ.) के दौरान आई.पी.आर. पर कार्यशाला का

आयोजन किया। इस महोत्सव का आयोजन टाइफैक और विज्ञान भारती (विभा) ने संयुक्त रूप से किया गया। इसमें लगभग 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पी.एफ.सी. ने डी.आर.डी.ओ. के सहयोग से, आई.पी.आर. पर एक तीन द्वसीय उन्नत कार्यशाला - सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके संकाय सदस्य यूरोपियन पेटेंट अटॉर्नी, पी.एफ.सी. एवं अन्य अग्रणी आई.पी. प्रबंधन संस्थानों के प्रतिनिधि थे। इसमें डी.आर.डी.ओ. आई.सी.ए.आर., डी.एस.टी. और डी.एस.टी. द्वारा राज्य स्तर पर खोले गये पेटेंट सूचना केन्द्रों के आई.पी.आर. मामले देखने वाले 51 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

### 2.1.2 आई.पी.आर. में महिला वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण (किरण - आई.पी.आर.)

प्रोत्साहन के माध्यम से अनुसंधान प्रगति में ज्ञान संलग्नता (किरण-आई.पी.आर.) योजना (पूर्व में डब्लू.ओ.एस.-सी.) का उद्देश्य उन महिलाओं को मुख्य धारा में लाना है जिनके पास विज्ञान और प्रौद्योगिकी की योग्यता है एवं जो धरेलू विवशताओं के कारण अपने कैरियर को आगे नहीं

बढ़ा पा रही हैं। यह योजना, उन्हें आई.पी.आर. के क्षेत्र में ज्ञान एवं कार्य प्रशिक्षण प्रदान करती है ताकि उन्हें स्व रोजगार की सुविधा मिल सके।

8 वें बैच के लिए 3244 प्रार्थियों ने आवेदन किया जिनमें से 3041 ऑन लाइन परीक्षा में भाग लेने के पात्र थे। 33 शहरों के 41 केन्द्रों में आयोजित ऑन लाइन परीक्षण में कुल 1496 प्रार्थियों ने भाग लिया। साक्षात्कार के बाद 120 महिला वैज्ञानिकों का एक वर्षीय प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ। 01 अप्रैल, 2016 से इसका अभिमुखीकरण कार्यक्रम शुरू होना है। 8 वें बैच से प्रार्थियों की योग्यता के आधार पर वृत्तिका (स्टाइपेंड) 12,500/- रुपये एवं 17,500/- रुपये से बढ़ाकर क्रमशः 20,000/- रुपये और 30,000 की गयी।

### 2.1.3 पेटेंट लाइसेंसिंग

पी.एफ.सी. ने पहली बार पेटेंट सह प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग का कार्य शुरू किया। एस.एन. बोस इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंस कोलकाता के नॉन इनोवेसिव जांडिस मीटर' पर पेटेंट का लाइसेंस मेसर्स एमिल लिमिटेड को आसान (नॉन् एक्सक्लूसिव) शर्तों पर, 5 लाख रुपये के शुल्क और कुल बिक्री



पर 5% की रॉयल्टी तथा पांच वर्षों बाद लाइसेंस के नवीकरण की शर्त पर प्रदान किया गया।

#### 2.1.4 नीति इनपुट्स

पी.एफ.सी. ने औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग को, प्रारूप राष्ट्रीय आई.पी.आर. नीति के लिए सभी तीनों चरणों यथा संभावना नोट, फीड बैंक और केबिनेट नोट के लिए इनपुट्स उपलब्ध कराये। साथ ही उसने डी.आई.पी.पी. द्वारा इस नीति का कार्यान्वयन करने के लिए, सरकार द्वारा स्थापित विचार केन्द्र के साथ सीधी चर्चा में भी भाग लिया।

#### 2.2 टाइफैक सिडबी प्रौद्योगिकी नव-प्रवर्तन (इनोवेशन) कार्यक्रम (सृजन)

यह कार्यक्रम देश में प्रौद्योगिकी इनोवेशन का प्रोत्साहन देने के लिए

उद्देश्य से नवम्बर, 2010 में शुरू हुआ था। टाइफैक ने सिडबी के साथ संयुक्त रूप से एक चक्रण निधि (रिवॉल्विंग फंड) का सृजन किया ताकि उद्योगों विशेषकर एम.एस.एम.ई.-कार्यशील और चालू होने वाले उद्योगों की सहायता की जा सके।

सिडबी के साथ टाइफैक द्वारा सृजित चक्रण निधि की संचित स्थिति एवं वित्त वर्ष 2015-16 में परियोजनाओं की स्थिति का विवरण निम्नलिखित है:

परियोजनाओं की स्थिति (वित्तीय वर्ष 2015-16)

- सफलतापूर्वक पूरी हुई परियोजनाओं की संख्या 4
- चालू परियोजनाओं की संख्या 6
- तकनीकी रूप से अनुशंसित नई परियोजनाओं की संख्या 6

	राशि
टाइफैक द्वारा सिडबी को जारी निधि	10.00 करोड़ रुपये
स्वीकृति ऋण	13.56 करोड़ रुपये
वितरित ऋण	10.06 करोड़ रुपये
वसूल ऋण	2.94 करोड़ रुपये
अर्जित ब्याज	0.78 करोड़ रुपये
चक्रण निधि में शेष	3.48 करोड़ रुपये



### 2.2.1 इस वित्तीय वर्ष के दौरान सफलतापूर्वक पूर्ण परियोजनाएं

क्र. सं.	शीर्षक	कार्यान्वयन उद्योग	प्रौद्योगिकी जानकारी-भागीदार	कुल परियोजना लागत एवं सृजन के अंतर्गत सहायता (लाख रुपये में)	इनोवेशन
1.	कृषि, पशुपालन एवं माननीय अनुप्रयोगों हेतु समुद्री पौधों से उत्पन्न मूल्यवर्धित उत्पाद	मेसर्स एक्वागी प्रोसेसिंग प्रा.लि. मनामुदुर्ई, तमिलनाडु	सी.एस.आई.- सी.एस.एम.सी. आर.आई. भावनगर	1072.10 100.00	ताजे बोये गये समुद्री पौधों से कैराजीनम एवं द्रव पादप पोषकों के उत्पादन हेतु संशोधित जल दक्षता के साथ नवीन प्रक्रिया
2.	प्रत्येक तरफ लेबल स्टॉक सहित सिंगल रिलीज लाइनर	मेसर्स हैसल फ्री टेक्नोलोजीस, ग्रेटर नोएडा,	इनोवेटर संचय	146.70 100.00	सिंगल रिलीज लाइनर जिसके दोनों तरफ मुद्रित लेबल स्टॉक हों ताकि सामग्री उपयोग और लाइनर कचरे को 50% तक हो सके।
3.	रोबो प्लाज्मा स्ट्रक्चरल कटिंग सिस्टम का उन्नयन	मेसर्स प्लाज्मा टेक्नोजीस प्रा.लि. पुणे	घरेलू आर. एवं डी.	125.00 100.00	सिंगल सिस्टम के साथ जॉब प्रोफाइल की बैराइटी देने के लिए 2 और 3 डी कटिंग हेतु रोबोटिक्स के साथ तेज, स्मार्ट और सस्ता परिशुद्ध प्लाज्मा स्टील कटिंग सिस्टम
4.	इनर्शियल नवीगेशन सेंसर्स एवं ऑटो पायलट का डिजाइन एवं उत्पादन	मेसर्स एरोन सिस्टम्स प्रा.लि. पुणे	इनोवेटर स्टार्ट अप	97.50 70.00	रक्षा एवं ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों के लिए ऑटोपायलेट्स में प्रयोग हेतु सस्ते सेंसर्स का देसी डिजाइन एवं विकास

### 2.2.2 वित्तीय वर्ष के दौरान चालू परियोजनाएं

क्र. सं.	शीर्षक	कार्यान्वयन उद्योग	प्रौद्योगिकी जानकारी-भागीदार	कुल परियोजना लागत एवं सृजन के अंतर्गत सहायता (लाख रुपये में)	इनोवेशन
1.	टेबल टॉप ऑटोमेटिक मल्टीपल डोसा मेकिंग मशीन	मेसर्स मुकुन्द फूड्स प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु	स्टॉट अप द्वारा इनोवेशन	180.00 50.00	सर्विस रेस्टोरेट्स, खान-पान सेवाओं और घरेलू अनुप्रयोगों के लिए प्रति मिनट एक डोसा बनाने की क्षमता वाली टेबल टॉप पोर्टेबल ऑटोमेटिक डोसा मेकिंग मशीन
2.	कोइल एज प्रोटेक्टर	मेसर्स ज्योति सिरो रबर, जमशेदपुर	घरेलू अनुसंधान एवं विकास	171.79 95.00	परिवहन के दौरान स्टील रोलस हानि कम करने के लिए कुशनिंग और बेहतर शक्ति के साथ, अनुठे डिजाइन की आधारित प्रोटेक्टर पैकेजिंग
3.	कीमती धातुओं की वसूली के लिए तापीय विघटन के प्रयोग द्वारा ई-कचरा की प्रोसेसिंग	मेसर्स रिवाइव इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट प्रा.लि. नवी मुम्बई	स्टॉट अप द्वारा इनोवेशन	200.00 100.00	पुराने पी.सी. से सोना, चाँदी, तँबा जैसी कीमती धातुओं की प्राप्ति हेतु मॉड्यूलर साइज ई-वेस्ट प्रोसेसिंग संयंत्र
4.	मानव रहित वायु वाहनो (यू.ए.वी.एस.) के लिए ऑटो पायलट का देसी विकास एवं निर्माण	मेसर्स श्री साई एयरोटेक इनोवेशंस प्रा.लि., चेन्नई	स्टॉट अप द्वारा इनोवेशन	133.50 68.00	ड्रोन, फार्म वाहनों के लिए, कोई भी उड़ा सकता है, एप आधारित ऑटो पायलट का देसी डिजाइन एवं विकास
5.	कम लैक्टोज दूध का उत्पादन	मेसर्स मधुरिया डेयरी प्रोडक्ट्स, बेंगलुरु	घरेलू अनुसंधान एवं विकास	210.00 100.00	नियंत्रित स्थितियों में लैक्टोज एन्जाइम के प्रयोग द्वारा गाय था भैंस के दूध से 0.1 तक लैक्टोज कम करने की प्रक्रिया



क्र. सं.	शीर्षक	कार्यान्वयन उद्योग	प्रौद्योगिकी जानकारी-भागीदार	कुल परियोजना लागत एवं सृजन के अंतर्गत सहायता (लाख रुपये में)	इनोवेशन
6.	स्टैंडर्ड रॉक माउन्टेबल एस.एम.पी.एस. आधारित प्रसीजन रेग्युलेटेड हाई वोल्टेज पावर सप्लाईज	मेसर्स आयोनिकस पावर सोल्यूशंस प्रा.लि. हैदराबाद	घरेलू अनुसंधान एवं विकास	125.00 100.00	परिशुद्ध प्रयोगशाला उपकरणों में हाई वोल्टेज आपूर्ति के लिए स्विच मोड पावर सप्लाई सिस्टम का देसी विकास

### 2.2.3 टाइफैक द्वारा तकनीकी रूप से अनुशंसित एवं सिडबी के वित्तीय मूल्यांकन के अन्तर्गत नई परियोजनाएं

क्र. सं.	शीर्षक	उद्योग	तकनीकी जानकारी भागीदार	इनोवेशन
1.	हाई डेफीनेशन एरियल सर्विलांस एंड ट्रेकिंग सिस्टम (एडी.एस.टी.एस.)	मेसर्स टेकवेयर सिस्टम प्रा. लि., चेन्नई	घरेलू आर. एवं डी.	यातायात में 1-15 कि.मी. की रेंज पोर्ट्स अथवा फ्रैक्ट्रीज लॉजिस्टिक फर्मस के साथ देसी रूप से डिजाइन एवं विकसित पोर्टेबल, सभी मौसमों में उपयोगी एवं असम लि. एच.डी. निगरानी सिस्टम
2.	पाऊडर ऑयल बेस्ड मड प्रॉडक्ट्स (वोल्वो सीरीज)	मेसर्स गुम्प्रो ड्रिलिंग फूडस प्रा.लि. मुम्बई	घरेलू आर. एवं डी.	सब-पीरो स्थितियों में थ्री हीटिंग हटाने रिमोट तेल क्षेत्रों लॉजिस्टिक मामलों को निपटाने के लिए ड्रिलिंग में प्रयुक्त तेल आधारित मड एमल्सीफायर का पाऊर्ड रूप
3.	औद्योगिक और व्यवसायिक उपयोगों हेतु चिलरमेंट डी. सुपरहीटर	मेसर्स प्रोमेथियन एनर्जी प्रा.लि. मुम्बई	आई.आई.टी. - बम्बई	एयर कंडीशनरों और एयर कम्प्रेशरों से फालतू ऊष्मा की वसूली हेतु उच्च दक्षता डी-सुपर हिटर



क्र. सं.	शीर्षक	उद्योग	तकनीकी जानकारी भागीदार	इनोवेशन
4.	ऑटोमोबाइल अनुप्रयोगों हेतु लॉग फाइबर थर्मोप्लास्टिक्स	मेसर्स एस.के.वाई.आई . कम्प्रोजिट्स प्रा.लि. पुणे	स्टार्ट अप	ऑटोमोटिव्स, खेल सामग्री, निर्माण में धातु पुर्जों के स्थान पर बेहतर गुणवत्ता के रि-इनफोर्स्ड लॉग फाइबर थर्मोप्लास्टिक्स के लिए देसी प्रौद्योगिकी
5.	प्लग एन चिल कोल्ड चैन प्रॉडक्ट्स	मेसर्स थर्मल एनर्जी सर्विसेज सोल्यूशन प्रा.लि. नवी मुम्बई	घरेलू आर. एवं डी.	डीजल के उपयोग को कम करने के लिए खाद्य सामग्री ले जाने वाले वाहनों के चलने के दौरान कूलिंग में डीजल के प्रयोग से बचने के लिए रेफ्रिजरेटर्ड ट्रांसपोर्ट वाहनों में फेस चेज मैटीरियल (पी.सी.एम. का प्रयोग)
6.	जलीय निकायों को साफ करने के लिए इनफ्लेटेबल प्रौद्योगिकी	मेसर्स अगस्त्य बोयंट प्रा.लि. कोलकाता	स्टार्ट आप	जल निकायों/नदियों में सतही कचरे का एकत्रीकरण के लिए इन्फ्लेटेबल ट्रेश बूथ-आयल, नदी तालाब में फेंके गये कचरे को इकट्ठा करने के लिए

### 2.2.3 सृजन द्वारा अनुशंसित प्रौद्योगिकी नव प्रवर्तनों (इनोवेशन) की उपलब्धियां

मेसर्स मुकुन्द फुड्स प्रा.लि. को अपने इनोवेशन उत्पाद-टेबल टॉ ऑटोमेटिक मल्टीपल बैरिएंट डोसा मेकिंग मशीन के लिए, डी.एस.टी.-लॉक हीड मॉर्टिन आई.आई.जी.पी. अवार्ड्स 2015 के टॉप-10 में चुना गया। उन्हें माननीय प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान यू.एस.ए. में स्टार्ट अप कनेक्ट प्रोग्राम के लिए भी चुना गया।

मेसर्स ब्रिजडॉट्स टेक सर्विसेज प्रा.लि. नोएडा को ऑटोमोबाइल टायरों की ईंधन क्षमता बढ़ाने में उपयोग हेतु इनोवेशन प्रक्रिया को विकसित करने के लिए, डी.एस.टी.-लॉकहीड मॉर्टिन अवार्ड 2015 के टॉप-10 में और एम.एस.एम.ई.- युनिडो क्लीन टेक

प्रोग्राम 2016 के टॉप छह फाइनेलिस्टों में चुना गया।

मेसर्स अगस्त्य एनर्जी प्रा.लि., मुम्बई को उसके इनोवेटिव उत्पाद-चिलर गेट डी-सुपरहीटर युनिट फॉर वेस्ट हीट

रिवकवरी इन इंडस्ट्रियल चिलर्स एंड एयर कम्प्रेसंस के लिए एम.एस.एम.ई.-युनिडो प्रोग्राम, 2015 के दो विजेताओं में एक के रूप में पुरस्कार किया गया। उन्होंने वैश्विक क्लीनटेक प्रतियोगिता में भाग लिया ।

मेसर्स अगस्व्य बायोन्ट प्रा.लि. कोलकाता को उनके इनोवेटिव उत्पाद 'इनफ्लेटेबल ट्रेश रुम फार वाटर बॉडी क्लीनिंग' एगिये बांगला' कार्यक्रम, 2016 में टॉप 3 विजेताओं में चुना गया ।

मेसर्स ओमनी प्रेजेंट रोबोट टेक्नोलोजीस

प्रा.लि., नई दिल्ली द्वारा विकसित इनोवेशन उत्पाद 'रो-बोट, एक 'अर्ध स्वायत्त नदी सतह शुद्धीकरण उपकरण' को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा संभावित प्रौद्योगिकी के रूप में चिह्नित किया गया ।

मेसर्स मिलेनियम रबर टेक्नोलोजीस प्रा.लि., त्रिशूर, केरल को उनके इनोवेटिव उत्पाद डबल रोलर कॉटन गिनिंग मशीनों के लिए पर्यावरण मित्र सेल्फ ग्रूविंग रबर रोलर के लिए एम.एस.एम.ई.-युनिडो क्लीनटेक प्रोग्राम 2015 के टॉप छह फाइनलिस्टों में चुना गया ।



Low cost Inertial Navigation System deployed in DRDO developed Autonomous ground vehicle to detect mines.



Gold extracted from discarded printed circuit boards.



Table-top Dosamatic machine to deliver clean Dosa.



Aquasap extract from freshly extracted seaweed.

टाइफैक सिडबी प्रौद्योगिकी इनोवेशन कार्यक्रम (सृजन) से झलकियां



## 3.0 उद्योगों को प्रौद्योगिकी सहायता

टाइफैक अपने हस्तक्षेपों (इंटरवेशंस) के साथ उद्योगों को जोड़कर आवश्यकता आधारित दृष्टिकोण अपनाने का अनुसरण करता है। एम.एस.एम.ई. क्षेत्र के लिए जहां हस्तक्षेप डिजाइन को व्यापक होना होता है क्योंकि वहां हस्तकार्यों की आवश्यकता होता है और यह बड़े स्तर पर संचालित होने वाली गतिविधियों को भी समाहित करता है। प्रौद्योगिकी विस्तार निदर्शनों के अतिरिक्त इन गतिविधियों के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी आवश्यकता विश्लेषण से परीक्षण एवं आर. एवं डी. सुविधाएं उपलब्ध कराना भी शामिल है। टाइफैक उद्योगों के लिए हस्तक्षेप योजनाएं डिजाइन करता है। इनके बाद अपेक्षित समय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

### 3.1. एम.एस.एम.ई. समूह कार्यक्रम:

एम.एस.एम.ई.एस. को आर. एवं डी. एवं तकनीकी सहायता प्रदान करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ, यह कार्यक्रम ज्ञान और विशेषज्ञता आधार को बढ़ाने के लिए संभावित एवं सक्षम शैक्षिक / आर. एवं डी. तथा तकनीकी संस्थानों के साथ एम.एस.एम.ई. के सम्पर्क की सुविधा के लिए एक मंच के निर्माण पर भी जोर देता है। यह दृष्टिकोण (एप्रोच) समूह में प्रौद्योगिकी स्थिति (उत्पाद एवं प्रक्रिया) पर विशेष फोकस की जरूरतों के साथ प्रौद्योगिकी मानचित्रण (मैपिंग) और व्यापक मूल्यांकन, रिक्तियों का मूल्यांकन (प्रौद्योगिकी, प्रतिस्पर्धा और बाजार

आवश्यकताओं के मामले में) एवं समूह के लिए अपेक्षित प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप कार्य योजना के साथ शुरू होता है। मानचित्रण (मैपिंग) के बाद टाइफैक, समूह में आवश्यकता के आधार पर क्षमता निर्माण प्रयासों पर काम करता है। इस वर्ष के दौरान हुई प्रगति का विवरण निम्नलिखित है:

#### 3.1.1. पूर्ण अध्ययन

**मुद्रण समूह, मैसूर (कर्नाटक) हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण**

इस अध्ययन से ज्ञात हुआ कि मैसूर समूह में मुद्रण के काम में लगभग 250 इकाईयां लगी हुई है। लगभग 1125 लोग सीधे और 8000 लोग



परोक्ष रूप से मुद्रण कार्य से जुड़े हैं। इस समूह का कुल वार्षिक कारोबार 47 करोड़ रुपये के लगभग है। मुख्य सिफारिशों में शामिल हैं : प्लेट (सी.टी.पी.) प्रौद्योगिकी के लिए कम्प्यूटर का प्रयोग बढ़ाना, अधिक रंग संयोजनों के लिए मल्टीकलर प्रिंटिंग मशीन की व्यवस्था, आइसो प्रोपाइल एल्कोहल के प्रयोग को हटाकर उसके स्थान पर वाटरलेस ऑफसेट, कटिंग, बाइंडिंग और पेस्टिंग जैसे कामों में ऑटोमेशन ताकि अस्वीकृति और सामग्री की बर्बादी को रोका जा सके, डिजिटल इंबोसिंग और कोटिंग मशीनों का उपयोग, खनिज तेल आधारित स्याही के स्थान पर पर्यावरण मित्र वनस्पति तेलों से बनी स्याही का प्रयोग। अध्ययन की अनुशंसाओं के आधार पर, उपयुक्त अमाण निर्माण प्रयास किये जा रहे हैं।

### 3.1.2 नये अध्ययनों का प्रारंभ

क. साड़ी समूह, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

यह सूती साड़ी और सिंथेटिक साड़ी पर केन्द्रित है। यह साड़ी के डिजाइन, कच्चा माल, प्रोसेसिंग और अंतिम उत्पाद तक की पूरी उत्पादन श्रृंखला के साथ साड़ी के डिजाइन, प्रोसेसिंग और निर्माण/उत्पादन से संबंधित पहलुओं को समाहित करता है। यह अध्ययन वाराणसी, मऊ और आजमगढ़ के समूहों को कवर करता है। इसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - बी.एच.यू. वाराणसी ज्ञान के रूप में था।

ख. सामान्य इंजीनियरिंग समूह, कोयंबटूर (तमिलनाडु)

यह अध्ययन ऑटोपुर्जे, टेक्सटाइल्स मशीनरी, कटिंग टूल्स इलेक्ट्रिक उपकरण, गैरेज उपकरण आदि क्षेत्रों में प्रसिजन मशीनिंग से सम्बंधित हल्के इंजीनियरिंग उत्पाद और प्रक्रियाओं को समाहित करता है। इसे ज्ञान भागीदार पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोयंबटूर साथ कोयंबटूर और उसके समीप के क्षेत्रों में संचालित किया जा रहा है।

### 3.1.3 जागरुकता कार्यशालाओं का आयोजन

क्र. सं.	एम.एस.एम.ई. समूह	ज्ञान भागीदार	कार्यशाला का फोकस	सहभागी
1.	राइस मिलिंग मशीनरी समूह, रक्सौल (बिहार)	आई.आई.टी. - पटना	दक्ष डिजाइनिंग और डिजाइनिंग में सी.ए.डी./सी.ए.एम. का अनुप्रयोग पर मुख्य फोकस	उद्यमी, उद्योगपति, कर्मचारी, किसान विशेषज्ञ, निर्यातक राज्य सरकार के अधिकारी समूह संघों के सदस्य आदि
2.	साड़ी समूह, वाराणसी (उत्तर)	आई.आई.टी. - बी.एच.यू.	चालू वर्तमान प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकीय कमियों की	बुनकर, रंगाई ईकाईयों मालिक, डिजाइनर्स, कर्मचारी, उद्यमी,

	प्रदेश)	वाराणसी	पहचान, ऊर्जा आवश्यकताएं एवं अपेक्षाएं, उपयुक्त एवं दक्ष बुनाई मशीनें/लूमस, उत्पात गुणवत्ता में सुधार पर फोकस	साडी नियतिक, एन.जी.ओ.एस. एवं उत्पादक, सरकारी कर्मचारी, एसोसिएशन के आदि
3.	रेडीमेड गार्मेंट्स समूह, पटना सिटी बिहार	एन.आई.एफ.टी.-पटना	कटिंग एवं सिलाई हेतु कई प्रौद्योगिकियों, चालू डिजाइनों एवं फैशन रुझान फोकस क्षेत्र थे	टेलर्स, कटर्स, डिजाइनर्स जैसे कुशल कामगार, कर्मचारी उद्योगपति-रंगाई ईकाइयां, राज्य सरकार के अधिकारी, समूह एसोसिएशन के सदस्य आदि
4.	होम टेक्सटाइल समूह, करूर (तमिलनाडु)	एन.आई.एफ.टी.-टी.ई.ए., तिरुपुर	उत्पाद के क्षेत्र में विस्तार, मूल्यवर्धित उत्पाद एवं बाजार प्रदर्शन फोकस में थे	डिजाइनर्सद्व रंगाई ईकाइयों के मालिक, निर्यातक उद्योगपति, उद्यमी समूह एसोसिएशन के सदस्य आदि
5.	राइस मिलिंग समूह, लखी सराय (बिहार)	आई.आई.टी. - पटना	प्रचालनों को अधिक ऊर्जा दक्ष एवं पर्यावरण प्रदूषण मुक्त बनाने पर फोकस था। भूरा चावल जैसे नये उत्पादों के परिदृश्य की भी खोज की गयी।	उद्यमी, उद्योगपति, कर्मचारी किसान, निर्यातक, राज्य सरकारों के अधिकारी समूह एसोसिएशन के सदस्य आदि



रक्सौल में निर्मित ट्रैक्टर टॉप मिनी राइस मिल



करूर में सिलाई इकाइयां

### 3.1.4 क्षमता निर्माण प्रयास

विगत 15-22 जुलाई, 2015 को रेडीमेड गार्मेंट्स समूह, तिरुपुर में 'टेक्सटाइल डिजाइनिंग और प्रिंटिंग' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मालदा खाद्य प्रसंस्करण समूह के अंतर्गत रतुआ खंड-II में निर्धनों के लिए पश्चिम बंगाल खादी एवं ग्रामोयोग बोर्ड (डब्लू.बी.के.वी.आई.बी.) के साथ संयुक्त रूप से दो द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 26-27 अगस्त, 2015 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 75 महिला एस.एच.जी.



सदस्यों ने भाग लिया । प्रशिक्षण की समाप्ति पर उन्हें प्रमाणपत्र भी वितरित किये गये ।

### 3.1.5 नये अध्ययन

अधिक समूहों को कवर भरने के उद्देश्य से, सम्बंधित एम.एस.एम.ई. उद्योग संगठनों से रुचि भी अभिव्यक्ति (ई.ओ.ई.) आमंत्रित करने के लिए एक अखिल भारतीय विज्ञापन

दिया गया जो टाइम्स ऑफ इंडिया के सभी संस्करणों और टाइफैक वबसाइट में प्रकाशित हुआ । इस विज्ञापन के उत्तर में उद्योग संघों से 19 ई.ओ.ई. प्राप्त हुई । इसके बाद निम्नलिखित 9 एम.एस.एम.ई. समूहों के लिए एक अखिल भारतीय विज्ञापन द्वारा शैक्षिक संगठनों/तकनीकी संस्थाओं से प्रौद्योगिकी कमी अध्ययन प्रस्ताव आमंत्रित किये गये ।

एम.एस.एम.ई. समूह	
1	कृषि उपकरण समूह, नूर सराय (बिहार)
2	क. ताबां एवं कास्य बर्तन समूह, वैशाली (बिहार) ख. ब्रास एवं जर्मन सिल्वर बर्तन समूह, बेतिया (बिहार) ग. ब्रास एवं बेल धातु समूह- महिषादल पूर्वा. मेदिनीपुर घ. ब्रास मेटल समूह, परेब, बिहटा (बिहार)
3	क. बक्तावंग वुड कारपेट्री समूह (मिजोरम) ख. बैराबी बांस समूह (मिजोरम) ग. सेलिंग बंबू समूह (मिजोरम)
4	सर्जिकल इंसिंग मैनुफैक्चरिंग समूह, छत्रपति (तमिलनाडु)
5	रीफ्रैक्ट्री समूह, बंगन्यूमि (पश्चिम बंगाल)
6	टेक्सटाइल एवं गार्मेंट मैनुफैक्चरिंग समूह, ई-रोड (तमिलनाडु)
7	कन्हैयागंज नमूला समूह, नालंदा (बिहार)
8	खाद्य समूह पूणे (महाराष्ट्र)
9	श्री व्हीलर, मिनी ट्रेक्टर (सनेडा) समूह, राजकोट (गुजरात)

### 3.2 एम.एस.एम.ई. निर्यात वृद्धि

#### 3.2.1 ग्वार गम

ग्वार गम मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुक्रम में और यू.एस. एकैडमिया के साथ संवाद शुरू करने तथा भारतीय शिक्षा जगत, आर. एवं डी. संस्थानों और

उद्योगों और यू.एस.ए. में उनके सहयोगियों के बीच पारस्परिक सहयोग के संभावित प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों की खोज के लिए, यू.एस.ए. में सितम्बर, 2015 में वर्जीनिया टेक और टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी ।



चर्चा के दौरान, सहयोग हेतु निम्नलिखित संभावित क्षेत्रों की पहचान की गयी:

- बीजारोपण (सीड ब्रीडिंग)
- प्रक्रियाएं एवं उत्पाद
- उच्च मूल्य ग्वार डेरीविटाइजेशन

यह निर्णय लिया गया कि भारत और यू.एस. दोनों के हित में ग्वार और उसके उत्पादों के विकास पर फोकस करते हुए विभिन्न स्तरों पर अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में सहयोगी प्रयास किये जाएं। इसके लिए कुछ कार्यकारी समूहों का गठन किये जाने की आवश्यकता है जो ग्वार श्रृंखला के विभिन्न पहलुओं पर हस्तक्षेप कर सकते हों।

प्रयासों को गति देने के लिए, आपसी सुविधा से तारीख तय करके, भारत में एक संयुक्त भारत - यू.एस. सम्मेलन आयोजित किया जा सकता है। बाद में द्विविषीय सम्मेलन भारत और यू.एस. द्वारा बारी-बारी से आयोजित किये जा सकते हैं।

### 3.2.2 तकनीकी टैक्सटाइल्स

प्रौद्योगिकी, बाजार, संभावित अनुप्रयोग क्षेत्रों आदि से संबंधित तकनीकी टैक्सटाइल की स्थिति दर्शाने वाली एक अन्तर्कार्यालयीय रिपोर्ट पूरी हो चुकी है।

अध्ययन ने, देश के लिए आयात सघन उत्पादों हेतु आर. एवं डी. रोडमैप की भी चिह्नित किया है।

### 3.3 जैव प्रक्रिया एवं जैव उत्पाद कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जैव प्रक्रिया एवं जैव - उत्पाद के क्षेत्र में प्रणाली अध्ययन आयोजित करना और विशिष्ट क्षेत्रों में आर. एवं डी. सहायता प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, पहले चार विशिष्ट रिपोर्ट प्रकाशित हो चुकी हैं और ए.पी.आई. न्यूट्रास्यूटीकल्स, फाइटो - केमिकल्स, मूल्य वर्धित जैव - उत्पाद, जैव - ऊर्जा और जैव - ईंधनों आदि के लिए जैव - रुपान्तरण और एन्जाइमेटिक प्रक्रिया के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों के विकास और निदर्शन के लिए बारह परियोजनाएं शुरू की गयीं।

#### 3.3.1 परियोजना - जैव ईंधन केन्द्र

चुने हुए भारतीय बायोमास (गन्ने और कपास के डंठल) हेतु एन.आई.आई.एस.टी. त्रिवेन्द्रम में जैव ईंधन केन्द्र के द्वितीय चरण के पायलट संयंत्र परीक्षण चल रहे हैं। इस परियोजना का उद्देश्य प्रयोगशाला स्तर पर पायलट संयंत्र में संचालित प्रक्रियाओं के अधिक यथार्थ स्थितियों में किये गये

प्रयोग को प्रमाणित करना है। फून्गियों (टॉप्स) हेतु संघटन अध्ययन, पूर्व शोधन प्रक्रिया एवं हाइड्रोलॉजिसिस जांच का कार्य पायलट स्तर पर पूरा चुका है और किण्वन (फरमेंटेशन) जांच के बाद, कपास डठलों के लिए समान अध्ययनों पर कार्य चल रहा है।

### 3.3.2 प्रौद्योगिकी मूल्यांकन अध्ययन

भारतीय संदर्भ में 'बायोमास की उपलब्धता और उनके जैव ईंधन में रुपान्तरण हेतु प्रौद्योगिकियां' पर एक प्रौद्योगिकी मूल्यांकन अध्ययन शुरू किया जा चुका है। इस अध्ययन का उद्देश्य फसलों के अवशेषों के जैव ईंधन में रुपान्तरण हेतु उपयुक्त प्राद्योगिकियों के लिए क्षेत्रवार अनुशांसाओं को विकसित करने और सम्बंधित उद्योगों को प्रौद्योगिकी विकल्प प्रदान करना है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आई.ए.आर.आई.), नई दिल्ली और राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केन्द्र (एन.आर.एस.सी.), हैदराबाद, भारत में फसल अवशेषों के उत्पादन और अधिशेष राशियों के आकलन में मदद करेंगे।

### 3.4 राज्य सरकारों के साथ पहल

बिहार को कोसी, कमला, गंडक, बागमती, महानंदा आदि नदियों के

कारण बरसात क मौसम में भारी कीचड़ (सिल्ट) की समस्या का सामना करता है। पहले राज्य सरकार ने टाइफैक से इस मामले को हाथ में लेने और निपटान, उपयोग अथवा मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्माण द्वारा प्रौद्योगिकीय प्रयास सुझाने का अनुरोध किया था।

कोसी नदी पर संचित कीचड़ पर पहले काम शुरू किया गया था। यह निर्णय लिया गया था कि कीचड़ के मूल्यांकन, परीक्षण और वर्गीकरण के लिए कोसी नदी के पहले 50 किलोमीटर के नमूने लिये जाएं। ये नमूने सी.एस.आई.आर.-केन्द्रिय सड़क अनुसंधान संस्थान (सी.आर.आर.आई.)-दिल्ली, सी.एस.आई.आर.-हॉटल ग्लास एंड सिरैमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट (सी.जी.सी.आर.आई.)-कोलकाता और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.)-पटना द्वारा लिये जाने थे।

इन सभी तीनों संस्थानों सी.एस.आई.-सी.जी. सी.आर.आई., कोलकाता ने नमूने एकत्रित किये और वाश बेसिन, टाइल्स, ईंटे आदि जैसे मूल्य वर्धित सरैमिक उत्पादों को विकसित किया। अन्य कोसी सिल्ट स्थलों से नमूने इकट्ठे किये जा रहे हैं।



## 4.0 अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंध

विज्ञान और प्रौद्योगिकी एक वैश्विक मामला है। कोई भी देश अकेले इस क्षेत्र में प्रगति नहीं कर सकता। विकास के लिए आपसी सम्पर्क जरूरी है। विदेशी विशेषज्ञों और संस्थानों के साथ सतत सम्पर्क से विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निरंतरता बनी रहती है। यह बात टाइफैक के लिए सत्य सिद्ध होता है क्योंकि लिए पूर्वानुमान और नव प्रवर्तन (इनोवेशन) उसके मुख्य उद्देश्य हैं। इस वर्ष के दौरान टाइफैक ने आई.आई.ए.एस.ए. और सरकारी पूर्वानुमान संगठन नेटवर्क (जी.एफ.एन.) जैसे संस्थानों से सम्पर्क बनाए रखा। साथ ही इस वर्ष सोसाइटी फोरम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एस.टी.एस. फोरम) से भी जुड़ा।

### 4.1 इंडिया-आई.आई.ए.एस.ए. कार्यक्रम

इंडिया-आई.आई.ए.एस.ए.; इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एप्लाइड सिस्टम्स एनैलिसिस कार्यक्रम मुख्य रूप से वैज्ञानिकों व एस एंड टी संस्थानों / शैक्षिक संस्थाओं में चल रहे शोध कार्यों पर बल देता है और आई.आई.ए.एस.ए. के साथ पारस्परिक सहयोग से कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम के तहत युवा भारतीय शोधार्थियों को आई.आई.ए.एस.ए. में यंग समर साइंटिस्ट प्रोग्राम (वाई.एस.एस.पी.) के तहत कार्य करने का अवसर भी प्राप्त होता है, जिससे एडवांस्ड सिस्टम्स एनैलिसिस व रिसर्च तकनीक में उनकी दक्षता बढ़ती है।

दक्षता निर्माण के तहत, 2015 में 3 भारतीय शोधार्थियों ने वाई.एस.एस.पी. कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके अलावा, 2 भारतीय शोधार्थियों ने साउथ अफ्रीका-वाई.एस.एस.पी. कार्यक्रम में हिस्सा लिया जबकि एक अन्य शोधार्थी ने आईआईएएसए में 'पोस्ट डॉक्टोरल फेलो' के रूप में योगदान दिया।

#### 4.1.1 सहयोगपूर्ण अध्ययन

इंडिया-आई.आई.ए.एस.ए. कार्यक्रम के तहत, निम्नांकित अध्ययन किए गए और जारी हैं :-

जमीन, मिट्टी के लिए आवश्यक पोषक तत्व व जल-प्रबंधन के अंगीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से 'सस्टेनिंग एंड इम्प्रूविंग



रूरल लाइवलिहुड ' पर एक क्लस्टर प्रोजेक्ट तैयार किया गया। इसमें तीन संस्थानों - इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट,(आई.आर.एम.ए.), आनंद सेंटर फॉर वॉटर रिसोर्सज डिवलपमेंट एंड मैनेजमेंट (सी.डब्लू.आर.डी.एम.) कोझिकोड व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलोजी (एन.आई.एच.)- रूड़की को शामिल किया गया।

क्लस्टर अंब्रेला के तहत टाइफैक के द्वारा निम्नलिखित 3 परियोजनाओं को लॉन्च किया गया:-

1. जलवायु परिवर्तन अंगीकरण पर परियोजना: इरमा, आनंद द्वारा आजीविका की वहनीयता के लिए दृष्टिकोण । इस प्रस्तावित अध्ययन के द्वारा गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित अतिसंवेदनशील समुदायों को जलवायु परिवर्तन से होने वाले दुष्प्रभावों से संबंधित ज्ञान, रणनीति, आवश्यक कदम व विधियां तय की जाएंगी। गुजरात में किए गए अध्ययन के बाद जलवायु परिवर्तन के मापदंडों को विभिन्न आर.पी.एस., जैसे कि ऐतिहासिक व अनुमानित बारिशों, तापमान व इवेपो-ट्रांसपिरेशन डेफिसिट संबंधित आकाशीय व अस्थायी मान्यता

प्रदान की गई। ए.ई.जेड. विधि के द्वारा कृषि संबंधी समसामयिक व भविष्य के आंकड़े प्राप्त किए जा सकेंगे। एक बार ये सभी आत्रजन के आंकड़े उपलब्ध हो जाएं, फिर आजीविका से संबंधित आकाशीय पैटर्न का विश्लेषण संभव हो पाएगा। इन सभी का लाभ यह होगा कि समुचित सरकारी नीतियां बन पाएंगी और जलवायु परिवर्तन के इस माहौल में जल एवं थल संबंधी आवश्यक रणनीतियां लागू की जा सकेंगी।

2. एकीकृत जलविज्ञान, जलवायु परिवर्तन आई.डब्लू.आर.एम. के साथ जीविका के मुद्दों पर योजना: बुंदेलखंड में अपर्याप्त जल की समस्या को लेकर एन.आई.एच., रूड़की द्वारा एक कार्य-प्रणाली व डी.एस.एस. विकसित की गई । अध्ययन के फलस्वरूप जल-प्रबंधन के उपकरण, मसलन निर्णय लेने के लिए सहायता व्यवस्था आदि प्रभावी हो पाएंगे, ताकि स्थानीय लोगों को उपयुक्त जल प्रबंधन की वहनीयता को अंगीकार करने में मदद मिलेगी। डी.एस.एस. मॉडल की वजह से जल-थल, जल की उत्पादकता, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के अनुरूप जलीय संतुलन, जीविका विकल्प, तकनीकी

विकल्प, सांस्थानिक सहायता, चालू योजनाएं आदि के बारे में जागरूकता विकसित होगी। एन.आई.एच. के द्वारा डी.एस.एस. का अवधारणात्मक मॉडल तैयार किया गया है और एक यूजर इंटरफेस गाइडलाइन्स भी तैयार किया जा रहा है।

3. सी.डब्ल्यू.आर.डी.एम., कोझिकोड द्वारा केरल के आर्द्र क्षेत्रों के क्षेत्रीय स्तर के खेतों में मिट्टी के स्वास्थ्य प्रबंधन के मद्देनजर खेत की मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों के मूल्यांकन पर आधारित एक योजना तैयार की गई है। केरल की भूमि को डी.एस.एस. की मदद से, जो कि ज्योग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम यानी कि जी.आई.एस. से जुड़ा है, उसमें विभिन्न फसलों की व्यवस्था में मिट्टी के अंदर मौजूद पोषक तत्वों के अंतर्वाह व बाह्य प्रवाह दोनों की मात्रा निर्धारित करना ही इस अध्ययन का लक्ष्य है। तीन चरणों में यह अध्ययन कराया गया था। कुछ रणनीतियां, जैसे कि अनन्नास के कतरन की क्रॉपिंग, खाई का आकार बनाना, व बूंद-बूंद फर्टिगेशन आदि को प्रबंधन हस्तक्षेप के तौर पर आजमाया गया। दूसरे चरण में, कोझिकोड जिले के लिए क्षेत्रीय स्तर

पर अध्ययन किया गया। 4 एग्री इकॉलॉजिकल यूनिट के 20 खेत चुने गए, जिसके तहत छोटे-मंझोले व बड़े किसानों, जो कि धान, नारियल, केला, सुपारी, मिर्च, रबर व सब्जियां आदि की खेती करते हैं, उन पर अध्ययन किया गया और मॉडल के आधार पर पोषक तत्वों का संतुलन कायम रखने का प्रयास किया गया। सस्टेनेबल लाइवलिहुड सेक्युरिटी इंडेक्स यानी कि एस.एल.एस.आई. की गणना की गई, ताकि पोषक तत्वों को लक्ष्य के अनुसार मान्यताएं प्रदान करते हुए फसलों की उत्पादकता बढ़ाई जा सके और फलस्वरूप किसानों की आजीविका सुचारू रूप से चलती रहे। तीसरा चरण, जिसमें कि डी.एस.एस. के गठन व अवधारणा को अंतिम रूप देना था, उसे भी पूरा किया जा चुका है। सी.डब्ल्यू.आर.एम. को किसानों को किसी प्रकार के इनपुट/नकद राशि की मदद प्रदान करते समय देखना होगा कि मिट्टी के हेल्थ कार्ड के अनुरूप मान्यताओं को अंगीकार किया गया है या नहीं।

4. भारतीय शहरों के लिए गेन्स सिटी मॉडल विकसित एवं लागू करने हेतु नेशनल इन्वायरोनमेंट इंजीनियरिंग



एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी कि नीरी; मुंबई केंद्र द्वारा अध्ययन किया गया। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य गेन्स-एशिया मॉडल के एक ऐसे संशोधित प्रारूप तैयार करना है, जिसे भारत के सभी प्रमुख शहरों में लागू किया जा सकेगा। प्रारंभिक लक्ष्य यह होगा कि हवा में मौजूद प्रदूषक व भारतीय शहरों में हो रहे जी.एच.एच. उत्सर्जन का अनुमान लगाना व स्थानीय परिस्थितियों के मद्देनजर एक मॉडल फ्रेमवर्क तैयार करना। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा व निजी सूत्रों के आधार पर गेन्स का अनुमान है कि हर देश में 20 हवा प्रदूषक व 6 जी.एच.एच. का उत्सर्जन होना चाहिए। 200 उत्सर्जन कारक हर स्रोत के लिए तय किये जा रहे हैं। भारतीय परिप्रेक्ष्य में श्रेणियां हैं - ऑटो-थ्री व्हीलर, शवदाहगृह आदि को मॉडल में शामिल किया गया है। विभिन्न अध्ययनों / रिपोर्टों से प्राप्त भिन्न-भिन्न प्रकार की ईंधनों व दहन विधियों, जो कि भारतीय परिवेशों में मौजूद हैं, उनके उत्सर्जन कारकों को आधार बनाकर आवासीय व व्यावसायिक क्षेत्रों से होने वाले उत्सर्जनों का अनुमान लगाया गया। कोलकाता के रिहायशी व व्यावसायिक इलाकों से प्रारंभिक आंकड़े एकत्रित किए

जा चुके हैं। अमेरिकी मीटियरोलॉजि सोसायटी - इन्वायरोनमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी रेग्युलेटरी मॉडल यानी कि ए.ई.आर.एम.ओ.डी. मॉडलिंग आउटपुट व स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े, इस मॉडल में शामिल किए जा रहे हैं। एयरमॉड एक सुस्थिर हवा की गुणवत्ता के प्रसार का मॉडल है, जिसका इस्तेमाल आस-पास की हवा में प्रदूषक की सांद्रता का अनुमान लगाने में किया जाता है। इस मॉडल में कई विकल्प मौजूद हैं, जिसमें कि शामिल हैं - ध्रुवीय या कार्तीय निर्देशांक, अनुरूपता कायम करने का बिंदु, क्षेत्र, मात्रात्मक स्रोत, गीले व शुष्क गाद, भू-भाग का समायोजन, डाउनवाश अलोगरिथ्म आदि।

5. कृषि जैव विविधता संरक्षण एवं ईकोसिस्टम विकास - इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज यानी कि आईएसईसी, बंगलुरु ने भारतीय कृषि जलवायु के उप क्षेत्रों का अध्ययन किया। अध्ययन का लक्ष्य है - पारिस्थितिकी के परिवेश में तथा संसाधनों की उपयोगिता व संरक्षण तथा जैव विविधता के मद्देनजर, ऊर्जा के अर्थशास्त्र, संसाधन गतिकी व सांस्थानिक दृष्टिकोण का विश्लेषण। अध्ययन किए गए गांवों से प्राप्त सभी



जनसांख्यिकीय आंकड़े एकत्रित किए जा चुके हैं। जैसा कि अनुमान था, तीन तालुक के अंतर्गत अध्ययन किए गए सभी गांवों में कुल घर की संख्या व जनसंख्या में वृद्धि हुई है। एक अन्य आम प्रचलन सभी गांवों में देखा जा रहा है कि जमीनों की सिंचाई में वृद्धि हुई है और वर्ज्य पदार्थों में कमी देखी गई है। इसके अलावा, समय बीतने के साथ ही अधिकांश गांवों में जो जमीनें ऊसर पड़ी थीं, वे भी अब उपजाऊ जमीन में तब्दील हो गई हैं। यह भी देखा जा रहा है कि एक नई फसल के रूप में अदरक की खेती बढ़िया होने लगी है, जो कि 1995-96 में नगण्य थी। पिछले दशक से फूलों की खेती भी खूब होने लगी है।

#### 4.2 सोसाइटी फोरम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एस.टी.एस. फोरम)

जापान का एसटीएस फोरम एक वैश्विक पहल है, जिसकी स्थापना एक स्वयंसेवी संस्था के तौर पर मार्च 2006 में हुई थी। टोकियो में स्थित इस संस्था का लक्ष्य है कि विज्ञान एवं तकनीक की सुविधा को वहां उपलब्ध कराना, जहां इसकी जरूरत सबसे अधिक है। यह एक नई कार्यप्रणाली भी

प्रदान करता है, जहां खुले तौर पर अनौपचारिक रूप से परिचर्चा की जा सकती है और इस प्रकार यह विश्व के प्रभावी उद्योगपतियों, राजनीतिज्ञों, शोध / विज्ञान, सरकारी व मीडिया के लोगों की एक नेटवर्क बन गई है, जो कि समय-समय पर विज्ञान व तकनीक के उपयोग से होनेवाली समस्याओं का निपटान करता रहता है। यह फोरम कोई ऐसा मंच नहीं है, जहां सिर्फ विशेषज्ञ ही आते हैं और एकतरफा अपने ज्ञान के आधार पर निर्णय लेते हैं, बल्कि यहां पर वास्तविक रूप से आपसी संवाद का अवसर मिलता है। प्रतिभागी सीमा पार की गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं ताकि भविष्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को आपस में साझा किया जा सके। जून, 2015 को टाइफैक इसका सदस्य बना। अक्टूबर, 2015 को टोकियो में टाइफैक के कार्यकारी निदेशक ने इसके वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया।

#### 4.3 गवर्नमेंट फोरसाइट ऑर्गनाइजेशन नेटवर्क (जी.एफ.एन.)

जी.एफ.एन. एक वैश्विक संस्था है, जो कि पूर्वानुमान के क्षेत्र में 2009 से कार्यरत है और पूरे संसार के पूर्वानुमान

संबंधी कार्य करने वाली संस्थाओं को जोड़ने के लिए प्रयासरत है। साल में एक बार यह संस्था सबको इकट्ठा करती है और फिर अपने-अपने अनुभवों को साझा किया जाता है। ब्रसेल्स में 2013 में, सोल में 2014 में टाइफैक ने भाग लिया है। जी.एफ.एन. के छठे सम्मेलन, जो कि 25-26 नवंबर, 2015 को विज्ञान भवन, दिल्ली में संपन्न हुआ, उसकी मेजबानी टाइफैक ने की थी। इस सम्मेलन में पूर्वानुमान के क्षेत्र में कार्यरत ऑस्ट्रिया, कनाडा, चेक रिपब्लिक, यूरोपियन यूनियन, भारत, ओ.ई.सी.डी., सिंगापुर, द. कोरिया व अमेरिका आदि के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया था। जी.एफ.एन. के सदस्यगण ने आने वाले ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा की, होराइजन स्कैनिंग व पूर्वानुमान गतिविधियों को आपस में साझा किया, ताकि नीतिगत कार्ययोजना बनाई जा सके।



गवर्नमेंट फोरसाइट ऑर्गनाइजेशन नेटवर्क; (जी.एफ.एन.) सम्मेलन

सम्मेलन में भाग लेने वाले विभिन्न देशों व संस्थाओं की प्रस्तुतियों से पूर्वानुमान के अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आए और एकीकृत नीति निर्माण का कार्य आसान हो गया। वैसे क्षेत्र, जो कि सबके लिए चुनौतियां बने हुए हैं, उनसे सबको रूबरू होने का मौका मिला और प्रतिभागियों को इनसे निपटने के लिए एक दृष्टि मिली। यह देखा गया कि छोटे-छोटे देश भी आस-पड़ोस की सरकार की देखा-देखी पूर्वानुमान के कार्य में दिलचस्पी लेने लगे हैं। वृहत्तर देशों में स्थित पूर्वानुमान संस्थाओं की कार्यप्रणाली बिल्कुल स्वतंत्र होती है और वे अपनी सरकार की इच्छानुरूप क्षेत्रों / थीम आदि पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। प्रतिभागियों ने पूर्वानुमान को योजना निर्माण में एकीकृत करने की मिसालें पेश कीं, जो कि उत्साहवर्धक रहीं और जिससे पूर्वानुमान की गतिविधियों में तेजी आई। प्रतिभागियों ने सरकार के साथ पूर्वानुमान कार्य की आवश्यकताओं के मुद्दों पर चर्चा की जिसमें कि फोरसाइट एक्सरसाइज, फोरसाइट स्टडीज की टाइम-होराइजन्स में स्टैकहोल्डर्स को भी शामिल करने



की बात कही गई। भिन्न-भिन्न देशों के लिए अलग-अलग समझ व विशेषज्ञों के चयन पर भी ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों ने इस पर भी चर्चा की कि आगे जी.एफ.एन. की दिशा-दशा कैसी होनी चाहिए। ऐसा महसूस किया गया कि बड़ी संख्या में देशों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए और सहयोगपूर्ण योजनाएं बननी चाहिए, जिसकी प्रकृति द्विपक्षीय हो।

#### 4.4 स्कूल ऑफ इंटरनेशनल फ्यूचर्स (एस.ओ.आई.एफ.) - इंडिया

यू.के. की एक स्वयंसेवी संस्था, एसओआईएफ के साथ मिलकर टाइफैक ने रणनीतिक रूप से पूर्वानुमान के कार्य को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। 24- से 28 अक्टूबर, 2016 को पुणे में एस.ओ.आई.एफ. के साथ मिलकर एक कार्यशाला का आयोजन होगा। विश्व के तमाम विशेषज्ञों से पूर्वानुमान के क्षेत्र में अपनाई जाने वाली तकनीक व दृष्टिकोण पर चर्चा-परिचर्चा की जाएगी। प्रतिभागियों को उन सभी तकनीकों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा, जो कि

अब इस्तेमाल करने योग्य बन गई हैं। एस.ओ.आई.एफ. इंडिया-2016 का आयोजन इस उद्देश्य से किया जाएगा कि अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ-साथ भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय/ विभागों, नीति-निर्धारक संस्थाओं, नीति आयोग, राज्य सरकार, सरकारी क्षेत्र के उपक्रम व निजी उद्योग/एजेंसी आदि भाग ले सकेंगे। रणनीतिक पूर्वानुमान की तकनीक व उपकरण चलाना सीखना, प्रतिभागियों के लिए नीति-निर्माण कार्य आदि में काफी सहायक होगा। वे सभी इस तरह से अपने संस्थानों के भविष्य को सही राह पर ले जाने में कामयाब हो सकेंगे। फोरसाइट रिट्रीट कार्यक्रम में टाइफैक के वैज्ञानिकों की विशेषज्ञता का इस्तेमाल जीवंत चुनौतियों, डेल्फी अभ्यास, परिदृश्य निर्माण आदि सत्रों के संचालन में किया जाएगा, जैसे कि आदि। इससे भविष्य में टाइफैक को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के इस तरह के आयोजनों को स्वतंत्र रूप से संचालित करने की दिशा में बल मिलेगा।



## 5. कार्यक्रम

देश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिदृश्य में टाइफैक का महत्वपूर्ण स्थान है। न सिर्फ प्रौद्योगिकी रेंज में बल्कि भविष्य पर नजर रखने की दिशा में भी टाइफैक कार्यरत रहता है। टाइफैक जिस प्रकार से आगे आने वाले समय को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार करता है, ऐसे में बहुआयामी संस्थाओं आदि को इससे जुड़ कर कार्य करने के ढेरों अवसर मिलते हैं। नियमित रूप से यह, स्वतंत्र रूप से भी और कई अन्य संस्थाओं के साथ मिल कर भी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है, जिससे साझेदार को जहां एक ओर नए-नए विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलता है, वहीं ज्ञान और अनुभव भी साझा होता है। इस वर्ग के अंतर्गत उन मुख्य कार्यक्रमों के बारे में पता चलता है, जिनका आयोजन टाइफैक ने विगत वर्षों में किया, जिसमें कि कुछ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के भी हैं ।

### 5.1 आई.डी.आर.आई.एम. सम्मेलन

टाइफैक ने 28-30 अक्टूबर, 2015 को नई दिल्ली में जापान के इंटीग्रेटेड



आई.डी.आर.आई.एम. सम्मेलन का उद्घाटन

डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट; (आई.डी.आर.आई.एम.) के साथ मिलकर एक सम्मेलन का आयोजन किया था - इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजास्टर

रिस्क रिडक्शन : चैलेंजेज ऐंड ऑपॉर्चुनिटि फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ। सम्मेलन के दौरान आपदा की स्थिति में सिर्फ तकनीकी पहलुओं पर ही चर्चा नहीं की गई, बल्कि सामाजिक व आर्थिक पक्षों पर भी विचार किया गया। यह सम्मेलन बहुआयामी प्रकृति का था, जिसमें भारत व अन्य देशों के प्रतिभागियों ने पेपर भी प्रस्तुत किए । इस सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी व विशेषज्ञ विभिन्न क्षेत्रों के थे। मसलन, सरकारी, निजी संस्थान, आर एंड डी संस्थान, शैक्षिक संस्थान, स्वयंसेवी संगठन, व इंजीनियरिंग कॉलेज। केंद्र व राज्य स्तर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने भी इसमें हिस्सा लिया। इसके अलावा, क्षेत्रीय व

अन्तरराष्ट्रीय स्तर के उद्घोषों, विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों ने भी सम्मेलन में हिस्सा लिया। अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं में - शामिल हैं - यू.एस.ए.आई.डी., वर्ल्ड बैंक, ऑक्सफैम, यूनिसेफ, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्थक्वेक इंजीनियरिंग एंड सिस्मोलॉजि, ईरान, नॉर्थबिया यूनिवर्सिटी, यूके, सेंटर फॉर मॉनिटरिंग एंड अर्ली वार्निंग ऑफ नेचुरल डिजास्टर, ब्राजील, प्रैक्टिकल एक्शन, वर्ल्ड वाइड फंड, डब्लू.डब्लू.एफ. और इनके साथ-साथ राष्ट्र व राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन के अधिकारीगण, संस्थान व तकनीकी विंग जो भारत में आपदा प्रबंधन से जुड़े हैं, उन सभी ने भागीदारी निभाई। यह महसूस किया गया कि यूं तो कई प्रकार के तकनीकी मंच उपलब्ध हैं, मगर एक ऐसे केंद्र का निर्माण किया जाना चाहिए जो कि आपदा की स्थिति में त्वरित गति से सूचनाओं का संप्रेषण करने के साथ ही, संसाधनों की फौरी मुस्तैदी के लिए भी काम करे और आपदा से उत्पन्न होने वाले खतरे को कम कर सके। भविष्य में होने वाले खतरों से निपटने के लिए परिदृश्य विकसित करने पर बल दिया गया और सामाजिक समूहों में अतिसंवेदनशीलता की भी पहचान की गई।

## 5.2 भारत अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आई.आई.एस.एफ.)

विज्ञान भारती (विभा) के साथ मिलकर टाइफैक ने देश के सबसे बड़े साइंस व टेक्नोलॉजी एक्सपो - भारत अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का आयोजन आई.आई.टी.- दिल्ली के प्रांगण में 4-8 दिसंबर, 2015 के दौरान किया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से आई.आई.एस.एफ. का आयोजन हुआ। भारत व अन्य देशों से आए लगभग 4000 प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। आई.आई.एस.एफ. के दौरान आयोजित मुख्य कार्यक्रमों में मेगा साइंस एंड टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल एक्सपो था, जिसकी थीम थी - 'थिंक साइंस, लिव साइंस यानी कि विज्ञान ही सोचो और विज्ञान ही जियो। 72000 वर्ग फीट में 240 से ज्यादा स्टॉल व पैविलियन लगाए गए, जिसके माध्यम से प्रदर्शनी व नवोन्मेष को दर्शाया गया। इसमें भाग लेने वाले सरकार के मंत्रालयों से लेकर अन्य विभागों, राज्य सरकार के तकनीकी आयोगों, स्वायत्तशासी संस्थानों, आर. एंड डी. संस्थानों व तकनीकी संस्थाओं, प्रयोगशालाओं, शैक्षिक संस्थानों व



पब्लिक/प्राइवेट क्षेत्र की कंपनियों, जो कि शोध कार्य में लगे हुए हैं। यंग साइंटिस्ट सम्मेलन के दौरान लगभग 400 शोध पेपर्स प्रस्तुत किए गए। विषयों का रेंज काफी व्यापक था - लाइवस्टॉक मैनेजमेंट, ग्रीन एनर्जी, वेस्ट मैनेजमेंट व वाटर मैनेजमेंट से लेकर ओशन साइंस, जियो इन्फॉर्मेशन सिस्टम व वेक्टर कंट्रोल आदि। इनमें से एक प्रमुख उपलब्धि थी - एक विश्व रिकार्ड बनाना - जिसमें कि दिल्ली व इसके आस पास के 2000 छात्र-छात्राओं ने एक साथ रसायन विज्ञान का प्रयोग सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस महोत्सव का अन्य आकर्षण था - डी.एस.टी. द्वारा इन्सपायर कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी, प्रोजेक्ट कॉम्पिटिशन (एन.एल.ई.पी.सी.) कक्षा 6 से लेकर 10 तक के लगभग 800 विद्यार्थियों ने अपने प्रदेशों का प्रदर्शन किया।

### 5.3 पूर्वानुमान की कार्यप्रणाली पर कार्यशाला

27 नवंबर, 2015 को टाइफैक ने पूर्वानुमान की कार्यप्रणाली पर एक दिवसीय कार्यशाला - थ्योरी ऐंड प्रैक्टिसेज - का आयोजन किया। भारत



पूर्वानुमान की कार्यप्रणाली पर कार्यशाला

के विभिन्न संस्थानों से लगभग 30 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। टाइफैक के वैज्ञानिकों ने भी इसमें भागीदारी निभाई। द. कोरिया, कनाडा, भारत, यू.एस.ए.आई.डी. व ओ.ई.सी.डी. के विशेषज्ञों ने पूर्वानुमान की कार्यप्रणाली को लेकर अपने अनुभवों को साझा किया। इसमें शामिल हैं - परिदृश्य नियोजन के नीतिगत दृष्टिकोण, पूर्वानुमान को नीति निर्धारण में एकीकृत करने का लेटकमर्स दृष्टिकोण, पूर्वानुमान की सर्वोत्तम परंपरा व सरकारी कर्मचारियों को साथ में लेने की चुनौतियां आदि।

परिदृश्य नियोजन व भविष्य की रणनीतियों को बनाने में इसका इस्तेमाल - एक अलग आयाम था। कार्यशाला के दौरान एक पैनल डिस्कशन हुआ जिसकी थीम थी -



पूर्वानुमान संबंधित संस्थानों से सरकार की अपेक्षाएं - पैनल में फिनलैंड, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया व भारत के पैनलिस्टों ने भाग लिया। यह विमर्श किया गया कि सत्ता में बैठी सरकार पूर्वानुमान के कार्यों में प्रत्यक्ष रूप से दिलचस्पी नहीं लेंगी तो अनहोनी घटनाओं को लेकर संशय की स्थिति बनी रहेगी। ऐसे संस्थान, जो कि पूर्वानुमान के कार्य करते हैं और जो कि सरकार के साथ करीबी से जुड़ कर काम करते हैं, वे अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन कर सकते हैं। दूसरी ओर, सरकारी फंड से चलने वाली संस्थाएं जो काफी दूर हैं, अप्रासंगिक हो जाएंगी। यह भी महसूस किया गया कि अधिकांश सरकारी मंत्रालय/विभागों को पूर्वानुमान के कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है। इस प्रकार पूर्वानुमान संबंधी संस्थानों की महती भूमिका साबित होती है।

#### 5.4 कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टिज 21 (कोप-21) पेरिस

आई.एन.डी.सी. प्रस्तुतीकरण के क्रम में, एम.ओ.ई.एफ. एंड सी.सी. ने 30 सितम्बर, 2015 से 11 दिसम्बर, 2015 के दौरान पेरिस में आयोजित पार्टियों के सम्मेलन 21 (कोप 21) में 'जलवायु

परिवर्तन प्रौद्योगिकियों' के विषय पर एक पैनल चर्चा के आयोजन की जिम्मेदारी टाइफैक को सौंपी। टाइफैक ने नवीन एवं नवीकरण योग्य ऊर्जा मंत्रालय (एम.एन.आर.ई.) - दिल्ली, ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद (सी.ई.ई.डब्लू.) - दिल्ली के विशेषज्ञों की सहायता से पैनल चर्चा का आयोजन किया। पैनल ने उन्नत कोयला प्रौद्योगिकियों, नवीकरण योग्य ऊर्जा एवं जलवायु तंत्र प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र पर केन्द्रित रहते हुए भारतीय जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में प्रौद्योगिकी रिक्तियों, आवश्यकताओं एवं चुनौतियों पर विचार - विमर्श किया। उन्होंने अनुसंधान एवं विकास एवं वैश्विक स्तर पर उपलब्ध शुद्ध एवं ऊर्जा सक्षम प्रौद्योगिकियों के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के क्रम में क्षमता निर्माण, वित्तीय आवश्यकता, प्रौद्योगिकी अंतरण, और मॉडलिटी के सम्बंध में भारत की नीति पर भी चर्चा की जो कि दीर्घकालिक भारतीय जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के लिए उपयुक्त होंगी।

#### 5.5 टाइफैक स्थापना दिवस

टाइफैक ने 10 फरवरी, 2016 को 29 वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया। माननीय केंद्रीय मंत्री, विज्ञान

एवं प्रौद्योगिकी विभाग, एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार डॉ. हर्षवर्धन इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने फ्यूचरिस्टिक असिस्टिव टेक्नोलॉजी से संबंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया, जिसमें विभिन्न संस्थानों के स्टॉल लगे थे। इसके अलावा तीन चुनौतियों, जिनकी पहचान टेक्नोलॉजी विजन-2035 में की गई थी, उन पर विचारोत्तेजक सत्र का आयोजन किया गया।



टाइफैक स्थापना दिवस

**महिलाओं और बच्चों में एनीमिया दूर करने पर तकनीकी सत्र**

‘गारंटियरिंग न्यूट्रीशनल सेक्युरिटी ऐंड एलिमिनेटिंग फीमेल ऐंड चाइल्ड एनीमिया’विषय पर टेक्निकल सेशन आयोजित की गई। टेक्नोलॉजी विजन 2035 में चिह्नित 10 चुनौतियों में से एक है। अपनी नैसर्गिक जटिलताओं के

कारण किसी एक एजेंसी, या समूह के द्वारा इस चुनौती का सामना करना संभव नहीं है। लिहाजा, विभिन्न साझेदारों को कांधे से कांधा मिलाकर इस चुनौती से लड़ने पर चर्चा-परिचर्चा हुई और विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। समस्या की गंभीरता के मद्देनजर आईसीएमआर के साथ मिलकर ‘एलिमिनेशन ऑफ एनीमिया इन वीमेन ऐंड चिल्ड्रेन’विषय पर एक पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि इस समस्या को विभिन्न तरीकों से निपटना होगा - जागरूकता फैलाने से लेकर किफायती नैदानिक व्यवस्था तक। हालांकि, इस विषय को व्यापक फोरम पर उठाने की अहमियत पर भी बल दिया गया, जिसमें कि मंत्रालयों, उद्योगों व चिकित्सकीय बिरादरी शामिल हो सकते हैं। सत्र का अंत साल भर के भीतर एक कार्ययोजना के साथ हुआ, जिसके तहत सरकार संबंधित चीजों को लागू कराएगी। टाइफैक, आईसीएमआर व अन्य साझेदार मिलकर इस पहल को आगे बढ़ाएंगे।

**फ्यूचरिस्टिक असिस्टिव टेक्नोलॉजी: एलिमिनेटिंग डिसेबिलिटी बैरियर पर तकनीकी सत्र**



दिव्यांगजनों के बेहतर जीवन के मददेनजर, एक तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया जिसकी थीम थी - फ्यूचरिस्टिक असिस्टिव टेक्नोलॉजी : एलिमिनेटिंग डिसेबिलिटी बैरियर। इस सत्र में न सिर्फ विशेषज्ञों की प्रस्तुतियां थीं, बल्कि विचारोत्तेजक पैनल चर्चा का भी आयोजन किया गया, जिसके दौरान एक खास प्रकार की अंतर्दृष्टि विकसित हुई। इस अवसर पर, 20 प्रकार के उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिससे अत्याधुनिक तकनीकों की झलक मिली। इस सत्र के आयोजन के पीछे मकसद यह था कि उन तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाए, जिनसे दिव्यांगजनों के जीवन में खुशहाली आ सके और साथ ही संबंधित भविष्य की प्रौद्योगिकी से साझेदारों को वाकिफ कराया जाए।

### भारतीय भाषाओं के संदर्भ में रियल-टाइम ट्रांसलेशन (रिट्रैल) पर तकनीकी सत्र

भारतीय भाषाओं के संदर्भ में रियल-टाइम ट्रांसलेशन (रिट्रैल) एक ऐसी तकनीक है, जिसका उपयोग करके पूरी शिक्षण व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन लाया जा सकता है और भाषाई चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकता है। मूल रूप से इसमें

ऑटोमेटेड स्पीच रिकॉग्निशन, मशीनी अनुवाद, स्पीच सिंथेसिस - सभी तकनीकों का एक साथ इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें वी.ओ.आई.पी. मानक का ध्यान रखा जाता है। शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ, उद्योग जगत व सरकार के नुमाइंदे - सभी ने एक साथ मिलकर अत्याधुनिक तकनीक पर चर्चा की और संबंधित तकनीक को विकसित करने पर चर्चा-परिचर्चा की। एक रणनीति बनाकर चलने पर सहमति हुई, जिसमें सभी साझेदारों की हिस्सेदारी भी जरूरी समझी गई।

### 5.6 अन्य कार्यक्रम

- 7 व 21 मई, 2015 को 'कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न (एस.एच.डब्लू.डब्लू.) संबंधी नियमों की जागरूकता' विषय पर टाइफैक ने कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सभी वैज्ञानिक व कर्मचारी दो अलग-अलग बैच में शामिल हुए।
- टाइफैक द्वारा 26-31 अक्टूबर, 2015 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसकी थीम थी - 'प्रिवेंटिव विजिलेंस एज ए टूल ऑफ गुड गवर्नेंस



- सितंबर, 2015 में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। टाइफैक के कर्मचारियों ने 13 विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किये गये ।

## 6.0 मानव संसाधन विकास

किसी भी संस्थान के प्रयासों की सफलता मानव संसाधन और उनकी वृद्धि पर निर्भर करती है कि उन्हें कितने बेहतर ढंग से विकसित किया गया। यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए विशेष रूप से सच है क्योंकि इनमें परिवर्तनों की गति एक तरफ तो दूसरी तरफ वैश्वीकरण होता है। टाइफैक बाहरी और आन्तरिक दोनों ही रूपों में, अपने कार्य के क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास को प्रोत्साहन और मदद देता है। वह इंटरनशिप का भी समर्थन करता है जिसमें युवा कॉलेज विद्यार्थी, टाइफैक के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में टाइफैक में दो से छह महीने तक काम करने का अवसर मिलता है। वैज्ञानिक विभिन्न बौद्धिक मंचों में स्रोत व्यक्ति के रूप में सेवा प्रदान करने के अलावा, अपनी खोजों, अन्तर्दृष्टियों और अनुभवों को भी नेमी रूप से प्रस्तुत करते हैं अथवा उन्हें प्रकाशित कराते हैं।

### 6.1 टाइफैक इंटरनशिप योजना

टाइफैक की प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने के लिए और भावी प्रौद्योगिकी प्राथमिकताओं के सम्बंध में, शैक्षिक संगठनों और विद्यार्थियों के बीच सम्पर्क बनाने के लिए, टाइफैक ने अगस्त, 2013 में इंटरनशिप योजना शुरू की। इस वर्ष के दौरान, 20 विद्यार्थियों (4 विद्यार्थियों सहित जिन्होंने पूर्व में कार्यग्रहण किया था पर इंटरनशिप इसी वर्ष पूरी की) को टाइफैक वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में इंटरनशिप हेतु भेजा गया।

### 6.2 प्रस्तुत / प्रकाशित शोधपत्र

#### 6.2.1 पत्र/पत्रिकाओं में प्रकाशित शोधपत्र

- सुरेश बाबू एवं दीपक अग्रवाल 'प्रोस्पेक्टस ऑफ मैग्नीशियम फॉर आटोमोटिव लाइटवेटिंग एप्लीकेशंस, ऑटोटेक रिव्यू, वॉल-4, अंक-3, अप्रैल, 2015
- स्वाति शर्मा, जैसी अय्या स्वामी एवं जुगल किशोर 'टेक्नोलोजी ड्रिवन हैल्थकेयर: एडवांस्ड टैक्नीक इन बायोलॉजी एंड मेडिसिन' 02 नवम्बर, 2015 वॉल-3, अंक-3, 1000146
- नीरज सकसेना 'साइनालागैमेटिक इंडस्ट्री-एकैडमिक लिंकेजेज'

सी.एस.आई. कम्प्युनिकेशंस,  
नवम्बर, 2015

### 6.2.2 सम्मेलनों/संगोष्ठियों में प्रस्तुत शोधपत्र

- निर्मला कौशिक एवं संजय सिंह, आर्पोचुनिटीज फॉर बायाफ्यूल्स-इंडियन सीनेरियो । ठोस कचरा प्रबंधन पर बंगलुरु में 25-27 नवम्बर को 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन । शोध पत्र को आईकान एस.डब्लू.एम. 2015 उत्कृष्ट शोध पत्र पुरस्कार के लिए भेजा गया गया ।
- जैसी अय्या स्वामी "लाइट ट्रेफिकिंग : एन्टायर फ्लेक्शन कोटिंग्स विद इन्हेंसड एब्रजन एंड स्क्रैच रेजीजटेंस प्रोपर्टीज" । फोटोन्स पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला : चुनौतियों के बहुविधि एवं सर्जनात्मक समाधान' (आई.सी.पी.एम.सी.एस.), 4-5 दिसम्बर, 2015
- निर्मला कौशिक एवं संजय सिंह 'बायोमास सर्वे-कैरेक्टराइजेशन एवं एवेलेबिटी ऑफ बायोमास इन इंडिया/एम.ओ.पी.एन.जी., नई दिल्ली द्वारा 11 फरवरी, 2016 को 'लिग्नोसेल्यूलोज से ईथेनाल-

भारत का रोडमैप' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

- नीरज सक्सेना एवं यशवंत देव पवार, डेल्फी स्टडी ऑन टेक्नोलोजीस इम्पैक्टिंग फ्यूचर एजुकेशन' । 10 वां अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं विकास सम्मेलन, वैलेंसिया, स्पेन, 7-9 मार्च, 2016

### 6.3 सम्मेलनों/संगोष्ठियों में भागीदारी

- पी.आर. बसाक, ने एन.सी.पी.आर.ई., आई.आई.टी. बम्बई एवं ऑब्जर्वर रिसर्च फाउन्डेशन (ओ.आर.एफ.) द्वारा 18 अप्रैल, 2015 को 'मेक इन इंडिया फॉर ए सोलर इंडिया' विषय पर आयोजित गोलमेज परिचर्चा में भाग लिया ।
- नीरज सक्सेना एवं मनीष कुमार ने नई दिल्ली में 29 मई, 2015 को आयोजित सी.आई.आई. वाटर एंड एनर्जी कॉन्क्लेव में भाग लिया ।
- संगीता नागर ने ई.वी.टी.सी, सी.आई.आई. एवं डी.एस.आई.आर. द्वारा 5 जून, 2015 को ताज महा होटल, नई दिल्ली में आयोजित अनुसंधान, इनोवेशन एवं



- आई.पी.आर. में सहयोग बढ़ाने को आयोजित इंडो-यूरोपियन सम्मेलन में भाग लिया ।
- संजय सिंह, एवं निर्मला कौशिक, ने 'बायोफ्यूल प्रोग्राम इन इंडिया-दा वे फॉरवर्ड' पर 13 जुलाई, 2015 को एम.ओ.पी.एन.जी. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
  - पी.आर. बसाक, एवं ब्रजेश्वर चंदेलिया, ने सी.आई.आई. बेंगलुरु द्वारा 6-7 अगस्त, 2015 को 'राष्ट्रीय सपना साकार-स्थानीय नव प्रवर्तनों का उन्नयन' विषय पर 11 वें राष्ट्रीय नव प्रवर्तन सभा, 2015 में भाग लिया ।
  - सुरेश बाबू ने 27-29 अगस्त, 2015 को चेन्नई में आयोजित आई.टी.ई.सी. इंडिया, 2015 (हॉलिस्टिक ईकोसिस्टम सोल्यूशन द्वारा इलेक्ट्रि फाइंग मोबिलिटी) में भाग लिया ।
  - एस. बिस्वास एवं विपिन 'सी' शुक्ला ने 7-8 सितम्बर, 2015 को बंगलौर में एडीटिव निर्माण प्रौद्योगिकी, ए.एम.: 2015 एडीटिव मैनुफैक्चरिंग सम्मिट पर आयोजित 5 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
  - निर्मला कौशिक, ने 10-12 सितम्बर, 2015 को नई दिल्ली में आयोजित 'बायो फ्यूल्स 2015, एनर जाइजिंग ग्रोथ एवं बिजनेस ओपोर्चुनिटीज' पर सम्मेलन में भाग लिया ।
  - निर्मला कौशिक, ने 17 नवम्बर, 2015 को नई दिल्ली में आयोजित "बायो एनर्जी सम्मिट 2015 - बायो एनर्जी दी नेक्स्ट जेनरेशन" में भाग लिया ।
  - संजय सिंह एवं निर्मला कौशिक, ने 22-25 सितम्बर, 2015 को त्रिवेन्द्रम में सी.एस.आई.आर.-एन.आई.आई.एस.टी. एवं बायोटेक रिसर्च सोसाइटी 'जैव प्रौद्योगिकी में नये क्षितिज - 2015 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
  - संगीता नागर एवं दीप्ति ने देश भागीदार जापान के साथ सी.आई.आई. द्वारा 1-2 दिसम्बर, 2015 को ईरोज होटल, नई दिल्ली में आयोजित आई.पी. कानून एवं आई.पी.आर. को लागू करना' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
  - पी.आर. बसाक, ने आर्ट आई.टी.-दिल्ली, टाइफैक और विज्ञान भारती

द्वारा संयुक्त रूप से 05 दिसम्बर, 2015 को आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में आई.आई.टी. दिल्ली में स्टार्ट-अपस के लिए विद्यार्थियों और युवा उद्यमियों के साथ इनोवेशन ईको सिस्टम पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

- यंशवत देव पंवार ने सी.आई.आई.आर. और यूरोपियन युनियन इवीशियेटिक्स द्वारा 15 जनवरी, 2015 को ताज होटल, नई दिल्ली में ब्रांड क्रिएशन प्रोटेक्शन और मैनेजमेंट पर भारतीय प्रशिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- सुरेश बाबू एम, ने 27 जनवरी, 2016 को टेरी, नई दिल्ली में 'इलेक्ट्रिक व्हील टेक्नोलोजीस एवं मार्केट्स पर एक पैनल चर्चा में भाग में लिया।
- संजय सिंह एवं पी.आर. बसाक, और निर्मला कौशिक, ने जैव-प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 5-6 फरवरी, 2016 को आयोजित 'ग्लोबल बायोटेक्नोलोजी सम्मिट' में भाग लिया।
- सुरेश बाबू एम, ने 10 मार्च, 2016 को इंडिया हैबीटेट सेंटर, नई दिल्ली

में लीड बैट्रीज इन सोलर एनर्जी एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- गौतम गोस्वामी एवं मनीष कुमार ने 14 मार्च, 2016 को 'जलवायु परिवर्तन' पर टेरी, नई दिल्ली में गोलमेज परिचर्चा में भाग लिया।

#### 6.4 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

- संगीता नागर ने 29 जून - 10 जुलाई, 2015 को टोकियो में आई.पी. प्रबंधन पर जे.पी.ओ./आई.पी.आर. प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन जापान इंस्टीट्यूट फोर प्रमोटिंग इनवेशन एंड इनोवेशन (जे.आई.पी.आई.आई.) ने जापान पेटेंट कार्यालय के सहयोग से किया।
- संगीता बख्शी ने 03-06 फरवरी, 2016 को दौरान, नेशनल एकेडमी ऑफ ह्यूमैन रिसोर्सेज एंड प्रोसीजर्स, नई दिल्ली द्वारा 'अनुशासनिक नियम एवं प्रक्रियाएं' विषय पर पांडिचेरी में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।



- मनीष कुमार ने भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल में 8-12 फरवरी, 2016 को 'प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण प्रबंधन में वैज्ञानिकों की भूमिका' पर डी.एस.टी. में एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

### 6.5 आमंत्रित व्याख्यान

- प्रोफे. प्रभात रंजन ने अप्रैल, 2015 बिहार में ग्रामीण विकास एवं एक मॉडल गांव - विजन 2035 मानवधिकार एसोसिएशन, पटना में आयोजित संगोष्ठी में 'विकास के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए फैसिलिएटर के रूप में वर्तमान एवं भविष्य के संभावित प्रौद्योगिकीय उपकरणों पर एक वक्तव्य दिया।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने 'अप्रैल, 2015 में इंडिया स्काई विलेज फोरम, दिल्ली में 'गांवों को अधिक स्मार्ट बनाने में जनता निजी भागीदारी की भूमिका पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 24 अप्रैल, 2015 को जयपुर में 'संगमरमर और अन्य पत्थरों के कचरे के लाभदायिक उपयोग' पर आयोजित कार्यशाला में 'कचरे का संसाधन में रूपान्तरण - मिशन मोड अप्रोच पर वक्तव्य दिया।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने मुख्य अतिथि के रूप में, डी.टी.यू., दिल्ली में जून, 2015 को पॉवर एंव ऊर्जा में हालिया एडवांसेज एवं चैलेंजेज पर टी.ई.क्यू.आई.पी.-II प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम में 'सेंसर नेटवर्क और उसके अनुप्रयोगों पर वक्तव्य दिया।
- यशवंत देव पंवार ने 'विभिन्न आई.पी. अधिकारों के माध्यम से आई.सी.टी. सम्बंधित इनोवेशनों का बचाव एवं नुतनता एवं आविष्कार का निर्धारण' विषय पर 17 जून, 2015 को मानव रचना इंटरनेशनल युनिवर्सिटी में डेटी, द्वारा सहायता प्राप्त आई.पी.आर. : जागरूकता एवं सरकारी प्रयास कार्यशाला में वक्तव्य दिया।
- अर्घ्य सरदार ने 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी - ओर्पोचुनिटीज एंड चैलेंजेज' विषय पर इंजीनियरिंग क्षेत्र के उन्नत निर्माण प्रौद्योगिकियों पर 26 जून, 2015 को सी.आई.आई. सम्मेलन, चेन्नई में प्रस्तुतीकरण दिया।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने जुलाई, 2015 में गांधीनगर में 'पेटेंट और



- आई.पी.आर. जागरूकता' पर आयोजित कार्यशाला में 'पेटेंटिंग और इनोवेशन में टाइफैक गतिविधियां' विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया ।
- संगीता नागर ने 20 जुलाई, 2015 को भंडिडा में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बाबा फरीद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स भंडिडा में 'आई.पी.आर. अकादमिक प्रोसपेक्ट्स' पर वक्तव्य दिया ।
  - यशवंत देव पंवार ने आई.पी. सूचना, ऑनलाइन पेटेंट खोज और व्हाइट स्पेस एनालिसिस एवं पेटेंट लैंडस्केपिंग 'विषय पर बौद्धिक संपदा अधिकार, आर. एवं डी. और इनोवेशन में समकालीन प्रबंधन नीतियों पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक वक्तव्य दिया । कार्यक्रम का आयोजन नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नेल्को), भुबनेश्वर उड़ीसा द्वारा 21-22 जुलाई, 2015 द्वारा किया गया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन अगस्त, 2015 में इंडिया स्मार्ट सप्लाइ चैन फोरम, 2015 में सत्र अध्यक्ष एवं वक्ता थे ।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने स्मार्ट गांवों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, रांची, अगस्त, 2015 में 'स्मार्ट गांव की संकल्पना: प्रौद्योगिकी विजन 2035' पर प्रमुख वक्तव्य दिया ।
  - नीरज सक्सेना ने इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, डी.आर.डी.ओ. मसूरी द्वारा 'परियोजनाओं में जोखिम प्रबंधन' पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 अगस्त, 2015 को 'टेक्नोलॉजी फोर फास्टिंग : एक ओवर व्यू' एवं टेक्नोलॉजी फॉर कास्टिंग : दूल्स एंड टैक्नीक्स' वक्तव्य दिये ।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने एच.आई.एम.एस.एस. डिजीटल इंडिया हेल्थ सम्मिट 2015, दिल्ली में अगस्त, 2015 में 'डिजीटल स्वास्थ्य रक्षा में सेंसर की भूमिका पर वक्तव्य दिया ।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने अगस्त, 2015 में आई.सी.ए.आर.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 'बौद्धिक संपदा अधिकारो' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.पी. प्रबंधन, प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण, उन्नयन एवं कारोबार विकास से

- सम्बंधित टाइफैक अनुभव सांझा किये ।
- यशवंत देव पवार ने जोनल टेक्नोलोजी मैनेजमेंट सेंटर, आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा आई.पी.आर. पर आयोजित एक तीन सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 17 एवं 18 अगस्त, 2015 को 'प्रायर आर्ट सर्च एंड प्रैक्टिकल सेशन' पर वक्तव्य दिया ।
  - संगीता नागर ने आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली में आई.पी.आर. द्वारा 17-18 अगस्त, 2015 को आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पेटेंट सर्च एंड एक्साइज' पर वक्तव्य दिया ।
  - दीप्ति ने 17-18 अगस्त, 2015 को आई.ए.आर.आई. द्वारा नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय आई.पी.आर. प्रशिक्षण कार्यक्रम में पेटेंट खोज सत्र का संचालन किया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने उन्नत उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी रोडमैप पर 31 अगस्त, 2015 को टाइफैक और सी.आई.आई. द्वारा आयोजित कार्यशाला में विशेष वक्तव्य दिया।
  - प्रोफेसर प्रभात रंजन ने हायर एजुकेशन सम्मिट नई दिल्ली, सितम्बर, 2015 में 'इनोवेशन' में उच्च शिक्षा की भूमिका पर वक्तव्य दिया ।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने जे.एस.एस. एकेडमी ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन नोएडा, में सितम्बर, 2015 में 'वास्तविक जिंदगी की समस्याएं और इनोवेशन' पर एक वक्तव्य दिया ।
  - संगीता नागर ने श्री बालाजी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पांडिचेरी द्वारा आई.पी.आर. पर 25 सितम्बर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "अकादमिक संस्थानों में आई.पी.आर. प्रबंधन और पी.एफ.सी.-टाइफैक की भूमिका पर एक वक्तव्य दिया ।
  - संगीता नागर ने आई.पी.ई.एक्स, 2015 के दौरान ए.पी.टी.डी.सी. और टी.एन.डी.पी.सी. द्वारा चेन्नई में आयोजित कार्यक्रम में 'आई.पी. सेल के एकीकरण के साथ आई.पी. नीति का निर्धारण और किसी भी संगठन के लिए प्रौद्योगिकी अंतरण' पर एक वक्तव्य दिया ।
  - गौतम गोस्वामी ने ओ.ई.सी.डी. द्वारा 02 अक्टूबर, 2015 को पेरिस में सरकारी पूर्वानुमान में श्रेष्ठ कार्य पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया और टेक्नोलोजी



- विजन: 2035 पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने अक्टूबर, 2015 में मुम्बई में आयोजित राष्ट्रीय पेटेंट ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता (एन.पी.डी.सी.) में 'टाइफैक और इनोवेशन पर एक वक्तव्य दिया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने पारंपरिक तिब्बती औषधियां और ज्योतिष विज्ञान, नई दिल्ली, द्वारा अक्टूबर, 2015 में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में 'मस्तिष्क एवं न्यूरोसाइंस' पर वक्तव्य दिया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने अक्टूबर, 2015 में आध्यात्मिक विभूति 14 वें दलाई लामा और उनके शिक्षा, नीति विज्ञान और बौद्ध विज्ञान पर नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कम्पैशन एवं इनोवेशन' पर एक वक्तव्य दिया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने बौद्धिक सम्पदा अधिकारों (आई.पी.आर.) पर अक्टूबर, 2015 में गाजियाबाद में आयोजित एक दिवसीय जागरूकता सुग्राहीकरण कार्यक्रम में 'इनोवेशन एवं आई.पी.आर. में टाइफैक की भूमिका पर एक वक्तव्य दिया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने वियना में नवम्बर, 2015 में प्रणाली विश्लेषण सम्मेलन में प्रणाली विश्लेषण की कला और शिल्प पर एक वक्तव्य दिया।
  - गौतम गोस्वामी ने विश्वभारती (पश्चिम बंगाल) में "सोइल हेल्थ - की टू सस्टेनेबल एग्रीकल्चर' पर 14 नवम्बर को 'सोइल क्वालिटी विसा-विस फूड सिक्योरिटी बाई 20-25' पर मुख्य वक्तव्य दिया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने 25 नवम्बर, 2015 को आयोजित छठी सरकारी पूर्वानुमान संगठन नेटवर्क (जी.एफ.एन.) बैठक, नई दिल्ली में एक वक्तव्य दिया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने दिसम्बर, 2015 में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव नई दिल्ली के सम्पर्क सत्र में सरकारी मिशन में अनुसंधान क्षेत्र पर वक्तव्य दिया।
  - प्रोफे. प्रभात रंजन ने भारत अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, नई दिल्ली, दिसम्बर, 2015 में 'दिव्यांगता से पीड़ित लोगों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी पर वक्तव्य दिया।



- प्रोफे. प्रभात रंजन ने पेरिस में दिसम्बर, 2015 में इंडिया पैवेलियन, यू.एन. कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (सी.ओ.पी.21) पर जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रौद्योगिकी पर वक्तव्य दिया।
- गौतम गोस्वामी ने इंडिया पैवेलियन, यू.एन. कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (कोप 21), पेरिस में दिसम्बर, 2015 में 'जलवायु परिवर्तन के प्रौद्योगिकी पटलू' पर पैनल चर्चा में मॉडरेटर की भूमिका निभाई।
- पी.आर. बसाक ने 'ग्रोथ ऑफ स्टार्ट अप्स' पर 09 दिसम्बर, 2015 को ए.एस.सी.आई. हैदराबाद द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'स्टार्ट आस के लिए सृजन कार्यक्रम - टाइफैक अनुभव' पर वक्तव्य दिया।
- यशवंत देव पवार ने '14 दिसम्बर, 2015 को एम.एच.आर.डी. आई.पी.आर.-पीठ दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में "पेटेंट सूचना एवं उसका मूल्यांकन पर एक वक्तव्य दिया।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने एशिया पैसिफिक, नई दिल्ली में दिसम्बर, 2015 में 'सतत विकास लक्ष्यों के लिए प्रौद्योगिकी सरलीकरण' पर संगोष्ठी में 'एस.डी.जी.एम. की प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय इनोवेशन प्रणाली को मजबूत बनाना' विषय पर वक्तव्य दिया।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने दिसम्बर, 2015 में भुवनेश्वर में आयोजित 'मनुष्य और मशीन सम्बंध (एम.एस.एम.आई. 2015) पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मनुष्य - मशीन सम्पर्क से विकलांगों की मदद' विषय पर वक्तव्य दिया।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने तलाश इंडिया के दिसम्बर, 2015 में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में वक्तव्य दिया।
- यशवंत देव पवार ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, नई दिल्ली द्वारा 11-15 जनवरी, 2016 को भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों पर विशेष संदर्भ के साथ डब्लू.टी.ओ. पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'विकासशील देशों में आई.पी. संस्थानों एवं क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए आई.पी. मुद्दों और तकनीकी सहायता पर वैश्विक विकास पर' वक्तव्य दिया।

- संगीता नागर ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अध्यापकों के लिए मिरांडा हाऊस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में 'पेटेंट और प्रक्रियाएं' पर एक वक्तव्य दिया ।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने 28-30 जनवरी, 2016 को आयोजित 28 वीं केरल विज्ञान कांग्रेस में केरल राज्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद (के.एस.सी.एस.ई.ई) केरल सरकार द्वारा आयोजित डॉ. पी.के. गोपाला कृष्णन स्मारक व्याख्यानमाला में वक्तव्य दिया ।
- यशवंत देव पवार ने 30 जनवरी, 2016 को केन्द्रीय पंजाब विश्वविद्यालय, भटिंडा द्वारा 'बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई.पी.आर.एस.) बढ़ती महत्ता' पर आयोजित एक संगोष्ठी में 'आई.पी.आर. के क्षेत्र में हालिया विकास' पर वक्तव्य दिया ।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने 05 फरवरी, 2016 को नागपुर में आई.आई.ई.एफ.ए. सम्मेलन के उद्घाटन दिवस पर 'इंडिया विजन 2020 से 2035 विषय पर वक्तव्य दिया ।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने 12 फरवरी, 2016 को भोपाल में आयोजित वैचारिक कुम्भ में चेतना विज्ञान और अध्यात्म पर केन्द्रित प्लेनरी सेशन - 11 में एक वक्तव्य दिया।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने 22-24 फरवरी, 2016 अवधि में बनस्थली विद्यापीठ जयपुर में इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए एक वक्तव्य दिया ।
- यशवंत देव पवार ने 26-27 फरवरी, 2016 को बिलासपुर में बौद्धिक सम्पदा अधिकार, आई.पी. व्यवसायीकरण एवं भावहरण (प्लेजियरिज्म) पर पेटेंट सूचना केन्द्र छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला में आई.पी.आर. का ओवर व्यू 'और पेटेंट्स : विश्वविद्यालयों में विकासशील अनुसंधान परिदृश्य' पर वक्तव्य दिया ।
- प्रोफे. प्रभात रंजन ने 28 फरवरी, 2016 को आई.ए.सी.एस., कोलकाता में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर एक वक्तव्य दिया ।



## 7. आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और संसाधन

कोई भी संगठन तेज प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों के इस युग में, मजबूत आधारभूत संरचना के बिना संचालित नहीं हो सकता। टाइफैक राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.) से सम्बद्ध होने के कारण शेष विश्व से इलेक्ट्रॉनिक रूप से जुड़ा हुआ है। इसने फेसबुक और ट्विटर खातों के माध्यम से सोशल मीडिया में भी अपनी उपस्थिति दर्शाई है। राष्ट्रीय ज्ञान स्रोत संघ (एन.के.आर.सी.) का सदस्य होने के नाते, वैज्ञानिकों ने ई-रिसोर्सेज पर बड़ी संख्या में एसेस किया है। इसके अलावा टाइफैक के पुस्तकालय में 2400 से अधिक पुस्तके हैं और इसमें पूर्वानुमान और भविष्य पर पुस्तकों का एक अनूठा खजाना उपलब्ध है।

### 7.1 राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन)

इस वर्ष में टाइफैक ने राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन) के साथ कनेक्टिविटी स्थापित की। इस कनेक्टिविटी से टाइफैक को इंटरनेट 100 एम.बी.पी.एस. लाइन और एन.के.एन. द्वारा दी जा रही अन्य सेवाओं का लाभ मिला। एन.के.एन. के अन्य प्रावधानों के उपयोग के लिए राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) से सम्पर्क बना रहा।

### 7.2 ई-रिसोर्सेज

टाइफैक ने इस वर्ष आई.ई.ई.ई., ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी, प्रेस एमराल्ड एक्स्ट्रा और वेब ऑफ नोलेज सहित ई-रिसोर्सेज का ग्राहक बनना जारी रखा।

इस वर्ष वैज्ञानिकों को ऑन लाइन डेस्क टॉप कम्प्यूटर एसेस उपलब्ध कराये गये। ई-रिसोर्सेज का चंदा राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क संघ (एन.के.आर.सी.) एक डी.एस.टी.-सी.एस.आई.आर. संयुक्त संघ के माध्यम से दिया जा रहा है।

### 7.3 राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

टाइफैक ने विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओ.एल.आई.सी.) के मार्गदर्शन में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रयास जारी रखे। कर्मचारियों के हित में छह हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गयीं। सितम्बर, 2015 में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। टाइफैक कर्मचारियों ने पखवाड़ा के दौरान आयोजित 13



विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और प्रमाणपत्र एवं नकद पुरस्कार प्राप्त किये ।

#### 7.4 टाइफैक पुस्तकालय

वैज्ञानिक/तकनीकों सूचनाओं के प्रवाह को गतिशील एवं सुसाध्य बनाने के लिए टाइफैक पुस्तकालय ने अपने कार्यों को सुदृढ़ करना जारी रखा । टाइफैक की आवश्यकताओं के अनुसार वैज्ञानिक-तकनीकी पुस्तकें/रिपोर्टें और जर्नल्स/सीरियल्स की प्राप्ति के द्वारा पुस्तकालय ने अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाये रखा ।

इस वर्ष के दौरान कुल 16 नयी वैज्ञानिक पुस्तकें/तकनीकी पुस्तकें रिपोर्ट खरीदी गयी थीं । अब टाइफैक पुस्तकालय में कुल पुस्तक संख्या 2430 हो गयी है । इसके अलावा 28 वैज्ञानिक और तकनीकी जर्नल्स और अन्य पत्रिकाओं का ग्राहक भी बना जा रहा है ।

#### 7.5 टाइफैक सूचना अन्तरापृष्ठ (इन्टरफेसेज)

सूचना प्रबंधन कक्ष (आई.एम.सी.) ने टाइफैक वेबसाइट

<http://www.tifac.org.in> का रख-रखाव जारी रखा ।

वेबसाइटों ने उपयोगकर्ताओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों के लिए अंतरापृष्ठ (इन्टरफेसेज) के रूप में कार्य किया । 5.6 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं ने टाइफैक वेबसाइट का अवलोकन किया । टाइफैक की विभिन्न योजनाओं और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से सम्बंधित 400 जिज्ञासाएं प्राप्त हुईं जिनका वेब-ईमेल के माध्यम से उत्तर दिया गया ।

टाइफैक निम्नलिखित यू.आर.एल.एस. के साथ फेसबुक और ट्विटर के माध्यम से सोशल मीडिया पर भी सक्रिय है:

[www.facebook.com/tifac.dst.india](http://www.facebook.com/tifac.dst.india)  
[www.twitter.com/TIFAC\\_india](http://www.twitter.com/TIFAC_india)

ये साइटें टाइफैक के कार्यक्रमों, गतिविधियों, विज्ञापनों, योजनाओं और अवसरों को लोगों तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं । टाइफैक विश्व में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त अद्यतन प्रौद्योगिकी जानकारीयों पर सक्रिय रूप से निगाह रख रहा है । ऐसी खोजी प्रौद्योगिकी सूचनाएं टाइफैक के फेसबुक और ट्विटर पेज पर डाली जाती हैं जो कि भविष्य के प्रौद्योगिकी परिदृश्य में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं ।

अनेक लोगों द्वारा ये पंसद की जाती है, इन पर टिप्पणी की जाती हैं और चर्चा की जाती है। वह गतिविधि हमें और अन्य लोगों को भविष्य की प्रौद्योगिकियों के पूर्वानुमान में मदद करती है।

हमारा फेसबुक पेज प्राप्त वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों की अंतर्दृष्टि के साथ प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान को दर्शाता है।

## 8. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

एस.के. जुनेजा एंड एसोसिएट्स  
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

4704, अशोका इन्क्लेव प्लॉट नं. 8 ए  
सेक्टर - 11, द्वारका, दिल्ली - 110075  
फोन: 9810331588, 9810641785  
ई मेल - [madhujun94@gmail.com](mailto:madhujun94@gmail.com)

---

### स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्यगण  
शासी निकाय  
प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद  
नई दिल्ली - 110016

#### वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

1. हमने प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक), नई दिल्ली (यहां सोसाइटी के रूप में संदर्भित) के 31 मार्च, 2016 तक के संलग्न तुलन-पत्र तथा इसी तिथि तक की अवधि के संलग्न आय एवं व्यय लेखा तथा महत्वपूर्ण नीतियों और अन्य स्पष्टीकरण सूचनाओं की - परीक्षा की है।

#### वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधन का दायित्व

2. इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने का दायित्व सोसाइटी के प्रबंधन का है। ये विवरण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों सहित, भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के अनुसार, सोसाइटी की वित्तीय स्थिति एवं वित्तीय कार्यों की सत्य एवं स्पष्ट स्थिति को प्रदर्शित करते हैं। उनके दायित्व में, सोसाइटी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा हेतु उचित लेखांकन, रिकार्डों का रख - रखाव और जालसाजी और अन्य अनियमितताओं की पहचान एवं रोकथाम, सही लेखांकन नीतियों का अनुप्रयोग, निर्णय और आकलन करना जो उचित और न्यायपूर्ण हो और समुचित आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण



का डिजाइन, कार्यान्वयन और रख - रखाव और जालसाजी और अन्य अनियमितताओं की पहचान एवं रोकथाम, सही लेखांकन नीतियों को अनुप्रयोग निर्णय और आकलनों करना जो उचित और न्यायपूर्ण हों और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रख - रखाव शामिल है जो कि वित्तीय विवरणों के तैयार करने और प्रस्तुतीकरण में सत्य एवं सही छवि प्रस्तुत करते हैं जो कि समग्र असत्य विवरण से मुक्त हो जो जालसाजी या त्रुटि के कारण हो ।

### लेखा परीक्षक का दायित्व

3. हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन विवरणों पर अपनी राय प्रकट करना है । हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है । इन मानकों में अपेक्षित है कि हम नीतिपरक आवश्यकताओं और योजनाओं का अनुपालन करें कि क्या वित्तीय विवरण सामग्री गलत बयानी से मुक्त हैं ।
4. एक लेखा परीक्षा में, वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों के सम्बंध में, लेखा परीक्षा साक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रक्रियाओं का संपादन करना शामिल होता है । प्रक्रियाओं का चुनाव लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर होता है, इसमें वित्तीय विवरणों की सामग्री में गलत विवरण के खतरे का मूल्यांकन शामिल है, यह चाहे जालसाजी या त्रुटि के कारण हो । इन जोखिम मूल्यांकनों को करने में, लेखा परीक्षक सोसाइटी के वित्तीय विवरणों को तैयार करने से सम्बंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर भी विचार करता है जो कि सत्य एवं सही छवि प्रस्तुत करता है । लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के क्रम में, जो कि परिस्थितियों के हिसाब से उपयुक्त हो लेकिन यह इस प्रयोजन से राय व्यक्त करने के लिए नहीं है कि सोसाइटी ने वित्तीय रिपोर्टिंग पर समुचित आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और ऐसे नियंत्रणों पर प्रचालन दक्षता रखी है या नहीं । एक लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों के औचित्य का मूल्यांकन और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण के मूल्यांकन के साथ, सोसाइटी के प्रबंधन द्वारा किए गये लेखांकन आकलनों का औचित्य भी शामिल है ।
5. हमें विश्वास है कि हमें प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं और हमें अपनी परीक्षा राय देने का आधार प्रदान करते हैं ।

## राय

6. हमारी राय में और हमें प्राप्त सूचना एवं हमें दिए गये स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण अपेक्षित सूचना एवं सत्य एवं सही स्थिति प्रदर्शित करते हैं और 31 मार्च, 2016 को सोसाइटी के मामलों में, भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के साथ और इसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय पर अधिक व्यय से साम्यता रखते हैं :

- 1) वर्ष 1992 से 2005 तक विभिन्न परियोजनाओं के लिए, विभिन्न पार्टियों को दिये गये उन ऋणों की पहचान न करना जिन्हें तुलन पत्र (बैलेंस शीट) की परिसंपत्ति शीट में दर्शाई गयी 48.23 करोड़ रुपये की राशि की ऋण के रूप में पहचान नहीं है। (तुलन पत्र के लेखा पर टिप्पणियों का नोट सं. 18)
- 2) सोसाइटी द्वारा निष्पादित अथवा कार्याधीन परियोजनाओं के लिए परियोजनावार लेखा, बजट और मंजूरीयों का रख-रखाव न होना।
- 3) अनेक मामलों में, स्रोत से कर कटौती से सम्बंधित आयकर प्रावधानों का अनुपालन न होना
- 4) कर्मचारियों के छुट्टी नकदीकरण और सेवा निवृत्ति/ अधिवर्षिता के लिए सोसाइटी की देयता जिसकी राशि अनिश्चित है उसका लेखा बहियों में प्रावधान न किया जाना।
- 5) नेक्टर और टी.डी.बी. के साथ शेयर किए गये कार्यालय स्थल के लिए भवन व्यवस्था खर्च, बिजली, सुरक्षा सेवाओं, जल एवं बागवानी पर किये गये खर्च का आवंटन न होना, इसकी राशि की अनिश्चित है (तुलन पत्र के लेखा पर टिप्पणियों का नोट सं. 13)

7) हम आगे रिपोर्ट देते हैं कि :

- क) हमने लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त किये, जो हमारी जानकारी और विश्वासके अनुसार आवश्यक थे।
- ख) हमारे विचार में, हमारे द्वारा लेखा बहियों की जांच करने पर, सोसाइटी द्वारा कानून के अनुसार लेखा पुस्तकों का उचित रूप से रख-रखाव किया गया है।
- ग) इस रिपोर्ट से सम्बंधित तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा की लेखा पुस्तकों से सम्मति है।
- घ) हमारी राय में उपरोक्त वित्तीय विवरण, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा लागू लेखांकन मानकों के अनुसार है, उन्हें छोड़कर जिनका प्रकटन कहीं और किया गया है।

ड.) हमारे विचार, हमें दी गयी जानकारी और हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार हम लेखा परीक्षक रिपोर्ट में शामिल होने वाले अन्य मामलों में निम्नांकित रिपोर्ट देते हैं।

एस.के. जुनेजा एवं एसोसिएट्स  
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स  
फर्म पंजीकरण सं. 012484 एन

हस्ता/-  
(सुरेन्द्र कुमार)  
भागीदार  
सदस्यता सं. 091449

दिनांक: 23.09.2016

स्थान: नई दिल्ली



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31 मार्च, 2016 को तुलन-पत्र (बैलेंस शीट)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>निकाय / पूंजीगत निधि और देयताएं</b>			
निकाय / पूंजीगत निधि (टाइफैक मुख्य लेखा के अन्तर्गत)	अनुसूची 1	366,698,250.63	280,019,306.71
निकाय / पूंजीगत निधि (पी.एफ.सी. नये लेखा के अन्तर्गत)	अनुसूची 1	372,326.70	(1,577,922.75)
निकाय / पूंजीगत निधि (एस.एफ.डब्ल्यू.एस. नये लेखा के अन्तर्गत)	अनुसूची 1	24,322,008.00	7,402,135.00
आरक्षित और अधिशेष	अनुसूची 2	-	-
उद्दिष्ट / विन्यास निधि (इयरमाकडे/इनडोमेंट फंड्स)	अनुसूची 3	-	-
सुरक्षित ऋण और उधार	अनुसूची 4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधार	अनुसूची 5	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	अनुसूची 6	-	-
चालू देयताएं और प्रावधान	अनुसूची 7	79,779,709.93	52,961,684.93
<b>जोड़</b>		<b>471,172,295.26</b>	<b>338,805,203.89</b>
<b>परिस्मृतियां परिसम्पत्तियां</b>			
अचल परिसम्पत्तियां (निवल)	अनुसूची 8	61,332,405.47	68,235,050.54
निवेश उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	अनुसूची 9	106,049,000.00	-
निवेश - अन्य	अनुसूची 10	-	-
चालू परिस्मृतियां ऋण, अग्रिम इत्यादि	अनुसूची 11	303,790,889.79	270,570,153.35
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित न किए जाने की मात्रा तक)			
<b>जोड़</b>		<b>471,172,295.26</b>	<b>338,805,203.89</b>
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां	अनुसूची 32		
आकस्मिक देयताएं	अनुसूची 33		

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार  
कृते एस.के. जुनेजा एंड एसोसिएट्स (एफ.आर.एन. :012484 एन)  
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

हस्ता

सुरेन्द्र कुमार (सदस्यता सं.091449)

भागीदार

सुरेन्द्र कुमार सदस्यता सं.091449

भागीदार

हस्ता  
लेखाधिकारी  
टाइफैक

हस्ता  
रजिस्ट्रार  
टाइफैक

हस्ता  
कार्यपालक निदेशक  
टाइफैक

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची / अनुबंध	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>आय</b>			
विक्री / सेवाओं से आय	अनुसूची 12	-	-
अनुदान / आर्थिक सहायता	अनुसूची 13	154,050,000.00	70,767,000.00
शुल्क / अभिदान	अनुसूची 14	202,440.00	5,460.00
निवेशों से आय	अनुसूची 15	-	-
रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	अनुसूची 16	95,140.00	48,378.00
अर्जित ब्याज	अनुसूची 17	25,173,389.00	19,381,201.00
अन्य आय	अनुसूची 18	2,666,273.69	2,571,694.06
तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि / (ह्रास) और प्रगतिपरक कार्य परियोजनाओं से निधि की वापसी	अनुसूची 19 अनुसूची 20	- 15,287,072.00	- 47,186,369.12
<b>जोड़ (क)</b>		<b>197,474,314.69</b>	<b>139,960,102.18</b>
<b>व्यय</b>			
स्थापना व्यय एवं अन्य प्रशासनिक व्यय	अनुसूची 21	97,880,911.47	92,227,508.68
अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय	अनुसूची 22	104,531,894.23	70,598,677.20
ब्याज	अनुसूची 23	-	-
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में निवल जोड़)	अनुसूची 8	8,382,565.07	9,711,949.90
<b>जोड़ (ख)</b>		<b>210,795,370.77</b>	<b>172,538,335.78</b>
व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (आय पर व्यय)		(13,321,056.08)	(32,578,233.60)
विशेष रिजर्व को अंतरित (प्रत्येक को स्पष्ट करें)			
सामान्य रिजर्व को /से अंतरित			
निकाय / पूंजीगत निधि का अग्रणीत आधिक्य (घाटा) का शेष		(13,321,056.08)	(32,578,233.60)
महत्वपूर्ण लेखाविधि नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां आकस्मिक देयताएं	अनुसूची 32 अनुसूची 33		

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस.के. जुनेजा एंड एसोसिएट्स (एफ.आर.एन. :012484 एन)

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

सुरेन्द्र कुमार (सदस्यता सं.091449)

भागीदार

दिनांक : 23.09.2016

स्थान : नई दिल्ली

हस्ता  
लेखाधिकारी  
टाइफैक

हस्ता  
रजिस्ट्रार  
टाइफैक

हस्ता  
कार्यपालक निदेशक  
टाइफैक

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
पेटेन्ट सुविधा केन्द्र (पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत)  
31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>आय</b>			
अनुदान, आर्थिक सहायता	अनुसूची 24	13,528,479.00	-
अर्जित ब्याज	अनुसूची 25	143,309.97	297,048.00
अन्य आय	अनुसूची 26	5,000.00	17,483.00
परियोजनाओं से निधि की वापसी		-	-
<b>जोड़ (क)</b>		<b>13,676,788.97</b>	<b>314,531.00</b>
<b>व्यय</b>			
स्थापना / प्रशासनिक व्यय	अनुसूची 27	10,702,151.52	13,671,382.59
परियोजना व्यय	अनुसूची 28	1,024,388.00	388,144.00
<b>जोड़ (ख)</b>		<b>11,726,539.52</b>	<b>14,059,496.59</b>
व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (आय पर व्यय)		1,950,249.45	(13,744,965.59)
<b>निकाय / पूंजीगत निधि के अंतर्गत आधिक्य / घाटे के कारण शेष</b>		<b>1,950,249.45</b>	<b>(13,744,965.59)</b>

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट अनुसार  
कृते एस.के. जुनेजा एंड एसोसिएट्स (एफ.आर.एन. :012434 एन)  
चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स

हस्ता

सुरेन्द्र कुमार (सदस्यता सं.091449)

भागीदार

दिनांक : 23.09.2016

स्थान : नई दिल्ली

हस्ता

सेखाधिकारी

टाइफैक

हस्ता

रजिस्ट्रार

टाइफैक

हस्ता

कार्यपालक निदेशक

टाइफैक



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येतावृत्ति (महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येतावृत्ति नये लेखा के अंतर्गत)

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

	अनुसूचि	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>आय</b>			
अनुदान आर्थिक सहायता	अनुसूची 29	20,000,000.00	-
अन्य आय	अनुसूची 30	611,879.00	450,086.00
परियोजनाओं से निधि की वापसी		-	-
<b>जोड़ (क)</b>		<b>20,641,879.00</b>	<b>450,086.00</b>
<b>व्यय</b>			
व्यय	अनुसूची 31	3,722,006.00	1,535,033.00
<b>जोड़ (ख)</b>		<b>3,722,006.00</b>	<b>1,535,033.00</b>
व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (आय पर व्यय)		16,919,873.00	(1,084,947.00)
<b>निकाय / पूंजीगत निधि के अंतर्गत आधिक्य / घाटे के कारण शेष</b>		<b>16,919,873.00</b>	<b>(1,084,947.00)</b>

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट अनुसार

कृते एस.के. जुनेजा एंड एसोसिएट्स (एफ.आर.एन.:012484 एन)

चाटर्ड एकाउंटेंट्स

हस्ता

सुरेन्द्र कुमार सदस्यता सं.091449

भागीदार

दिनांक : 23.09.2016

स्थान : नई दिल्ली

हस्ता

लेखाधिकारी

टाइफैक

हस्ता

रजिस्ट्रार

टाइफैक

हस्ता

कार्यपालक निदेशक

टाइफैक

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची 1 - निकाय / पूंजीगत निधि	टाइफैक		सम्बंधित नये खातों को अंतरण			
	चालू वर्ष	गत वर्ष	घंटे सुविधा केन्द्र (नया खाता)		महिला वैज्ञानिकों को अध्येततावृत्ति (नया खाता)	
			चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
आद्य शेष (ओपनिंग बैलेंस)	110,019,306.71	142,597,540.31	(1,577,922.75)	12,167,042.84	7,402,135.00	8,487,082.00
उप जोड़ - क	110,019,306.71	142,597,540.31	(1,577,922.75)	12,167,042.84	7,402,135.00	8,487,082.00
सिाबी से सम्बंधित आद्य शेष जारी होने हेतु निर्दिष्ट निधियां (रिवाँल्विंग फंड) को जारी होने हेतु निर्दिष्ट	170,000,000.00	170,000,000.00				
सिडबी रिवाँल्विंग फंड को जारी करने हेतु निर्दिष्ट	-	-				
सिडबी को 2010-2011 में दी गयी राशि	100,000,000.00					
उप जोड़ (ख)	270,000,000.00	170,000,000.00	-	-	-	-
व्यय पर आय का आधिक्य (आय पर व्यय)	(13,321,056.08)	(32,578,233.60)	1,950,249.45	(13,744,965.59)	16,919,873.00	(1,084,947.00)
उप जोड़ (ग)	(13,321,056.08)	(32,578,233.60)	1,950,249.45	(13,744,965.59)	16,919,873.00	(1,084,947.00)
ल (क+ख+ग)	366,698,250.63	280,019,306.71	372,326.70	(1,577,922.75)	24,322,008.00	7,402,135.00
इति शेष (क्लोजिंग बैलेंस)	366,698,250.63	280,019,306.71	372,326.70	(1,577,922.75)	24,322,008.00	7,402,135.00

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

**अनुसूची-2 रिजर्व और आर्थिक**

विवरण	वार्षिक वर्ष		गत वर्ष	
<b>1. पूर्वांगित रिजर्व :</b>				
विद्यते लेखा के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान	-	-	-	-
घटार : वर्ष के दौरान हस	-	-	-	-
<b>2. पुनः मूल्यांकन रिजर्व :</b>				
विद्यते लेखा के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-	-	-
घटार : वर्ष के दौरान हस	-	-	-	-
<b>3. विशेष रिजर्व :</b>				
विद्यते लेखा के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान वृद्धियाँ	-	-	-	-
घटार : वर्ष के दौरान हस	-	-	-	-
<b>4. सामान्य रिजर्व :</b>				
विद्यते लेखा के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान	-	-	-	-
घटार : वर्ष के दौरान हस	-	-	-	-
<b>जम्मा</b>				



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलनात्मक के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची-2: इन्फोटेकनियस निधि (इयएमएईडनडाइमेंट फंड्स)**

	चाहू वर्ष	गत वर्ष
क) निधियों का आदर्श शेष	-	-
ख) निधियों में वृद्धियां:	-	-
i) दान/अनुदान	-	-
ii) निधियों से किये गये निवेशों से आय	-	-
iii) अन्य वृद्धियां (प्रत्येक को स्पष्ट करें)	-	-
जोड़ (कांश)	-	-
ग) निधियों के व्ययों की बाबत उपयोगिता/व्यय	-	-
i)I) पूर्वागत व्यय	-	-
अचल परिसम्पत्तियां	-	-
अन्य वृद्धियां (स्पष्ट करें)	-	-
ii) राजस्व व्यय	-	-
वेतन, मजदूरी और भत्ता आदि	-	-
विव्याय	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-
जोड़ (ग)	-	-
वर्ष के अन्त में निचल शेष (क-ख ग)	-	-

टिप्पणियां: 1) अनुदान के साथ संबद्ध शर्तों के आधार पर, शीर्ष के अन्तर्गत अकटन किया जाएगा ।

टिप्पणियां: 2) केंद्रराज्य सरकारों से प्राप्त आवेदन निधियों को एक निधियों के रूप में दर्शाया जाएगा, तथा इन्हें किसी अन्य निधि के साथ शामिल नहीं किया जाएगा ।

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची-4 सुरक्षित ऋण और उधार

विवरण	वर्ष	वर्ष	वर्ष
1. केंद्रीय सरकार	-	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-
क) सार्वजनिक ऋण	-	-	-
ख) ब्याज भेदभूल और देय	-	-	-
4. वित्तीय संस्थान	-	-	-
क) सार्वजनिक ऋण	-	-	-
ख) ब्याज भेदभूल और देय	-	-	-
5. बैंक :	-	-	-
क) सार्वजनिक ऋण	-	-	-
ख) ब्याज भेदभूल और देय	-	-	-
6) अन्य ऋण (स्पष्ट करें)	-	-	-
7. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-	-
जोड़	-	-	-

नोट : एक वर्ष में देय राशि

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची-5 सुरक्षित रूप और उधार**

विवरण	चालू वर्ष		गत वर्ष	
1. केंद्रीय सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)	-	-	-	-
3. विदेशी संस्थान	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) सावधि रूप	-	-	-	-
ख) अन्य रूप (स्पष्ट करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थाएं और एजेंसियां	-	-	-	-
6. रूप पत्र और बांड	-	-	-	-
7. सावधि जमा	-	-	-	-
<b>जोड़</b>				

नोट : एक वर्ष में देय राशि

**अनुसूची-6 आस्थायित ढ़यताएं**

विवरण	चालू वर्ष		गत वर्ष	
क) पूंजीगत उपकरण और परिसम्पत्तियों को बंधक बनाकर प्राप्त प्रतिग्रहण राशियां (एकेचेंसेज)	-	-	-	-
ख) अन्य	-	-	-	-
<b>जोड़</b>				

नोट : एक वर्ष में देय राशि





प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

विवरण	वर्ष 2015-16	वर्ष 2016-17
<b>अनुसूची-7 चालू हेतुआं और प्रावधान</b>		
का चालू हेतुआं		
1. प्रतिगठन राशिआं (एस्टिमेट)	2,550.00	2,550.00
2. विविध सेंसर का सामान हेतु मेसर्स अरू स्वर लि. सी.जी.एच.एस. (पी. एन.के.एल. गुजरा) पूर्व रजिस्ट्रार बिजनेस मैत्री प्रा. लि. पेटेंट सुविधा सेंटर द्वारा टाइपकेट को देय सूक्ष्म मल्ला चक्रवर्ती मकान किराया बसुली (पी. प्रभात राजन)	3,000.00 46,618.40 4,000.00	3,000.00 46,618.40 4,000.00
3. प्राप्ति अर्थिन		5,000,000.00
4. खाल प्रोव्हाल लेविन देय नहीं : क) सुरहित ऋण/उधार ख) अनुसूचित ऋण/उधार 5. सांविधिक देयताएं अ) अतिशोध्य (ओवरड्रॉज) ब) अन्य-देय टी.डी.एस. (अनुबंध-11 का उपबोध) (ए) टाइपकेट लेखा के अंतर्गत टी.डी.एस. देय (अनुबंध-12 का उपबोध) (ख) पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत	602,184.00 49,056.00	507,707.00 157,554.00
6. अन्य चालू हेतुआं देय लेखा (पी. गणवर्ति) पुराने देय आई.आई.टी. टाइपकेट रख-रखाव (प्रावधान) भारत आई.आई.टी.एस.ए. सदस्यता शुल्क (प्रावधान) य चयन (अनुबंध-12 का उपबोध) (क) टाइपकेट लेखा के अंतर्गत देयता (अनुबंध-12 का उपबोध) (क) (पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत) देय चयन (अनुबंध-12 का उपबोध) (क) (एस.एफ.अरू.एस. के लेखा के अंतर्गत) सी.पी.एफ. (पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत) जे.एस.एल.आई.एस. (पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत) मंडिलन योजना (टाइपकेट लेखा के अंतर्गत) मंडिलन योजना (पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत)	- 1,19,110.00 16,057,470.00 24,500,000.00 6,370,950.00 675,311.40 67,606.00 - - -	1,800.00 - 5,037,470.00 - 5,366,501.00 1,760,568.00 178,631.00 36,008.00 1,188.00 1,654,617.00 51,277.00
7. ई एस की प्रतिभूति जमा (टाइपकेट)	1,921,124.00	1,071,506.00
	25,616,928.93	25,616,928.93

धरोहर राशि: मेसर्स लिम्बस हॉर्नर प्रा.लि.	20,000.00	20,000.00	20,000.00
धरोहर राशि: मेसर्स सस्वान ड्रेकेल्स	50,000.00	50,000.00	50,000.00
चौथी शिर्का से धरोहर राशि: (अनुसूची-13)	3,300,000.00	3,300,000.00	3,300,000.00
धरोहर राशि: मेसर्स डोगरा फुटवर्कडोज	-	-	5,000.00
धरोहर राशि: मेसर्स बग्गा डूर एंड टेबल्स	-	-	50,000.00
धरोहर राशि: मेसर्स डिए टेक्नोलॉजीस प्रा.लि.	5,000.00	5,000.00	5,000.00
धरोहर राशि: मेसर्स परफेक्ट ड्रेडर्स	50,000.00	50,000.00	50,000.00
धरोहर राशि: मेसर्स आशा एंटर प्राइडोज	-	-	30,000.00
धरोहर राशि: मेसर्स सरत दूरे एवं टेबल्स	200,000.00	200,000.00	-
धरोहर राशि: मेसर्स प्रेवेलियन इंडीस्ट्रियल इंडिया प्रा.लि.	5,000.00	5,000.00	-
धरोहर राशि: मेसर्स जो.एम.सी. बेरवेज प्रा.लि.	5,000.00	5,000.00	-
धरोहर राशि: मेसर्स विलटेक कन्साइडियन वाटर लि. (एक्सपैरिया)	18,754.00	18,754.00	18,754.00
धरोहर राशि: मेसर्स पिक हाउस कीरियर	-	-	-
<b>7. ई एन डी प्रतिभूति उम्मा (इन्फ्र.एक.एक.)</b>	50,000.00	50,000.00	-
जोड़ (iii)	79,779,709.93	79,779,709.93	52,961,684.93
जोड़ (ii) + (iii) = (क)	79,779,709.93	79,779,709.93	52,961,684.93

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची-7 वार्ष. देयताएं और प्रावधान

विवरण	वर्ष 2015-16	वर्ष 2016-17
8. अतिवर्षिता/पेंशन	-	-
9. संचित छुट्टी नगदीकरण	-	-
10. ड्रेड करेडेंस/दाने	-	-
11. प्रावधान	-	-
<b>कुल (ख)</b>	-	-
<b>कुल (क+ख)</b>	79,779,709.93	52,961,684.93

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (एफएकेक) विनियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलनात्मक के भाग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची - 3 अद्यतन परिचयस्थितियां	सफल दरोंके										मूल्यरूपके			निवल व्ययके		(Amount - ₹)
	मूल्यरूपके की दर	वर्ष के शुरू में आयतन / मूल्यांकन	वर्ष के अंत में आयतन / मूल्यांकन	वर्ष के अंत में आयतन / मूल्यांकन	वर्ष के अंत में आयतन / मूल्यांकन	वर्ष के शुरू में	वर्ष के अंत तक जोड़	वर्ष के अंत के अनुसार	वर्ष के अंत के अनुसार	वर्ष के अंत के अनुसार	मूल्यरूपके		निवल व्ययके			
											वर्ष के अंत में आयतन / मूल्यांकन	वर्ष के अंत के अनुसार	वर्ष के अंत के अनुसार	वर्ष के अंत के अनुसार		
क. अद्यतन परिचयस्थितियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1. भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) की लागत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर (लीज होल्ड)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे वाली भूमि पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) इकाई के स्वामित्व से रहित भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10.00	117,850,000.00	-	-	117,850,000.00	80,867,421.25	3,698,457.87	33,284,320.87	66,982,578.74	-	-	-	-	-	-	-
ङ) ट्रांजिजेंट भवन का आंतरिक कार्य	10.00	52,476,907.00	-	-	52,476,907.00	26,934,742.08	2,554,216.30	22,987,948.42	25,543,164.92	-	-	-	-	-	-	-
3) संयंत्र नवीनीकरण उपकरण : एफएकेक भवना में अधिन शासक संघ	15.00	1,076,728.00	-	-	1,076,728.00	837,387.46	65,914.08	373,456.46	439,360.54	-	-	-	-	-	-	-
4. बाह्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5. कार्गो और लिफ्टकार	10.00	1,874,189.00	63,980.00	-	1,938,169.00	1,478,666.37	45,403.35	414,042.66	395,522.03	-	-	-	-	-	-	-
6. कार्यालय उपकरण	15.00	23,346,589.58	446,750.00	-	23,793,339.58	20,442,772.54	332,535.71	3,072,974.39	3,123,808.03	-	-	-	-	-	-	-
7. कम्प्यूटर / गैजेट सूट	60.00	9,958,327.28	958,293.00	-	10,916,620.28	8,223,918.51	1,450,246.06	9,674,164.37	1,074,408.77	-	-	-	-	-	-	-
8. विद्युत स्थापना	100.00	5,603,165.55	70,897.00	-	5,674,062.55	5,385,960.05	35,896.30	5,621,856.33	17,306.39	-	-	-	-	-	-	-
9. पुस्तकालय में पुस्तकें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. वाहन एवं जल आपूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. अन्य अचल परिसम्पत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल वर्ष का जोड़	-	212,255,899.01	1,479,820.00	-	213,665,819.01	143,950,848.37	8,382,535.07	152,333,413.51	68,259,050.33	-	-	-	-	-	-	-
पिछले वर्ष का	-	288,250,025.01	3,972,329.00	-	292,222,354.01	134,238,998.37	9,771,949.90	143,950,848.49	74,017,126.44	-	-	-	-	-	-	-
इ. पूर्वीवर्ष कार्या में प्रगति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची-9 अडिप्ट/विन्यस्त निधि (इयार्याकई/इनडॉर्मंटफंड में निवेश)

विवरण	चाकू वर्ष	गत वर्ष
1. सफारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयरों	-	-
4. ऋण पत्र और बांड्स	-	-
5. आर्थिक सहायता और संगत उद्योग	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें)	106,049,000.00	-
<b>नोट</b>	106,049,000.00	-

अनुसूची-10 निवेश-अन्य

विवरण	चाकू वर्ष	गत वर्ष
1. सफारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयरों	-	-
4. ऋण पत्र और बांड्स	-	-
5. आर्थिक सहायता और संगत उद्योग	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
<b>नोट</b>	-	-

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पर के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची-II चालू परिसम्पत्तियाँ, कृपण अधिम इत्यादि

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<p>का) चालू परिसम्पत्तियाँ</p> <p>1. तालिमार् (इन्वेंटीज)</p> <p>क. भण्डार और स्मैथर्न</p> <p>ख. खुले ऑर्जर</p> <p>ग. ब्याचर से लगा स्टॉक</p> <p>दौयार माल</p> <p>पगति परक कार्य</p> <p>कच्चा माल</p> <p>2. विविध देनदार:</p> <p>क. उह माह से अधिक की बनया राशि</p> <p>ख. अन्य</p> <p>3. हाथ में नकद रोकड (बैंकड्राफ्ट और अचटाव (इम्पेस्ट) सहित) (टाइफैक लेखा के अन्तर्गत)</p> <p>हाथ में नकद रोकड (बैंकड्राफ्ट और अचटाव (इम्पेस्ट) सहित) (पी.एफ.सी. नये लेखा के अन्तर्गत)</p> <p>हाथ में नकद रोकड (बैंकड्राफ्ट और अचटाव (इम्पेस्ट) सहित) (एस.एफ.डब्ल्यू.एन. नये लेखा के अन्तर्गत)</p> <p>4. बैंक में जमा :</p> <p>क. अनुसूचित बैंक के पास (रूनिशन बैंक ऑफ इंडिया)</p> <p>चालू खाते में</p> <p>जमा खाते में (अन्पावधि जमा) (अनुसूच-II)</p> <p>उचाजित ब्याज (अनुसूच-II)</p> <p>बचत खाते - खाते में टाइफैक लेखा के अंतर्गत</p> <p>बचत खाते - खाते में पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत</p> <p>बचत खाते - खाते में एस.एफ.डब्ल्यू.एन. नये लेखा के अंतर्गत</p> <p>ख. गैर अनुसूचित बैंक के पास :</p> <p>चालू खाते में</p> <p>जमा खाते में</p> <p>बचत खाते में</p> <p>5. टाक धर-बचत खाता</p>	<p>261,398,660.00</p> <p>3,273,743.00</p> <p>27,516,562.09</p> <p>894,178.73</p> <p>24,274,364.00</p> <p>8,773.00</p> <p>16,225.00</p> <p>258.00</p> <p>185,500,000.00</p> <p>43,965,571.00</p> <p>18,687,269.55</p> <p>5,361,554.25</p> <p>7,530,883.00</p> <p>300,387,507.82</p> <p>300,382,758.82</p>	<p>6,574.00</p> <p>5,623.00</p> <p>911.00</p> <p>261,048,277.80</p> <p>261,061,385.80</p>

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पर के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची-11 बाबू परिसम्पत्तियां, ऋण, अधिम इत्यादि**

विवरण	घात वर्ष	दात वर्ष	वर्त वर्ष
<b>घ. ऋण, अधिम और अन्य परिसम्पत्तियां :-</b>			
<b>1. ऋण:</b>			
क. स्टॉक (टाइफैक लेखा के अंतर्गत) (अनुबंध-1)		1,523,301.00	2,268,632.00
स्टॉक ऋण (पी.एफ.सी नये लेखा के अंतर्गत) (अनुबंध-1)		192,350.00	41,625.00
<b>घ. समान गतिविधियां/उद्देश्यों से जुड़ी परिसंपत्तियां</b>			
ग. अन्य			
<b>2. अधिम और अन्य परिसंपत्तियां जो नकद अथवा इसके बदले में अथवा इसके मूल्य के रूप में प्राप्त की जाती हैं:</b>			
क. पूंजी धारकों पर			
ख. पूर्व मुगलान	5,355.00	14,473.00	14,473.00
अधिम: प्रौद्योगिकी मशीन का अधिम		199,333.00	199,333.00
अधिम: पी.एफ.सी.पी.	420,108.00	20,000.00	20,000.00
अधिम: आचार्य क्लोना भावे स्वतंत्र हॉस्पिटल समायोजी		425,443.00	233,806.00
ग. अन्य			
एस.ए.आई.एल. एन.एम.पी.पी.			19,736.55
कुटमुट डेवदार : श्री विना रिस्कल इंस्ट्रुमेंट्स एंड टैल्मोबैट्री	270,000.00	270,000.00	270,000.00
प्रतिभूति जमा: लीज आवान			9,500.00
प्रतिभूति जमा: एम.टी.एन.एल.	22,937.00	22,937.00	22,937.00
प्रतिभूति जमा: एटा टेवी सर्विसेज (लिमिटेड)			16,000.00
प्रतिभूति जमा: श्री कपिल अचवार			100,000.00
प्रतिभूति जमा: डी.एस.टी. (आई.आई.टी.एफ.)	74,520.00	74,520.00	74,520.00
प्रतिभूति जमा: यू.बी.आई. लॉकर ब्रांड	8,403.00	8,403.00	8,403.00
पो. प्रकाल रंजन	428,510.00		
प्रतिभूति जमा: टाइफैक डी.एस.टी. आई.टी.एस. बन्नाडा कार्यशाळा			167,610.00
आपदा भंडारण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन			44,493.00
लिमिटेड जमा: वेनेजुएला मिशन ऑर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की स्थापना हेतु व्यापक परियोजना रिपोर्ट और एच.पी. योजना का किताबन तैयार करना			1,008,322.00
प्रतिभूति जमा: श्री लतीफ अग्रवाल (किरपाया)			25,650.00
प्रतिभूति जमा: पी.एफ.सी. द्वारा टाइफैक को देय (बोन्ड)			5,000,000.00
प्रतिभूति जमा: श्रीमती वीणा भंडारी (लीज आवान के लिए)	80,000.00	80,000.00	80,000.00
पी.पी.एफ. ट्रस्ट (टाइफैक)	207,368.00		
टी.डी.एम. इंडियन ऑनल क्लरिफिकेशन लिमिटेड			61,346.00
<b>जोड़ (1)</b>		<b>1,091,738.00</b>	<b>6,908,547.55</b>
		<b>3,233,052.00</b>	<b>9,452,630.55</b>



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार पुनः-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची-11 वा. परिचयसूचियां, अणु अणु इत्यादि**

विवरण	चाहू वर्ष	चाहू वर्ष
<b>3. अंजित आय:</b>		
क) उद्योग/वित्तीय निधि में निवेश पर		-
ख) निवेश पर अन्य		-
ग) शून्य और अविनाश पर		-
घ) अन्य		-
सूचियन बैंक ऑफ इंडिया से उपाजित ध्यान (पी.एफ.सी. नये खाते के अंतर्गत)	10,023.97	7,162.00
सूचियन बैंक ऑफ इंडिया से उपाजित ध्यान (एस.एफ.डब्ल्यू.एस. नये खाते के अंतर्गत)	165,155.00	98,975.00
<b>4. प्राच्य दावे</b>		
जोड़ (ii)	175,078.97	96,137.00
जोड़ (i) + (ii) = (ख)	3,408,130.97	9,508,767.55
जोड़ (का) + (ख)	303,790,869.79	270,570,153.35

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची -12- विक्रीसेवाओं से आय**

विवरण	चार वर्ष	सत वर्ष
1. विक्री से आय क) तैयार माल से विक्री ख) कच्चे माल की विक्री ग) सदी माल की विक्री	- - -	- - -
2. सेवाओं से आय क) श्रम और परामर्शना प्रसार ख) व्यावसायिकपरामर्शी सेवाएं ग) एजेंसी कमीशन और दलाली घ) अनुसंधान सेवाएं (अपसर/सम्पत्ति) ङ) अन्य (स्पष्ट करें)	- - - - -	- - - - -
जोड़	-	-

**अनुसूची -13- अनुसंधान/आर्थिक सहायता (टाइफैक नियमित)**

विवरण	चार वर्ष	सत वर्ष
1. केन्द्रीय सरकार से टाइफैक अनुदान क) सहायता-अनुदान (योजना) ख) सहायता-अनुदान (गैरयोजना) ग) अनुदान सहायता (योजना) पूंजी परिसम्पत्तियां घ) अनुदान सहायता (वेतन) ङ) अनुदान सहायता वेतन अनुसूचित जातियां (घ) अनुदान सहायता : इन्साइपर प्रस्कार योजना 5 वीं राष्ट्रीय स्तर प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता (च) अनुदान सहायता : भारत-कंतराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आई-आई-एस-एफ.) 2015	22,762,000.00 188,000.00 4,950,000.00 76,400,000.00 5,700,000.00 14,050,000.00 90,000,000.00	26,370,000.00 338,000.00 2,667,000.00 32,892,000.00 8,000,000.00
2. राज्य सरकार (रैं) 3. सरकारी एजेंसियों 4. परधानसंगठन 5. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन 6. अन्य (स्पष्ट करें)	- - - - -	- - - - -
जोड़	1,54,050,000.00	70,787,000.00

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

**अनुसूची -13 -शुल्क/अभिवान**

विवरण	वर्ष	पिछले वर्ष
1. प्रवेश शुल्क	-	-
2. वार्षिक शुल्क / अभिवान	-	-
3. सलाहों / कार्यक्रम शुल्क	-	-
4. परामर्शी शुल्क	-	-
5. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
नारी शक्ति हेतु पुरस्कार	200,000.00	-
आर.टी.आई.ए. फंड	440.00	460.00
कार विचारों पर लेने हेतु निधि	500.00	3,000.00
टाइफैक की हाइड्रोकार्बन हेतु निधि	-	2,000.00
शे शेन और विशेष सौपटवेयर हेतु निधि	1,500.00	-
<b>जोड़</b>	<b>202,440.00</b>	<b>5,460.00</b>

**अनुसूची -13-निवेशों से आय (उपदिष्ट/विन्यास निधियों से निवेश से प्राप्त आय निधियों को अन्तर्गत)**

विवरण	उपदिष्ट निधि से निवेश		उपदिष्ट निधि से निवेश	
	वर्ष	पिछले वर्ष	वर्ष	पिछले वर्ष
1. ब्याज				
अ) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ब) अन्य बांड/करण-पत्र				
2. लाभांश				
क) शेअर्स पर				
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर				
3. फिटरवा				
4. अन्य (स्पष्ट करें)				
<b>जोड़</b>				



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची -16-रायवटी प्रकाशन इत्यादि से आय	वार्षिक वर्ष	वार्षिक वर्ष
विवरण		
1) रायवटी से आय	67,01,000	
2) अकाशवाणी से आय	28,130,000	43,378,000
3. अन्य (स्पष्ट करें)		-
जोड़	95,140,000	43,378,000

अनुसूची -17-अर्जित स्वज (नियमित)

विवरण	वार्षिक वर्ष	वार्षिक वर्ष
1. सावधि जमा पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		1,67,41,357.00
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास	8,77,423.00	
ग) सहायकों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		26,05,572.00
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास	1,52,06,832.00	
ग) आर घर बचत खाते		
घ) अन्य (परियोजना ब्याज)		
3. ऋण पर :		
क) बर्खाशी / स्टॉक (एन.टी.ए., स्कूट, कार टैरि एवापन.टी.टी.)		34,272.00
ख) अन्य (सावकार से ब्याज)	36,150.00	
जोड़	3,984.00	-
	60,19,000.00	
4. देवदार और अन्य प्रतिस्पर्धी पर ब्याज (टाइफैक सिंगी रिपोलिंग फंड)	2,51,73,359.00	1,53,61,201.00

नोट : स्वीत पर कर की कटौती के बारे में सूचित किया जाय ।

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलना-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची -18- अन्य आय	विवरण	चाहू वर्ष	गत वर्ष
	1. परिसम्पत्तियों की विक्री / निपटान से लाभ क) लाभों की परिसम्पत्तियाँ ख) अनुदान के बिना अपना लिखित अर्जित परिसम्पत्तियाँ	-	-
	2. निर्यात प्रोत्साहनों की प्राप्ति	-	-
	3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क	-	-
	4. विविध आय	-	-
	अन्य अर्पितियाँ	26,419.00	5,988.00
	पुराने बैंक (आय)	23,184.00	2,380,570.06
	कुटो वेतन एवं पेंशन अंशदान	576,000.00	-
	बसूल योग्य किराया	-	-
	5. चाहू परियोजना पर उपयुक्त आय एवं वाप्ति आकस्मिक : शिक्षण योजना के तहत आराम व्यक्तियों के लिए स्टाफक उपकरणों की निर्देशिका तैयार करना अपरी शर्त: एन.एम.ई.ए. परियोजना के अंतर्गत व्यापक परियोजना रिपोर्ट और आर.ए.ई. योजना बनाना अपरी शर्त: सिपडा योजना के तहत अंशक व्यक्तियों के लिए नवायक उपकरणों की निर्देशिका तैयार करना अपरी शर्त: आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय समीक्षण	26,428.00 468,080.00 178,467.00 1,567,695.69	35,603.00 - 149,533.00
	<b>जोड़</b>	<b>2,666,273.69</b>	<b>2,571,693.06</b>

अनुसूची -19-नैचार मात और चाहू कार्य में स्टॉक में बदलावियाँ / हास

विवरण	चाहू वर्ष	गत वर्ष
क) अन्त शेष (बकोजिंग स्टॉक)		
तैयार मात	-	-
चाहू कार्य	-	-
ख) अन्त शेष (ओपनिंग स्टॉक)		
तैयार मात	-	-
चाहू कार्य	-	-
<b>जोड़</b>	<b>-</b>	<b>-</b>

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलनापत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची -20-परियोजनाओं से धन वापसी (टाइफैक नियमित लेखा)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
घरेलू प्रौद्योगिकी (अनुबंध -2)	10,440,000.00	5,657,093.00
उन्नत डीजिक (कम्प्यूटिटर) कार्यक्रम (अनुबंध -2)	1,649,072.00	8,119,230.00
फ्लॉई पथ उपयोजिता कार्यक्रम (अनुबंध -2)	1,750,000.00	10,000.00
परियोजना (विजन 2020) से धनवापसी (अनुबंध -2)	1,548,000.00	33,405,046.12
<b>जोड़</b>	<b>15,287,072.00</b>	<b>47,186,369.12</b>

**अनुसूची -21-स्थापना एवं अन्य प्रशासनिक व्यय**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
स्थापना व्यय (टाइफैक नियमित) (अनुबंध -3)	59,365,225.00	59,066,194.00
प्रशासनिक व्यय (टाइफैक नियमित) (अनुबंध -4)	25,613,568.47	17,890,433.65
स्थापना एवं प्रशासनिक व्यय (विजन 2020) (अनुबंध -6)	18,902,098.00	15,330,581.00
<b>जोड़</b>	<b>97,880,911.47</b>	<b>92,227,508.68</b>

**अनुसूची -22-अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
संरचना/संगठनों को प्रदत्त अनुदान		
परियोजना व्यय (टाइफैक नियमित) (अनुबंध -5)	91,823,863.23	52,305,179.20
परियोजना व्यय (विजन 2020) (अनुबंध -6 पर)	11,192,650.00	15,415,753.00
परियोजना व्यय (विजन 2015) (अनुबंध -7)	1,515,381.00	2,873,915.00
<b>जोड़</b>	<b>104,531,894.23</b>	<b>70,595,877.20</b>



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नियमित  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलनात्मक के भाग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची -23-अग्रज

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) सावधि ऋण पर (बैंक प्रसारों सहित)	*	*
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रसारों सहित)	*	*
ग) अन्य (स्पष्ट करें)	*	*
<b>जोड़</b>	*	*

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
पेटेंट सुविधा केंद्र

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची -24-अनुदान,आर्थिक सहायता पेटेंट सुविधा केंद्र (अंतर अनुदान और आर्थिक सहायता प्राप्त)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>टाइफैक लेखा के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान</b>		
1. केंद्रीय सरकार (रु)		
2. पेटेंट सुविधा केंद्र-अनुदान	13,528,479.00	-
का) सहायता-अनुदान (बोडिंग)	-	-
ख) सहायता-अनुदान (गैर बोडिंग)	-	-
3. राज्य सरकार (रु)	-	-
4. सरकारी एजेंसियां	-	-
5. संस्थान/संगठन	-	-
6. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
7. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
<b>जोड़</b>	<b>13,528,479.00</b>	<b>-</b>

अनुसूची -25-अर्जित ब्याज (पेटेंट सुविधा केंद्र)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>पी.एफ.डी. नये लेखा के अन्तर्गत उपार्जित ब्याज</b>		
1. सावधि जमा पर	13,1665.97	286,800.00
का) अनुसूचित बैंकों से		-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से		-
ग) संस्थानों से		
घ) अन्य (ब्याज: स्पष्ट, एलटी.ए, एच कार आदि)	11,644.00	10,248.00
<b>जोड़</b>	<b>143,309.97</b>	<b>297,048.00</b>

अनुसूची -26- अन्य आय (पेटेंट सुविधा केंद्र)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>पी.एफ.डी. नये लेखा के अन्तर्गत अन्य आय</b>		
अन्य आय (अनुबंध -8)	5,000.00	17,483.00
<b>जोड़</b>	<b>5,000.00</b>	<b>17,483.00</b>

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)

पेटेंट सुविधा केंद्र

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची -27-स्थापना एवं प्रशासनिक व्यय (पी.एफ.सी.)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
पी.एफ.सी. नये लेखा के अन्तर्गत स्थापना एवं प्रशासनिक खर्च		
स्थापना एवं प्रशासनिक व्यय (अनुबंध - 9)	10,702,151.52	13,671,352.59
जोड़	10,702,151.52	13,671,352.59

अनुसूची -28-परियोजना खर्च (पी.एफ.सी.)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
पी.एफ.सी. नये लेखा के अन्तर्गत अल्पकालीन परियोजना खर्च		
परियोजना खर्च (ट्यूलरमक - 10)	1,024,388.00	386,144.00
जोड़	1,024,388.00	386,144.00



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)

महिला वैज्ञानिकों को अध्येतापूति

अनुसूची -29- अनुदान, आर्थिक सहायता (महिला वैज्ञानिकों हेतु अध्येतापूति) (अदर अनुदान और आर्थिक सहायता प्राप्त)

विवरण	वर्ष 2016	वर्ष 2017
एस.एफ.इक्यू.एस. खाते के अंतर्गत प्राप्त अनुदान		
1. केन्द्रीय सरकार (सी)		
2. महिला वैज्ञानिकों हेतु अध्येतापूति अनुदान		
क) राहायता अनुदान (योजना)	20,000,000.00	-
ख) राहायता अनुदान (रैर योजना)	-	-
3. राज्य सरकार (सी)	-	-
4. सरकारी एजेंसियां	-	-
5. संस्थान/संगठन	-	-
6. अंतरराष्ट्रीय संगठन	-	-
7. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
योग	20,000,000.00	-

अनुसूची -30- अन्य आय (एस.इक्यू.एस.)

विवरण	वर्ष 2016	वर्ष 2017
एस.एफ.इक्यू.एस. नये लेखा के अंतर्गत अन्य आय	638,879.00	450,086.00
बचत खाते पर ब्याज	3,000.00	-
परीक्षा हेतु निर्दिष्ट शुल्क	641,879.00	450,086.00
योग	641,879.00	450,086.00

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
महिला वैज्ञानिकों को अध्येतावृत्ति  
31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग में अनुसूचियां

अनुसूची -31- खर्च (एस.डब्ल्यू.एस.)

विवरण	घाटू वर्ष	गत वर्ष
<b>एस.डब्ल्यू.एस. नये लेखा के अन्तर्गत परियोजना खर्च</b>		
महिला वैज्ञानिकों को अध्येतावृत्ति	14,489.00	52,839.00
कम्प्यूटर्स	7,130.00	-
विज्ञान शिक्षित परीक्षा	27,33,273.00	-
अभियुक्तोंका कार्यक्रम	78,650.00	-
आकस्मिक खर्च	10,008.00	1,97,225.00
उभरी खर्च (ओवर हैड्स)	12,512.00	3,96,043.00
सेवा सहायक का वेतन	1,75,060.00	2,16,697.00
गाटा एन्टी आपरेटर का वेतन	1,74,000.00	1,67,807.00
प्रशिक्षण सहायक का वेतन	1,74,000.00	1,68,106.00
प्रशिक्षण सामान्यक का वेतन	3,30,000.00	3,22,500.00
वेब आधारित आई.सी.टी. मोड्यूल	8,148.00	-
तदर्थ बोनस	4,736.00	13,816.00
<b>जोड़</b>	<b>37,22,006.00</b>	<b>15,95,033.00</b>

**प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)  
31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां**

अनुसूची -32

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. वित्तीय विवरणों को चालू संस्था आधार पर ऐतिहासिक लागत परंपरा के अंतर्गत तैयार किया गया है। सोसाइटी, सरकारी अनुदानों की प्राप्ति, रॉयल्टी एवं प्रकाशनों की बिक्री को छोड़कर लेखांकन की मर्कैन्टाइल प्रणाली का अनुसरण करती है।
2. अचल परिसम्पतियों को मूल्यहास घटाकर लागत मूल्य पर दिखाया गया है। कीमत में खरीद मूल्य और कार्य के लिए परिसंपत्ति को उसकी कार्यकारी स्थिति में प्रयोग हेतु लाने की लागत भी शामिल है।
3. नियत परिसम्पत्ति के मूल्यहास की दरों पर रिटन डाउन वैल्यू (डब्लू.डी.वी.) विधि की गणना की गयी है और इसे आयकर अधिनियम के प्रावधानों में निर्धारित विधि से तैयार किया गया है।
4. पूर्व अवधि खर्च, असाधारण मर्दे एवं लेखा नीतियों में परिवर्तन जो वित्तीय विवरणों पर सामग्री प्रभाव रखते हैं, उनका प्रकटन किये जाने की आवश्यकता है।
5. विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत जारी की गयी राशि की गणना, वर्ष के खर्च के रूप में की गयी है, इस तथ्य के बावजूद भी कि जारी की गयी इस राशि का परियोजना के लिए इस वर्ष में पूरी तरह उपयोग नहीं किया गया।
6. वर्ष के दौरान विशिष्ट उद्देश्यों के लिए प्राप्त अनुदान में से बची हुई राशि को कॉर्पस/ पूंजीगत खाते में स्थानान्तरित किया गया है।
7. लाभभोगियों के साथ करार में निर्दिष्ट शर्त के अनुसार उनके द्वारा टाइफैक को दी गयी सहायता/अनुदान की प्रतिपूर्ति का लेखा, प्राप्ति के आधार पर रखा गया है।
8. परियोजना के लिए किये गए सभी विवरणों को (उनके उपयोग से अलग) वित्तीय वर्ष के दौरान व्यय के रूप में माना गया है तथा उक्त वितरण में से, यदि कोई परिसम्पत्ति सृजित की गई है, तो उसे पुस्तकों में परिसम्पतियों के रूप में नहीं दिखाया गया है।
9. चालू परियोजनाओं/अध्ययनों इत्यादि के संबंध में आकस्मिक देयताओं को न तो दिखाया गया है और न ही निर्धारित किया गया है।



10. वित्तीय विवरणों में कुल व्यय योजना और गैर योजना के रूप में नहीं दिखाया गया है।

हमारी इस तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

एस.के. जुनेजा एवं एसोसिएट्स  
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स  
फर्म पंजीकरण सं. 012484 एन

हस्ता  
सी.ए. सुरेन्द्र कुमार  
(भागीदार)

एम.आर.एन. सं. 091449

हस्ता  
लेखाधिकारी  
टाइफैक

हस्ता  
रजिस्ट्रार  
टाइफैक

हस्ता  
कार्यपालक निदेशक  
टाइफैक

दिनांक: 23.09.2016

स्थान: नई दिल्ली

**प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)**  
**31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां**

**अनुसूची -33 आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां**  
**अ. आकस्मिक देयताएं**

1. आयकर विभाग ने कम भुगतान, कम टी.डी.एस. कटौती और उस पर लगे ब्याज के लिए वित्तीय वर्ष 2012-13 हेतु 340/-रुपये और वित्तीय वर्ष 2012-13 से पहले के वित्तीय वर्षों हेतु 12,04,776/-रुपये की मांग की है, जिसको सोसाइटी द्वारा चुनौती से जा रही है।

**ब. लेखा पर टिप्पणियां**

- यद्यपि सोसाइटी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अनुदेशों और मार्गदर्शन के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाएं चलाती है, पर इन परियोजनाओं हेतु अलग से लेखा नहीं रखा गया है।
- अन्य चालू देयताएं जिनमें बन्द हो चुकी विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत उपयोग में नहीं आई राशि को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को लौटाना शामिल है, उनका विवरण नीचे दिया जा रहा है:

क्र.सं.	विवरण - चालू देयताएं (अनुसूची -7)	राशि (रुपयों में)
1.	परियोजना (इकोसर)	1,32,02,152.00
2.	भारत म्यांमार-विज्ञान और प्रौद्योगिकी मैत्री पुस्तकालय यूंगून में	9,59,659.00
3.	एम.एस.ई.बी.-एश उपयोगिता/प्रबंधन	6,00,094.00
4.	एच.डब्ल्यू.पी. पौड एश का एफ.ए.एम. बृहद स्तर पर एस.सी.सी. एल., मनुगुरु की भूमिगत खानों में भराव	82,94,830.00
5.	प्राकृतिक प्रकोप-भूकंप	1,65,157.00
6.	कृषि विकास तापीय ऊर्जा संयंत्र, सरणी में फलाई एश का एम.पी.एस.ई.बी. प्रयोग	3,56,825.00
7.	टाइफैक - विश्व बैंक परियोजना	13,39,747.93
8.	डी.आर.डी.ओ.-पी.एफ.सी.	3,95,745.00
	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों/प्रौद्योगिकीविदों के लिए आई.पी.आर. और डब्ल्यू.टी.ओ. मुद्दों पर प्रशिक्षण	2,02,549.00
9.	जी.एम.डब्ल्यू. कार्यशाला	1,00,170.00
	<b>कुल</b>	<b>256,16,928.93</b>

2. नकदी और अन्य प्रकार से वसूली योग्य पेशगियों और अन्य राशियों में श्री चित्रा ट्रिब्यूनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडीकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का एक और स्वायत्तशासी संस्थान) पर 2,70,000/-रुपये की राशि वसूली योग्य है जोकि मार्च, 2011 से बकाया है।

3. नकदी और अन्य प्रकार से वसूली योग्य पेशगियों और अन्य राशियों में इंडिया आई.एस.सी. एक्सपो 2011 के प्रयोजन से प्रतिभूति के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को दी गयी 74,520/-रुपये की राशि शामिल है जो कि मार्च, 2011 से बकाया है।

4. परिषद द्वारा प्रकशित और मुद्रित प्रकाशनों और अध्ययनों का भंडार जिसे मूल्य पर वितरित किया गया है, उसकी गणना वर्ष के अन्त में 'हाथ में स्टॉक' के रूप में नहीं की गयी है ।
5. कर्मचारियों की मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर देय उपदान (गेच्युटी) की देयता के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है ।
6. इस वर्ष के दौरान प्रोफे. गणपति को देय वेतन में 1800/-रुपये की राशि जो कि वर्ष 1996 से बकाया है, इसे चालू देयताओं में दर्शाया गया था, अब इसे बट्टे खाते डाल दिया गया है जबकि एस.ए.आई.एल. एन.एम.पी.पी. से 19,736.55 रुपये की राशि वसूली योग्य थी जिसके लिए वेतन रोका गया था, उसकी अब तक वसूली नहीं की गयी है ।
7. वर्ष 1996 से पहले एस.ए.आई.एल. एन.एम.पी.पी. पर 19,736.55 रुपये की राशि बकाया थी, जो गैर वसूली योग्य थी, उसे इस वर्ष बट्टे खाते डाल दिया गया ।
8. टेलीफोन सेवाएं प्राप्त करने के लिए 2003 में मेसर्स टाटा टेलीकॉम लि. के पास 16,000/-रुपये की प्रतिभूति राशि जमा की गयी थी । गैर वसूली योग्य होने के कारण उसे इस वर्ष बट्टे खाते डाला गया ।
9. वर्ष 2003 में, तत्कालीन रजिस्ट्रार, एन.एम.बी.ए. के लीज आवास के लिए 9500/-रुपये की राशि का प्रतिभूति जमा के रूप में श्रीमती रोमी सुखीजा को भुगतान किया गया था, गैर वसूली योग्य होने के कारण, इस वर्ष इस राशि को बट्टे खाते डाल दिया गया ।
10. चालू देयताओं के अंतर्गत, 1,19,110/-रुपये के पुराने जारी किये चेक जिन्हें भुगतान हेतु जमा नहीं किया गया और जो तीन माह से अधिक की अवधि हो जाने के कारण बेकार हो गये हैं, उनका विवरण निम्नलिखित है:

वाक्य सं.	चैक सं	दिनांक	पार्टी का नाम	राशि
3331	32105263	27.02.2015	श्री मनोरंजन सिन्हा	1500.00
3331	32105268	27.02.2015	श्री जे.के. आचार्य	1500.00
3547	32106366	17.03.2015	श्री अनिल चौधरी	2500.00
76	32105404	10.04.2015	सुश्री सारा अहमद	400.00
126	32105420	17.04.2015	श्री बी.पी. गौतम	2500.00
158	32105439	21.05.2015	श्री ओ.पी. नाहर	63000.00
435	32105553	21.04.2015	श्री आर.आर. हिरवानी	2710.00
1146	32105738	14.08.2015	श्री फेलिक्स मोहन	2500.00
1431	32105793	15.09.2015	श्री आर.के. शेवगांवकर	2500.00
2288	32106055	08.12.2015	डॉ. प्रतिभा जौली	6000.00
2288	32106063	08.12.2015	डॉ. सरस्वती कनोडिया	6000.00
2288	32106068	08.12.2015	डॉ. अमिता कपूर	6000.00
2288	32106148	08.12.2015	डॉ. सुनीता जेटली	6000.00
2288	32106196	08.12.2015	डॉ. मंजू सिंह	6000.00
2293	32106316	08.12.2015	श्री पृथ्वी राज	10000.00
		<b>जोड़</b>		<b>119110.00</b>



11. वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान, 10.00 करोड़ रुपये की एक राशि सिडबी को टाइफैक - सिडबी रिवॉल्विंग फंड - प्रौद्योगिकी इनोवेशन फंड की व्यवस्था के लिए प्रदान की गयी थी। उसे तब परियोजना खर्चों में डाला गया था और सोसाइटियों की तत्कालीन लेखांकन नीति के अनुसार बट्टे खाते डाला गया था, उसे अब रिटर्न बैंक किया गया है ताकि इसे सोसाइटी की परिसंपत्ति में दर्शाया जा सके जो कि सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप है, इससे लेखांकन नीति में परिवर्तन के कारण सोसाइटी की आय 10.00 करोड़ रुपये बढ़ गयी है।

12. वित्तीय वर्ष 2010-11 से 2014-15 तक से, सिडबी रिवॉल्विंग फंड से 29.92 लाख रुपये की ब्याज आय को आय के रूप में बुक नहीं किया गया, जो कि तत्कालीन लेखांकन नीति के अनुसार था। अब सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बुक किया गया है। लेखांकन नीति में परिवर्तन के कारण सोसाइटी की आय 29.92 लाख बढ़ गयी है।

13. नेक्टर और टी.डी.बी., टाइफैक के पास उपलब्ध 50,000 वर्ग फीट कुल क्षेत्र में से, लगभग क्रमशः 10,000 वर्ग फीट और 3000 वर्ग फीट कुल उपयोग योग्य क्षेत्र का प्रयोग कर रहे हैं लेकिन नेक्टर और टी.डी.बी. से रख-रखाव के हिस्से का भुगतान नहीं लिया जा रहा है क्योंकि डी.एस.टी. ने अभी तक इस पर निर्णय नहीं लिया है।

14. चालू परिसंपत्तियां, ऋण एवं पेशगियां : प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियां, ऋण एवं पेशगियां, कारोबार के सामान्य मामले में वसूली पर मूल्य रखती है, कम से कम उस राशि के बराबर, जिसका बैलेंस शीट में उल्लेख किया गया है।

#### 15. कराधान

यह देखते हुए आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कोई कर योग्य आय नहीं है, आयकर हेतु प्रावधान जरूरी नहीं समझा गया।

#### 16.1. विदेशी मुद्रा में कारोबार

	चालू वर्ष	गत वर्ष
16.1 सी.आई.एफ. के आधार पर परिकल्पित आयात का मूल्य		
- तैयार माल की खरीद	लागू नहीं	लागू नहीं
- कच्चा माल और उपस्कर (मार्गस्थ सहित)	लागू नहीं	लागू नहीं
- पूंजीगत माल	लागू नहीं	लागू नहीं
- भण्डार, अतिरिक्त पुर्जे और उपभोज्य (कनज्युमेबल)	लागू नहीं	लागू नहीं

#### 16.2 विदेशी मुद्रा में कारोबार

क) यात्रा	रु. 19,57,807/-	Rs. 11,18,933/-
ख) वित्तीय संस्थानों/बैंको को विदेशी मुद्रा में अदा की गई धनराशि और ब्याज का भुगतान	लागू नहीं	लागू नहीं

ग) अन्य

- बिक्री पर कमीशन	लागू नहीं	लागू नहीं
- कानूनी और व्यावसायिक व्यय	लागू नहीं	लागू नहीं
- विविध व्यय	लागू नहीं	लागू नहीं

16.3 आय

एफ.ओ.बी. के आधार पर निर्यात का मूल्य	लागू नहीं	लागू नहीं
--------------------------------------	-----------	-----------

16.4 लेखा - परीक्षकों को पारिश्रमिक (सभी लागू कर मिलाकर)

- लेखा परीक्षा शुल्क (सेवा शुल्क सहित)	रु. 90,000.00	Rs. 78,791.00
- कराधान मामलों के लिए	लागू नहीं	लागू नहीं
- परामर्शी प्रभार के लिए	लागू नहीं	लागू नहीं
- प्रमाणन के लिए	लागू नहीं	लागू नहीं
- अन्य	लागू नहीं	लागू नहीं

17. इस वर्ष हेतु खर्च में पूर्वावधि मदों में 1.42 लाख रुपये आकस्मिक खर्च, 0.36 लाख इंटरनेट खर्च 0.81/- लाख रुपये परामर्शी खर्च, 0.03 लाख रुपये आई.आई.ए.एस.ए. खर्च, 0.36 लाख रुपये एम.एस.एम.ई. खर्च और 0.36 लाख रुपये परियोजना सहायता खर्च शामिल हैं।

18. टाइफैक ने वर्ष 1992 से 2005 तक, अनेक पार्टियों को विभिन्न परियोजनाओं के लिए ऋण प्रदान किये थे, उन्हें टाइफैक में तब लागू लेखांकन नीतियों के अनुसार, जिन वर्षों में वे ऋण दिये गये थे, उन्हीं वित्तीय वर्षों में उन्हें बट्टे खाते डाला गया। इन ऋणों की पहचान 'ऋण' के रूप में नहीं की गयी थी और बैलेंस शीट में परिसंपत्तियों की तरफ प्रदर्शित नहीं किया गया। इनका विवरण निम्नलिखित है:

परियोजना का नाम	छ माह तक पुरानी (ओवर ड्यूज)	छ माह से 3 वर्षों तक पुरानी (ओवर ड्यूज)	तीन वर्षों से अधिक पुरानी	31.03.2016 के बाद बकाया	जोड़
देश में विकसित प्रौद्योगिकी	0.00	0.00	174539920-00	50000-00	174539920-00
उन्नत यौगिक कार्यक्रम परियोजना	0.00	18414940.00	127259777-00	0.00	14564717.00
चीनी प्रौद्योगिकी इकाई	0.00	0.00	45938588.00	0.00	45938588.00
फ्लाइंग एश. उपयोग	0.00	0.00	11834000.00	0.00	11834000.00
कृषि एवं एग्रो फूड प्रोसेसिंग	0.00	0.00	10625000-00	0.00	10625000.00
अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लक्षित कार्यक्रम	15677000.00	52308000.00	247,80,000.00	924000.00	93689000-00
<b>जोड़</b>	<b>15677000.00</b>	<b>70722940.00</b>	<b>394927285.00</b>	<b>974000.00</b>	<b>482301225.55</b>

19. पिछले वर्ष के लिए तदानुरूपी आकड़ों का आवश्यकतानुसार पुनः समूहन/पुनः व्यवस्थित किया गया है ।  
20. 31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र और उस वर्ष के अन्त के लिए आय और व्यय लेखा के साथ संलग्न अनुसूचितयां 1-33 इनका अविभाज्य अंग है ।

एस.के. जुनेजा एवं एसोसिएट्स  
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स  
फर्म पंजीकरण सं. 012484 एन

हस्ता  
सी.ए. सुरेन्द्र कुमार  
(भागीदार)  
एम.आर.एन. सं. 091449

हस्ता  
लेखाधिकारी  
टाइफैक

हस्ता  
रजिस्ट्रार  
टाइफैक

हस्ता  
कार्यपालक निदेशक  
टाइफैक

दिनांक: 23.09.2016  
स्थान: नई दिल्ली



कर्मचारियों का अग्रिम

विवरण	घातू वर्ष	गत वर्ष
<b>टाइफैक खाते से कर्मचारियों का अग्रिम</b>		
<b>क) कर्मचारियों का अग्रिम</b>		
श्री सुशील कुमार झा	-	4,000.00
सुश्री मर्सी कुट्टी	-	1,000.00
सुश्री गीता नायर	-	5,000.00
सुश्री पूनम मेहता	-	5,500.00
सुश्री उमा दराल	-	5,000.00
श्री विश्राम भक्त	-	3,500.00
श्री संजय सुन्दरियाल	500.00	6,500.00
श्री दीप प्रकाश	-	4,000.00
श्री पंकज सुन्दरियाल	-	5,000.00
सुश्री आशा कुमारी	-	6,000.00
श्री कुंवर सिंह	-	1,000.00
श्री दिलीप कुमार	-	2,000.00
डॉ. एस.के. गोयल	-	6,000.00
सुश्री ज्योति सकलानी	-	5,500.00
<b>ख) एच.बी.ए. अग्रिम</b>		
सुश्री संगीता बखशी	4,43,400.00	4,93,800.00
डॉ. देवव्रत मजुमदार	4,10,000.00	4,70,000.00
श्री पी.आर. बसाक	69,000.00	1,41,000.00
<b>ग) कार अग्रिम</b>		
डॉ. गौतम गोस्वामी	-	12,000.00
श्री टी. चन्द्रशेखर	1,04,400.00	1,15,200.00
सुश्री अचला खन्ना	1,08,000.00	1,44,000.00
सुश्री संगीता बखशी	16,000.00	40,000.00
<b>जोड़ (i)</b>	<b>11,51,300.00</b>	<b>14,76,000.00</b>

कर्मचारियों का अग्रिम

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>टाइफैक खाते से कर्मचारियों को अग्रिम</b>		
<b>घ) यात्रा छुट्टी रियायत</b>		
श्री टी. चन्द्रशेखर	-	2,57,000.00
श्री एम. थेमराई सेल्वन	-	99,600.00
डॉ. नीरज सक्सेना	-	95,738.00
श्री विश्राम भक्त	5,400.00	-
श्री विपिन शुक्ला	66,037.00	-
<b>ङ.) दौरा अग्रिम</b>		
सुश्री जैसी ए.	15,000.00	-
श्री साजिद मुवाशिर	81,042.00	81,042.00
डॉ. गौतम गोस्वामी	15,822.00	822.00
<b>च) स्कूटर अग्रिम</b>		
श्री विश्राम भक्त	-	4,000.00
सुश्री गीता नायर	1,000.00	13,000.00
श्री सुशील कुमार झा	9,200.00	14,000.00
श्री संजय सुन्दरियाल	4,500.00	10,500.00
डॉ. एस.के. गोयल	30,000.00	-
श्री राजन शर्मा	21,250.00	-
<b>छ) कम्प्यूटर अग्रिम</b>		
सुश्री उमा दराल	-	22,000.00
श्री महिपाल सिंह रावत	10,000.00	16,000.00
श्री संजय सुन्दरियाल	7,000.00	19,000.00
श्री सुरेश सोमांची	-	3,000.00
श्री अनीश एस.	-	9,000.00
श्री अनिल कुमार राय	-	11,000.00
श्री सुशील कुमार झा	15,500.00	21,500.00
श्री रवि दत्त	6,000.00	18,000.00
श्री सुरेन्द्र कुमार	9,000.00	21,000.00
सुश्री प्रीमिला खिलनानी	9,000.00	21,000.00
डॉ. एस.के. गोयल	-	19,950.00
श्री राजन शर्मा	18,750.00	-
श्री टी. आदर्श मय्या	30,000.00	-
श्री दीप प्रकाश	17,500.00	35,500.00
<b>जोड़ (ii)</b>	<b>3,72,001.00</b>	<b>7,92,652.00</b>
<b>जोड़ (i) + (ii)</b>	<b>15,23,301.00</b>	<b>22,68,652.00</b>

अनुलग्नक - 1

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>पी.एफ.सी. नये खाते में स्टाफ अग्रिम</b>		
<b>ख) कार अग्रिम</b>		
श्री यशवत देव पंवार	1,63,800.00	-
<b>ग) स्कूटर अग्रिम</b>		
श्री रजवीर सिंह	-	6,000.00
<b>घ) कम्प्यूटर अग्रिम</b>		
श्री यशवत देव पंवार	28,750.00	35,625.00
<b>जोड़</b>	<b>1,92,550.00</b>	<b>41,625.00</b>

अनुलग्नक - 2

परियोजनाओं से धन वापसी (टाइफॉक नियमित लेखा)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>(क) देश में विकसित प्रौद्योगिकी :</b>		
उत्पादन हेतु रोबोट विकास	1,00,00,000.00	30,00,000.00
शैलकवांश वाटर एफ्लुएट से ईको फ्रेंडली लाख डई	-	15,42,093.00
बायो रिचवटर्स का पायलेट स्तर पर निर्माण	-	5,00,000.00
नूतन हिमवीर बखारी का निर्माण	4,40,000.00	-
फ्लैक्सोबिल मशीन केंद्र	-	3,60,000.00
असंतप्त पॉलीस्टर रेजिन का निर्माण	-	2,50,000.00
<b>उपजोड़ (क)</b>	<b>1,04,40,000.00</b>	<b>56,52,093.00</b>
<b>(ख) उन्नत यौगिक (एडवांस्ड कम्पोजिट) कार्यक्रम</b>		
ऊर्जा दक्ष एजियल फ्लो एफ.आर.पी. पंखों का विकास	-	16,80,694.00
विकलांगों के लिए कृत्रिम अंगों का विकास	-	28,37,320.00
यौगिक स्क्राइ बस कोयोज का विकास	3,00,000.00	-
तेल और गैस क्षेत्र के लिए फिलामेंट वाउन्ड पाइपों और पाइप फिटिंग्स का विकास	-	10,24,000.00
रेलवे इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन हेतु एफ.आर.पी. ब्रेकेट एसेम्बली	6,59,072.00	19,77,216.00
एसेसीरीज के साथ फिलामेंट वाउन्ड वेन्चुरी स्क्रबर्स का विकास	6,90,000.00	6,00,000.00
<b>उपजोड़ (ख)</b>	<b>16,49,072.00</b>	<b>81,19,230.00</b>
<b>(ड.) फ्लाइ एश उपयोगिता कार्यक्रम</b>		
फ्लाइ एश ब्रिक्स निर्माण संयंत्र की स्थापना	13,50,000.00	-
बड़ी मात्रा में फ्लाइ एश ईटों का उत्पादन	-	10,000.00
<b>उपजोड़ (ड.)</b>	<b>13,50,000.00</b>	<b>10,000.00</b>
<b>(घ) परियोजना प्रौद्योगिकी विजन 2020 से धन वापसी</b>		
थेलो फिन टुना के लाइन और स्टीक का प्रसंस्करण और निर्यात	-	3,33,096.12
कार : इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फोर्मिंग	-	2,21,70,435.00
कार : किफायती लचीले ऑटोमेशन (एन.सी.एफ.ए.)	-	48,29,699.00
मीजो साइक्लोपेटस 14 डायाएसीटेट से 4- राइड्रोजाइक्लोपेट ई.एन.ई.-1 (एस.) एसीटेट का बायो ट्रांसफोर्मेशन	18,48,000.00	18,48,000.00
क्रिकेट बॉल के प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु कार्यकारी परीक्षण	-	23,816.00
स्टीरियो पेसीफिक एक्टिव फार्मास्यूटीकल प्राप्त के लिए रीनिक अणुओं का एन्जाइमेटिक रुपान्तरण	-	42,00,000.00
<b>उपजोड़ (घ)</b>	<b>18,48,000.00</b>	<b>3,34,05,046.12</b>
<b>योग (क) + (ख) + (ग) + (घ)</b>	<b>1,52,87,072.00</b>	<b>4,71,86,369.12</b>



स्थापना व्यय (टाइफैक नियमित)

विवरण	चाल वर्ष	गत वर्ष
क) वेतन	4,30,24,568.00	4,46,21,542.00
वेतन - समेकित	20,23,729.00	60,01,845.00
तदर्थ बोनस	1,16,555.00	1,20,890.00
इंटरशिप योजना	9,29,605.00	-
परियोजना एसोसिएट्स	3,13,547.00	-
ख) नई पेंशन योजना में टाइफैक अंशदान	3,19,776.00	2,93,798.00
ग) भविष्य निधि में टाइफैक अंशदान	16,32,833.00	16,98,872.00
घ) अन्य (स्पष्ट करें)		
परामर्श शुल्क	10,08,445.00	-
आकस्मिक खर्च	16,14,374.00	-
हॉस्पिटलाइजेशन खर्च	-	10,16,280.00
मानदेय	13,000.00	37,500.00
चिकित्सा खर्च	83,407.00	15,81,672.00
छुट्टी यात्रा रियायत	10,47,544.00	9,49,515.00
उपदान	-	10,00,000.00
छुट्टी नकदीकरण	2,98,052.00	6,84,970.00
छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान	-	97,462.00
टयूशन शुल्क	9,39,790.00	9,61,848.00
योग	5,33,65,225.00	5,90,66,194.00

प्रशासनिक व्यय (टाइफैक नियमित)

विवरण	चाल वर्ष	गत वर्ष
मरम्मत एवं अनुरक्षण	9,64,929.00	11,77,335.00
किराया, दरे एवं कर	3,04,800.00	3,98,800.00
कार किराया प्रभार	20,92,840.00	23,92,740.00
डाक, टेलीफोन और संचार शुल्क	17,04,437.00	17,04,838.00
मुद्रण, स्टेशनरी और प्रकाशनों का मुद्रण	14,71,401.00	19,60,981.00
यात्रा एवं वाहन खर्च	2,59,325.00	3,27,860.00
चंदा खर्च	1,01,331.00	1,42,282.87
बट्टे खाते डाली गयी राशि	43,436.55	-
व्यवसायिक प्रभार	1,37,162.00	-
<b>लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक</b>		
(a) लेखा परीक्षा	90,000.00	78,791.00
भारत - जापान एस.टी.एस. फोरम सदस्यता	11,11,247.43	-
टाइफैक द्वारा मानव शक्ति अध्ययन	1,00,000.00	1,25,000.00
विज्ञापन एवं प्रचार	36,067.00	7,19,602.00
<b>अन्य (स्पष्ट करें)</b>		
बैंक प्रभार	13,493.49	2,987.81
विविध कार्यालय खर्च	21,65,770.00	27,24,987.00
सदस्यता शुल्क	81,204.00	79,453.00
विश्वकर्मा भवन का रख - रखाव	1,17,21,175.00	32,05,845.00
सरकारी खजाने हेतु स्टॉप ड्यूटी	-	2,61,000.00
कानूनी प्रभार	19,72,215.00	14,22,453.00
वाइट्रो सदस्यता	30,293.00	28,000.00
प्रधानमंत्री सहायता कोष (तिंभावली शुगर)	35,000.00	-
राजभाषा समिति बैठक	1,57,872.00	1,46,768.00
अदालती शुल्क	38,400.00	35,000.00
टाइफैक भवन की हाऊसकीपिंग	9,81,190.00	8,95,710.00
<b>जोड़</b>	<b>2,56,13,588.47</b>	<b>1,78,30,433.68</b>

परियोजना व्यय (टाइफैक नियमित लेखा)

विवरण	चाल वर्ष	गत वर्ष
<b>(क) अनुवर्ती कार्रवाई/विशेष पहल</b>		
ऑटो मोबाइल उद्योग में जान के सृजन और प्रसार के लिए आर एवं डी. में एफ.डी.आई. के निर्धारण और प्रभाव	-	1,32,000.00
सरकारी पूर्वानुमान संगठन नेटवर्क (जी.एफ.एन.)	7,25,897.00	
आर. एवं डी. में एफ.डी.आई. के वैश्विक परीक्षा हेतु वैश्विक या स्थानीय केन्द्र	-	48,872.00
भारतीय उत्पादन और आर. एवं एस. सिस्टम पर आर. एवं डी. में एफ.डी.आई. का प्रभाव	-	2,61,410.00
भारतीय एल्युमीनियम क्षेत्र हेतु प्रौद्योगिकी रोड मैप प्रौद्योगिकी शुरु करना	-	1,00,000.00
उद्योग - शिक्षा जगत सम्पर्क कार्यक्रम	-	1,24,000.00
घन रूप भारतीय जिलों में जी.डी.पी. वृद्धि और प्रौद्योगिकी कारणों के बीच सम्बंध: अध्ययन	14,00,000.00	3,50,000.00
सूचना एवं संचार सुरक्षा एवं वित्तीय क्षेत्र सुरक्षा	53,66,500.00	-
सोलर पी.वी. पर एक प्रौद्योगिकी अध्ययन	8,53,307.00	15,14,627.00
<b>उपजोड़ (क)</b>	<b>83,45,704.00</b>	<b>25,30,909.00</b>
<b>(ख) आई.आई.ए.एस.ए. टाइफैक - परियोजना/अध्ययन/सदस्यता शुल्क</b>		
आई.आई.ए.एस.ए. टाइफैक संयुक्त कार्यशाला (टाइफैक)	14,60,311.23	10,57,901.00
भारत - आई.आई.ए.एस.ए. सदस्यता शुल्क	2,45,00,000.00	2,90,06,538.43
नमीदार ऊष्ण कटिबंधों (ट्रॉपिक्स) में खेतों एवं क्षेत्रीय तौल में भूमि के पोषक बजटों के मूल्यांकन पर टाइफैक आई.आई.ए.एस.ए. अध्ययन	-	25,00,000.00
आई.आई.ए.एस.ए. - टाइफैक : कृषि जैव विविधता और पर्यावरण तंत्र प्रावधानों का संरक्षण: भारतीय कृषि स्थितियों में अध्ययन	-	19,57,342.00
डेमोग्राफिक कम्प्यूटेशन श्रृंखला - आई.आई. नामक मल्टीस्टेट पोपुलेशन मोडल आई.आई.एस.ए. - टाइफैक कार्यशाला	-	20,00,000.00
एकीकृत जल विज्ञान पर्यावरण परिवर्तन एवं एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन पर टाइफैक - आई.आई.ए.एस.ए. अध्ययन	1,70,771.00	2,83,525.00
ईको सिस्टम सेवाओं हेतु गणना: निदधान्त और व्यवहार पर टाइफैक - आई.आई.ए.एस.ए. जे.यू. अध्ययन	-	16,81,547.00
नीरी, मुम्बई के साथ भारतीय शहरों के लिए गेन्स शहर मॉडल का विकास एवं अनुप्रयोग हेतु टाइफैक आई.आई.ए.एस.ए. अध्ययन	-	3,62,173.00
जीवकोपार्जन के विशेष संदर्भ में सतत नीति विकल्पों हेतु वनीय काबन का विश्लेषण: टाइफैक - आई.आई.ए.एस.ए. अध्ययन	5,10,921.00	-
आई.आई.ए.एस.ए. लैंडनबर्ग में 2011 हेतु भारतीय वाई.एस.ए.एस.पी. भागीदारी हेतु आई.आई.ए.एस.ए. - टाइफैक सहायता	2,05,550.00	-
उपजोड़ (ख)	-	6,61,643.77
<b>(ग) घरेलू प्रौद्योगिकी</b>	<b>2,68,47,553.23</b>	<b>3,95,10,673.20</b>
<b>परियोजना सम्बंधित खर्च</b>		
उपजोड़ (ग)	-	69,448.00
<b>(घ) टैप परियोजनाएं</b>		
टैप खर्च		
उपजोड़ (घ)	-	-
	-	-



परियोजना व्यय (टाइफैक नियमित लेखा)

विवरण	चाल वर्ष	गत वर्ष
(ड.) प्रौद्योगिकी परिष्करण विपणन कार्यक्रम (टीमैप)		
टीमैप खर्च	19,832.00	1,363.00
टीमैप : टी.सी.एफ.ए. वी.आई.टी. - टी.बी.आई. वेल्डूर में	-	4,50,000.00
टीमैप : टी.सी.एफ.ए. एम.एस.आर.एस.ए.एस. बंगलौर में	-	3,22,750.00
टीमैप : एयर वे प्रबंधन हेतु सुप्रान्वोटिक एयर से डिवाइस	50,000.00	-
टीमैप : बहु फसली बीज एवं उर्वरक ड्रिल	-	80,000.00
टीमैप : आई.टी. - बी.एच.यू. वाराणसी में	-	3,68,750.00
टीमैप : ई.डी.सी. एन.सी.एल. इनोवेशन पार्क, पुणे पर टी.सी.एफ.ए.	-	4,44,820.00
टीमैप : काजू हेतु छीलन ऑटोमेटिक यंत्र (मशीन)	-	55,000.00
टीमैप : सुरक्षा: एस.एम.एस. चेतावनी सहित एल.पी.जी. एवं गैस पहचान यंत्र	-	66,928.00
टीमैप : संशोधित वोनोविंग फैन	-	10,000.00
टीमैप : डोर बोल्ट सिस्टम	-	18,543.00
टीमैप : फिमर के फ्रैक्चर नेक सेगमेंटल इंटरलॉकिंग बोल्ट, एक नया इम्प्लांट सिस्टम	-	22,500.00
<b>उपजोड़ (ड.)</b>	<b>69,832.00</b>	<b>18,40,654.00</b>

परियोजना व्यय (टाइफैक नियमित लेखा)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
(च) रिवाल्विंग फंड (सिडबी) सिडबी को जारी होने वाली चिह्नित निधि		-
उपजोड़ (च)	-	-
(छ) ऑटोमोटिव अनुसंधान हेतु प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान ऑटोमोटिव अनुसंधान हेतु प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान (टी.एफ.ए.आर)	1,55,105.00	1,73,198.00
उपजोड़ (छ)	1,55,105.00	1,73,198.00
(ज) सुरक्षा प्रौद्योगिकी में प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान अध्ययन सुरक्षा प्रौद्योगिकियों पर प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान अध्ययन वैयक्तिक एवं सामाजिक सुरक्षा एवं अवसरचना तथा शारीरिक सुरक्षा पर प्रौद्योगिकी अध्ययन सुरक्षा प्रौद्योगिकी: प्राकृतिक स्रोत / पर्यावरण सुरक्षा	17,031.00 28,00,000.00 12,00,000.00	- - 12,00,000.00
उपजोड़ (ज)	40,17,031.00	12,00,000.00
(झ) भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव	3,36,37,742.00	-
उपजोड़ (झ)	3,36,37,742.00	
(ण) इन्सपायर इन्सपायर	1,03,81,716.00	-
उपजोड़ (ण)	1,03,81,716.00	
(झ) परियोजना सम्बंधित खर्च प्रदर्शनी/कार्यशाला अन्तर्राष्ट्रीय बैठक खर्च (परियोजना सम्बंधित) बैठक खर्च विदेश यात्रा यात्रा खर्च (परियोजना खर्च) कार्यशाला: टाइफैक/डी.एस.टी./आई.टी.एस. (कनाडा) कार्यशाला खर्च	- 12,06,302.00 3,86,340.00 19,57,807.00 36,92,163.00 1,67,640.00 9,58,928.00	25,000.00 11,05,877.00 2,92,893.00 11,18,933.00 38,03,783.00 - 6,37,811.00
उपजोड़ (झ)	83,69,180.00	69,84,297.00
जोड़ (क) से (झ)	9,18,23,863.23	5,23,09,179.20

विजन 2020 का खर्च

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>स्थापना एवं प्रशासनिक व्यय</b>		
विज्ञापन खर्च	1,40,648.00	-
विविध कार्यालय खर्च	39,490.00	19,059.00
अखबार एवं पत्रिका प्रसार	10,058.00	6,392.00
भ्रमण एवं रख - रखाव	5,293.00	18,871.00
टेलीफोन / इन्टरनेट प्रसार	46,070.00	53,607.00
वाहन खर्च	-	13,187.00
तदर्थ बोनस	33,120.00	34,540.00
उपदान	1,70,477.00	-
नियोक्ता अंशदान सी पी.एफ.	5,52,255.00	5,26,716.00
छुट्टी नकदीकरण	3,48,686.00	39,245.00
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	5,13,265.00	4,96,449.00
वेतन	1,59,02,443.00	1,30,52,694.00
वेतन - समेकित	-	36,000.00
छुट्टी यात्रा रियायत	3,10,161.00	3,49,428.00
मानदेय	-	1,500.00
सत्कार व्यय	5,48,432.00	3,37,194.00
ट्रैशिंग फीस	2,60,495.00	3,00,245.00
छुट्टी नकदीकरण	21,205.00	6,554.00
कानूनी प्रसार	-	39,200.00
<b>जोड़</b>	<b>1,89,02,098.00</b>	<b>1,53,30,881.00</b>

विजन 2020 का परियोजना खर्च

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>(क) कृषि क्षेत्र</b>		
बी.एच.यू., वाराणसी के लिए, किसानों के माध्यम से चावल - गेहूँ की फसल प्रणाली में कृषि गुणता मोड उत्पादन	-	1,07,744.00
जैव कीटनाशक और वृद्धि प्रोत्साहक के रूप में ट्राइकोडर्मा का खेत पर निदर्शन, व्यवसायिक खेती	-	88,128.00
<b>उपजोड़ (क)</b>	<b>-</b>	<b>1,95,872.00</b>



विजन 2020 : का परियोजना खर्च

विवरण	Current Year	Previous Year
<b>(ख) अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लक्षित कार्यक्रम</b>		
मैसूर में प्रिंटिंग समूह हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण अध्ययन	-	5,00,000.00
सी.ए.आर. : इलेक्ट्रो - मेगनेटिक (ई.एम.एफ.) फोर्जिंग के प्रयोग द्वारा ऑटो मोबाइल पुर्जों के विकास की क्षमता का प्रदर्शन	-	51,543.00
सी.ए.आर. : इलेक्ट्रो और हाईप्रिड इलेक्ट्रिकल वाहनों के अल्ट्राकैपेसिटर	-	14,51,215.00
जैव ईंधन केन्द्र (दूसरा चरण)	44,00,000.00	73,00,000.00
रेडीमेड वस्त्रों के लिए पर्यावरण तथ्यों सहित उत्पादन / निर्माण प्रक्रियाओं का प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण अध्ययन	-	1,80,000.00
फैशन डिजाइनिंग, उत्पाद विकास एवं विविधीकरण की रूपरेखा	-	3,00,000.00
एम.एस.एम.ई. खर्च	2,62,452.00	-
एम.एस.एम.ई. : बनारसी सिल्क साड़ी, कोंटन साड़ी और सिंथेटिक साड़ी समूह, हेतु अध्ययन	6,00,000.00	-
एम.एस.एम.ई. : जनरल इंजीनियरिंग समूह	4,90,000.00	-
एम.एस.एम.ई. : डिजाइन अनुरूपण और एन.आर.आई. के अर्जन का विकास	1,63,134.00	-
एम.एस.एम.ई. : विशेष प्रयोजनी पैकेजिंग मशीन का ऑटोमेशन एवं नियंत्रण	1,61,500.00	-
एम.एस.एम.ई. : आर.एफ. सिंथेसाइजर के लिए चार सतही प्रिंटिंग सर्किट बोर्ड	1,59,775.00	-
एम.एस.एम.ई. : विशेष प्रयोजनी पैकेजिंग मशीन का डिजाइन और स्टैटिक विश्लेषण	1,63,777.00	-
एम.एस.एम.ई. : मल्टी एक्सोस बेंच टॉप रोबोट का डिजाइन मोशन नियंत्रण सिस्टम की सिस्टम इंजीनियरिंग अप्रोच	1,41,575.00	-
एम.एस.एम.ई. : एम.आर.आई. के पुनर्निर्माण का डिजाइन साइमुलेशन एवं विकास	1,64,382.00	-
बी 2020 राइस मिलिंग मशीनरी समूह, सीतापुर, उत्तरांचल विहार में	3,75,000.00	-
बी 2020 राइस मिलिंग समूह, लखी सराय, बिहार में	3,75,000.00	-
बी 2020 रेडीमेड वस्त्र समूह, पटना सिटी, बिहार में	4,50,000.00	-
बी 2020 धरेलू वस्त्र निर्माण समूह	5,00,000.00	-
हाबडा के लिए आर.एंड सेन्टर	-	-
टमाटर के स्टीविया पत्तों और लाइकोपेन से स्लेबियोसाइड के उत्पादन हेतु एन्जाइमेटिक प्रक्रिया का विकास	-	-
पी.आर. में प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण अध्ययन	-	-
प्रौद्योगिकी स्थिति रिक्ति विश्लेषण अध्ययन	-	-
बड़ौपुर के सज्जिक उपकरण उत्पादन इकाई समूह हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण अध्ययन	-	4,00,000.00
एम.एस.एम.ई. इंटरशिप योजना स्टैंक होल्डर सम्पर्क बैठक	-	25,000.00
आई.आई.टी., वी.एच.यू., वाराणसी के साथ टाइफेक - एम.एस.एम.ई. इंटरशिप योजना	3,45,600.00	-
एम.एस. रमैया युनिवर्सिटी ऑफ एन्साइड साइंट के साथ टाइफेक एम.एस.एम.ई. इंटरशिप योजना	4,91,400.00	3,70,000.00
बी.आई.टी., बेल्लूर के साथ टाइफेक - एम.एस.एम.ई. इंटरशिप योजना	-	3,45,600.00
पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलोजी, कोयंबटूर के साथ एम.एस.एम.ई. इंटरशिप योजना	-	3,45,600.00
चिंपरी विचवाड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे के साथ एम.एस.एम.ई. इंटरशिप योजना	86,400.00	3,53,675.00
<b>उपजोड़ (ख)</b>	<b>93,32,995.00</b>	<b>1,16,25,633.00</b>

अनुलग्नक - 6क

विजन 2020: परियोजना खर्च

	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>(ग) परियोजना सम्बंधित व्यय</b>		
बैठक खर्च (परियोजना सम्बंधित)	98,826.00	27,009.00
यात्रा खर्च (परियोजना सम्बंधित)	11,49,650.00	17,68,901.00
कार्यशाला खर्च	6,11,179.00	17,98,338.00
<b>उपजोड़ (ग)</b>	<b>18,59,655.00</b>	<b>35,94,248.00</b>
<b>कुल (क) से (ग) तक</b>	<b>1,11,92,650.00</b>	<b>1,54,15,753.00</b>

अनुलग्नक -7

प्रौद्योगिकी विजन 2035

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>खर्च :</b>		
विजन: 2035 की विचारोत्तेजक बैठक	4,70,338.00	7,09,470.00
विविध कार्यालय खर्च	99,900.00	9,400.00
मुद्रण खर्च	1,65,672.00	2,81,537.00
प्रकाशनों का मुद्रण	7,518.00	-
परियोजना एसोसिएट्स	3,12,000.00	-
वेतन - समेकित	-	2,71,548.00
मानदेय खर्च	87,500.00	5,52,500.00
<b>परियोजना सम्बंधित खर्च</b>		
बैठक खर्च (परियोजना सम्बंधित)	42,972.00	60,480.00
बैठक खर्च	-	1,48,357.00
यात्रा खर्च ((परियोजना सम्बंधित)	2,27,165.00	8,20,653.00
कार्यशाला खर्च	77,600.00	20,000.00
यात्रा खर्च	24,716.00	-
<b>कुल</b>	<b>15,15,381.00</b>	<b>28,73,945.00</b>

अनुलग्नक - 8

पेटेंट सुविधा केन्द्र

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत आय</b>		
<b>अन्य आय</b>		
इकास्वा सी.डी. रोम ए.बी. एवं सी.	5,000.00	12,473.00
आर.टी.आई. ए. प्रश्न	-	10.00
प्रकाशन	-	5,000.00
<b>जोड़</b>	<b>5,000.00</b>	<b>17,483.00</b>

अनुलग्नक - 9

पेटेंट सुविधा केन्द्र

विवरण	चासू वर्ष	गत वर्ष
<b>पी.एफ.सी. नये लेखा के अंतर्गत खर्च</b>		
<b>स्थापना व्यय</b>		
वेतन	51,01,842.00	48,78,035.00
वेतन समेकित	14,03,383.00	17,66,511.00
तदर्थ बोनस	-	6,908.00
उपदान (चेच्युटी)	-	5,49,195.00
छुट्टी नकदीकरण	35,777.00	3,67,093.00
छुट्टी यात्रा रियायत	65,351.00	90,630.00
सत्कार व्यय	-	1,18,955.00
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	56,301.00	79,338.00
भविष्य निधि में पी.एफ.सी. का अंशदान	2,16,659.00	2,22,909.00
टयूशन शुल्क	72,000.00	1,00,500.00
<b>उपजोड़ (क)</b>	<b>69,51,316.00</b>	<b>81,80,074.00</b>
<b>प्रशासनिक व्यय</b>		
विज्ञापन खर्च	6,487.00	-
बैंक प्रभार	340.52	473.90
कार किराया खर्च	3,956.00	-
पेटेंट फाइलिंग	35,23,579.00	50,96,793.00
दस्तावेजों का विधिकरण	-	1,05,850.00
पी.एफ.सी. सदस्यता (एस.टी.एन.)	-	61,420.69
विविध कार्यालय खर्च	50,481.00	66,880.00
अखबार एवं पत्रिकाएं	1,730.00	1,441.00
प्रकाशनों का मुद्रण	-	14,750.00
मुद्रण प्रभार	450.00	300.00
मरम्मत एवं अनुरक्षण	9,536.00	31,001.00
टेलीफोन एवं टैलेक्स	69,823.00	1,08,424.00
विशेषज्ञों को मानदेय	70,000.00	-
स्टेशनरी	-	517.00
कार किराया प्रभार	14,453.00	3,428.00
<b>उपजोड़ (ख)</b>	<b>37,50,835.52</b>	<b>54,91,278.59</b>
<b>कुल क + ख</b>	<b>1,07,02,151.52</b>	<b>1,36,71,352.59</b>

अनुलग्नक - 10

विवरण	चासू वर्ष	गत वर्ष
<b>पी.एफ.सी. नये लेखा में खर्च</b>		
यात्रा खर्च	2,28,199.00	1,35,908.00
विदेश यात्रा	-	45,932.00
बैंक खर्च	13,328.00	2,520.00
जी.आई. पी.सी. 2016 कार्यशाला	2,26,196.00	-
कार्यशाला खर्च	5,56,665.00	2,03,784.00
<b>जोड़</b>	<b>10,24,388.00</b>	<b>3,88,144.00</b>



अनुसन्धक-11

बैंकों में लघु अवधि जमा

विवरण	वर्ष	गत वर्ष
<b>लघु अवधि जमा</b>		
टाइम बैंक	24,43,98,660.00	18,55,40,000.00
अजित ब्याज	32,73,743.00	4,39,65,571.00
<b>जोड़</b>	<b>24,76,72,403.00</b>	<b>22,94,65,571.00</b>

अनुसन्धक-12

देय खर्च

विवरण	वर्ष	गत वर्ष
<b>टाइम बैंक के अंतर्गत देय खर्च</b>		
देय वेतन	67,38,150.00	66,90,571.00
परामर्शी शुल्क	40,500.00	-
आकारिमक खर्च	49,500.00	-
इंटरनेटियन योजना	1,35,161.00	-
परियोजना एसीएट्स	1,46,710.00	-
समूची शुल्क	51,300.00	-
ए.के. आनंद	2,750.00	-
अभिजीत लोडिंग	10,800.00	-
मजू बगाई	19,800.00	-
महमूद अली खान	19,800.00	-
मेसर्स संसवाल ट्रेवलर्स	1,58,894.00	-
मेसर्स जी.एम.सी. वेवेंज प्रा.लि.	56,421.00	-
मेसर्स आई.आर.आई.एस. पार्क वीजस प्रा.लि.	14,051.00	-
मेसर्स नोवल एववा	50,407.00	-
मेसर्स एस.के. जुनेजा एंड एसीएट्स	1,21,065.00	-
मेसर्स त्रियो पोस्ट इंडिया प्रा. लि.	13,500.00	-
मेसर्स युनिवर्सल सोल्यूशंस	16,961.00	16,637.00
मेसर्स सारथि इंटर प्राइजेज	-	14,420.00
मेसर्स आशा इन्टर प्राइजेज प्रा. लि.	74,568.00	72,520.00
मेसर्स शरत दूरे एंड ट्रेवलर्स	-	1,05,921.00
मेसर्स निदेशक, नई दिल्ली एच.पी.ओ., दिल्ली	15,137.00	6,188.00
मेसर्स एयरटेल रिलेशनशिप नं. 10954184	45,215.00	50,445.00
मेसर्स एयरटेल मोबाइल नं. 9910074428	608.00	-
मेसर्स वोडा फोन मोबाइल नं. 7838560652	467.00	-
मेसर्स एस.टी.एन.एल.	47,195.00	26,377.00
मेसर्स अनिल साठवा एवं कंपनी	-	<b>78,791.00</b>
मेसर्स बायर लारी एंड कंपनी, लि. नई दिल्ली	5,10,931.00	1,12,901.00
मेसर्स केंद्रीय भंडार, नई दिल्ली	31,649.00	98,201.00
मेसर्स डी.ए. इन्टरप्राइजेज, नई दिल्ली	-	21,382.00
मेसर्स बगवा दूरे एवं ट्रेवलर्स	-	71,647.00
<b>उपजोड़ (क)</b>	<b>63,70,850.00</b>	<b>53,66,501.00</b>
<b>टाइम बैंक खाते के अंतर्गत देय खर्च</b>		
देय टी.डी.एस.	6,02,184.00	5,07,707.00
<b>उपजोड़ (ख)</b>	<b>6,02,184.00</b>	<b>5,07,707.00</b>
<b>जोड़ (क) + (ख)</b>	<b>69,73,034.00</b>	<b>58,74,208.00</b>

देय खर्च

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>पी.एफ.सी. नये लेखा के अन्तर्गत देय खर्च</b>		
मेसर्स एल.एस. डावर एंड कं.	24,400.00	-
मेसर्स आनंद एंड आनंद	9,000.00	55,900.00
मेसर्स के. एंड एस. पार्टनर्स	4,450.00	35,820.00
मेसर्स सुब्रह्मण्यम नटराज एंड एसोसिएट्स	-	9,320.00
मेसर्स लक्ष्मी कुमार एंड श्रीधरन	-	5,61,445.00
मेसर्स आर.के. दीवान एंड कं	-	75,380.00
मेसर्स फॉक्स मंडल एंड एसोसिएट्स	-	1,02,037.00
मेसर्स अंजन सेन एंड एसोसिएट्स	98,504.00	3,41,841.00
मेसर्स वटन एंड एसोसिएट्स	77,218.00	-
मेसर्स एस. मजुमदार एंड कंपनी	-	63,085.00
मेसर्स लाल लाहिडी एंड सहयोगी	-	42,990.00
मेसर्स बामर एंड लॉरी	-	-
मेसर्स डोगरा एन्टरप्राइजेज	-	4,950.00
मेसर्स गुरुसंस कम्युनिकेशन प्रा.लि.	-	2,889.00
एम.टी.एन.एल.	1,065.00	-
मेसर्स वर्ल्ड वाइड न्यूज इंडिया	-	-
देय वेतन	4,00,704.00	4,64,911.00
<b>उप जोड़ (क)</b>	<b>6,15,341.00</b>	<b>17,60,568.00</b>
<b>विवरण</b>	<b>चालू वर्ष</b>	<b>गत वर्ष</b>
<b>पी.एफ.सी. नये लेखा के अन्तर्गत देय खर्च</b>		
देय टी.डी.एस.	49,056.00	1,57,554.00
<b>उपजोड़ (ख)</b>	<b>49,056.00</b>	<b>1,57,554.00</b>
<b>जोड़ क+ख</b>	<b>6,64,397.00</b>	<b>19,18,122.00</b>
<b>विवरण</b>	<b>चालू वर्ष</b>	<b>गत वर्ष</b>
<b>एस.एफ.इन्व्.एस. नये लेखा के अन्तर्गत देय खर्च</b>		
देय वेतन	56,500.00	74,370.00
देय रुपरी खर्च	11,164.00	1,04,064.00
<b>उपजोड़ (क)</b>	<b>67,664.00</b>	<b>1,78,634.00</b>
<b>कुल क+ख</b>	<b>67,664.00</b>	<b>1,78,634.00</b>

चीनी मिलों से पेशगी राशि

विवरण	चाहू वर्ष	गत वर्ष
पेशगी राशि : शक्ति शुगर लिमिटेड	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : परतापुर शुगर इंडस्ट्री लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : आर.बी.एन. शुगर मिल्स	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : एल.एच. शुगर	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : जिन्द कॉ-ऑप - शुगर	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : विष्णु शुगर	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : डी.एस.एम. शुगर	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : वल्साड शुगर	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : बुधवाल कंपनी	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि: पलवल शुगर लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : गोदावरी शुगर मिल	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : पदम श्री विठ्ठल राव विखो पाटिल एस.एस.के. लिमिटेड	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : मवाना शुगर	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : ई.आई.डी. पैरी पुगलौर	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : विश्वास राव नाइक एस.एस.के. लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : मेसर्स टरेना एस एन के लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : शाकुम्भरी शुगर लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : श्री तलाब तालुका एस.के.एम.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : बिल्लेश्वरी खुर्द उद्योग खेदुत सहकारी मंडल लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : संजीवनी एस.एस.के. लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : अशोक एस.एस.के. लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : सिभावती शुगर	3,00,000.00	3,00,000.00
पेशगी राशि : जगदम्बा एस.एस.के.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : राणा शुगर लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : धारणी शुगर एवं केमिकल्स लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : त्रिवेणी इंजी. इंडस्ट्रीज लि.	2,00,000.00	2,00,000.00
पेशगी राशि : उत्तम शुगर लि.	1,00,000.00	1,00,000.00
पेशगी राशि : चामुण्डेश्वरी शुगर मिल्स	2,00,000.00	2,00,000.00
पेशगी राशि : मसूर पुर शुगर मिल्स	1,00,000.00	1,00,000.00
<b>जोड़</b>	<b>33,00,000.00</b>	<b>33,00,000.00</b>



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त और भुगतान

प्राप्तियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
<b>1 आदय शेष (ओपनिंग बैलेंसेज)</b>		
नकद	6,574.00	6,195.00
नकद (पी.एफ.सी. नये खाते में)	5,623.00	520.00
नकद (डब्ल्यू.एस.एस. नये खाते में)	911.00	2,020.00
बैंक में जमा राशि		-
चालू खाते में		-
जमा खाते में	229,465,571.00	182,724,214.00
बचत खाते में	18,687,269.55	105,375,926.31
बचत खाते में (पी.एफ.सी. नये खाते में)	5,364,554.25	13,406,683.84
बचत खाते में (डब्ल्यू.एस.एस. नये खाते में)	7,530,883.00	8,836,067.00
फ्रैकिंग मशीन के लिए अग्रिम	14,473.00	677.00
<b>2 प्राप्त अनुदान</b>		
भारत सरकार से - योजना (टाइफैक)	153,862,000.00	70,429,000.00
राज्य सरकार से - गैर - योजना (टाइफैक)	188,000.00	338,000.00
<b>3 प्राप्त ब्याज</b>		
बैंक जमाओं पर (टाइफैक)	877,423.00	16,855,491.00
बैंक बचत पर (टाइफैक)	18,206,832.00	2,605,572.00
ऋण, अग्रिम, इत्यादि (स्टाफ अग्रिम)	36,150.00	34,272.00
आयकर से ब्याज	3,984.00	-
देनदारों एवं अन्य प्राप्य पर ब्याज (टाइफैक सिडबी रिजर्विंग फंड)	6,049,000.00	-
<b>4 अन्य आय (स्पष्ट करें)</b>		
एच.डी.टी. परियोजनाओं से धन वापसी	11,130,000.00	5,652,093.00
एडवांस्ड कम्पोजिट कार्यक्रम से धन वापसी	959,072.00	8,119,230.00
विजन 2020 से धन की वापसी	1,848,000.00	33,405,046.12
अन्य आय (अनुसूची 18)	2,290,273.69	2,574,394.06
फ्लाइ एश उपयोगिता कार्यक्रम से धन वापसी	1,350,000.00	10,000.00
<b>5 पेटेंट सुविधा केन्द्र से प्राप्तियां</b>		
अनुदान सहायता (पी.एफ.सी. नये खाते के अंतर्गत)	13,528,479.00	-
एकास्वा ए और बी सीडी रोम (पी.एफ.सी. नये खाते के अंतर्गत)	5,000.00	17,483.00
बचत बैंक ब्याज (बचत) (पी.एफ.सी. नये खाते में)	143,309.97	279,638.00
अग्रिम आदि पर ब्याज (स्टाफ अग्रिम) (पी.एफ.सी. नये खाते में)		10,248.00
<b>6 महिला वैज्ञानिक अध्येतावृत्ति योजना हेतु प्राप्तियां</b>		
अनुदान सहायता (डब्ल्यू.एस.एस. नये खाते के अंतर्गत)	20,000,000.00	-
बैंक से ब्याज (बचत) (डब्ल्यू.एस.एस. नये खाते के अंतर्गत)	638,879.00	401,111.00
अग्रिम आदि पर ब्याज (स्टाफ अग्रिम) (डब्ल्यू.एस.एस. नये खाते के अंतर्गत)	3,000.00	-
<b>7 अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)</b>		
टाइफैक रिपोर्टों के प्रसार के लिए सामान्य प्रकार	28,130.00	48,378.00
रॉयल्टी से आय	67,010.00	-
टाइफैक की हाऊसकीपिंग हेतु निधिदा	-	2,000.00
नारी शक्ति हेतु पुरस्कार	200,000.00	-
आर.टी.आई. अधिनियम प्रश्न	440.00	460.00
कार किराये पर लेने हेतु निधिदा	500.00	3,600.00
पे रोल एवं वित्तीय सॉफ्टवेयर हेतु निधिदा	1,500.00	-
प्राप्त पुराने चेक	119,110.00	-
पेशगी राशि : डी.ए.वी.पी.		43,179.00
पेशगी : आचार्य विनोबा भावे रुमल हॉस्पिटल, स्वांगी	20,000.00	-
एस.ए.आई.एल., एन.एम.पी.पी.	19,736.55	-
प्रतिभूति जमा: लीज आवास	9,500.00	-
प्रतिभूति जमा: टाटा टेबो सर्विसेज	16,000.00	-
प्रतिभूति जमा: श्री कपिल अग्रवाल	47,490.00	-
आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	44,493.00	-
इलेक्ट्रिक फेब्रिलिटी में लॉघ हेतु नेशनल मिशन व्यापक परियोजना रिपोर्ट एवं आर. एवं डी. शैड्यूल का डिजाइन	1,008,322.00	-
श्री कपिल अग्रवाल (किराया)	25,650.00	-
धरोहर राशि : मेसर्स डोगरा एंटर प्राइजेज		-
धरोहर राशि : मेसर्स संसवाल टूवेल्स	50,000.00	-
धरोहर राशि : मेसर्स जी.एम.सी. बेवरेज प्रा.लि.	5,000.00	-
धरोहर राशि : मेसर्स बेलटैक कनाडियन वाटर लि. (एक्वाफिजा)	5,000.00	-
धरोहर राशि : मेसर्स वेवेलियन इंटीरियर्स इंडिया प्रा.लि.	300,000.00	-
धरोहर राशि : मेसर्स एन.एस.ई. आई.टी. (पी.एफ.सी. नया खाता)	50,000.00	-
	494,213,143.01	451,180,898.33

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त और भुगतान

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	गत वर्ष
कार्यालय उपकरण (वर्ष के दौरान कर्तवियाँ)	-	42,455.00
सिडबी को जारी होने हेतु चिह्नित (रिजॉल्विंग फंड) कैपिटल फंड	-	40,000,000.00
स्टॉफ ऋण (टाइफैक खाते से)	745,351.00	55,712.00
स्टॉफ ऋण (पी.एफ.सी. खाता)		19,500.00
प्रतिभूति जमा: एम.टी.एन.एल.		3,000.00
उपाजित ब्याज (पी.एफ.सी. नये खाते से)		77,888.00
उपाजित ब्याज (इब्लू.एस.एस.एस. नये खाते से)	-	21,624.00
टी.डी.एस. : (इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि.)	61,346.00	
छुटपुट लेनदार: परमलि वेल्स प्रा.लि.		3,000.00
पी.एफ.सी. से टाइफैक को देय (कोल्डा)	5,000,000.00	5,000,000.00
छुटपुट लेनदार: अलका चक्रवर्ती	46,648.00	
मकान किराया वसूली प्रो. प्रभात रंजन	4,000.00	
मेडिकल योजना		231,150.00
मेडिकल योजना (पी.एफ.सी. नये खाते में)		19,827.00
एस.आई.पी.डी.ए. योजना 2014-2015 के अंतर्गत अक्षमताओं से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सहायक उपकरणों की निर्देशिका तैयार करना		1,071,896.00
चालू परियोजनाओं की बची राशि	849,318.00	
टाइफैक/डी.एस.टी. आई.टी.एस. कनाडा कार्यशाला	167,640.00	
आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	-	
वेशमी राशि : मेसर्स आशा इंटर प्राइजेज		50,000.00
वेशमी राशि : मेसर्स सरत दूर्ई एवं टूवेल्स		50,000.00
आई.आई.टी. टाइफैक रख-रखाव (प्रावधान)	8,000,000.00	
भारत आई.आई.ए.एस.ए. सदस्यता शुल्क (प्रावधान)	24,500,000.00	
सिडबी को दी गयी राशि, अब बट्टे खाते	100,000,000.00	
सी.पी.एफ.		26,000.00
सी.पी.एफ. (पी.एफ.सी. नये खाते में)		1,488.00
<b>कुल (ii)</b>	<b>139,374,303.00</b>	<b>46,673,450.00</b>
<b>कुल (i) + (ii) = (अ)</b>	<b>633,587,446.01</b>	<b>497,854,348.33</b>

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त और भुगतान

भुगतान	चालू वर्ष		गत वर्ष	
<b>1 व्यय</b>				
<b>a स्थापना व्यय (अनुसूची 21 के अनुसार)</b>	53,365,225.00		58,936,194.00	
जोड़े : आद्य व्यय देय	4,145,441.00		3,311,041.00	
घटारं : देय व्यय	4,736,440.00	52,772,226.00	4,145,441.00	58,101,794.00
<b>b प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 के अनुसार)</b>	25,613,588.47		14,544,115.68	
जोड़े : आद्य व्यय देय	776,104.00		1,208,382.00	
जोड़े : अचल परिसम्पत्तियों की विक्री पर हानि				
घटारं : देय व्यय	2,234,594.00	24,155,098.47	697,313.00	15,055,184.68
घटारं : अचल परिसम्पत्तियों की विक्री पर हानि (पिछले वर्ष के आरंभ में अप्रचलन व्यय शामिल नहीं है।)				
<b>c अनुदान, आर्थिक, सहायता इत्यादि पर व्यय (अनुसूची 22 के अनुसार)</b>		91,823,863.23		92,309,179.20
<b>2 विविध परियोजनाओं के लिए निधि से किया गया भुगतान</b>				
<b>स्थापना खर्च (पी.एफ.सी. नये खाते के अंतर्गत)</b>	8,044,856.00		8,180,074.00	
जोड़े : आद्य व्यय देय	520,155.00		588,897.00	
घटारं : देय व्यय	400,704.00	8,164,307.00	520,155.00	8,248,816.00
<b>प्रशासनिक खर्च (पी.एफ.सी. नये खाते के अंतर्गत)</b>	3,681,683.52		5,879,422.59	
जोड़े : आद्य व्यय देय	1,397,967.00		712,761.00	
घटारं : देय व्यय	263,693.00	4,815,957.52	1,397,967.00	5,194,216.59
<b>विविध परियोजनाओं हेतु किया गया भुगतान</b>				
<b>स्थापना खर्च (डब्ल्यू.एस.एस.एस. नये खाते के अंतर्गत)</b>	853,060.00		941,765.00	
जोड़े : आद्य व्यय देय	74,570.00		268,565.00	
घटारं : देय व्यय	56,500.00	871,130.00	74,570.00	1,135,760.00
<b>प्रशासनिक खर्च (डब्ल्यू.एस.एस.एस. नये खाते के अंतर्गत)</b>	2,868,946.00		593,268.00	
जोड़े : आद्य व्यय देय	104,064.00		104,064.00	
घटारं : देय व्यय	11,164.00	2,961,846.00	104,064.00	593,268.00
<b>अनुदान उपयोग - प्राद्योगिकी विज्ञान 2020</b>	30,091,748.00		30,746,634.00	
जोड़े : आद्य व्यय देय	952,663.00		1,139,724.00	
घटारं : देय व्यय		31,047,411.00	952,663.00	30,933,695.00
<b>अनुदान उपयोग - प्राद्योगिकी विज्ञान 2035</b>		1,515,381.00		2,873,945.00
<b>अचल परिसम्पत्तियों में वृद्धि</b>				
कार्यालय उपकरण		426,750.00		546,831.00
पुस्तकालय पुस्तकें		30,897.00		37,832.00
फर्नीचर एवं फिक्सचर		63,980.00		76,337.00
कम्प्यूटर एवं पुर्जे		958,293.00		3,298,296.00
टाइफैक भवन में फायर अलार्म सिस्टम और अग्नि शामक यंत्र				13,030.00
<b>3 अन्य भुगतान (स्पष्ट करें)</b>				
सी.पी.एफ.				35,000.00
सी.पी.एफ. (पी.एफ.सी. नये खाते में)		26,000.00		346.00
जी.एस.एल.आई.एस. (पी.एफ.सी. नये खाते में)		1,468.00		
छुटपुट लेनदार : मेसर्स ब्लू स्टार लि. पुराने चेक				169,274.00
स्टॉफ अग्रिम (पी.एफ.सी. नये खाते के अंतर्गत)			150,925.00	
उपार्जित ब्याज (पी.एफ.सी. नये खाते में)			2,861.97	
उपार्जित ब्याज (डब्ल्यू.एस.एस.एस. नये खाते में)			116,080.00	
सी.पी.एफ. ट्रस्ट (टाइफैक)		207,368.00		
आई.आई.टी. - टाइफैक अनुसंधान (प्रावधान)				8,288,375.00
देय छुट्टी यात्रा खर्च (श्री शम्भू कुमार) (पी.एफ.सी.)				2,720.00
श्री शम्भू कुमार (एच.वी.ए.) (पी.एफ.सी.)				8,000.00
जी.एम.डब्ल्यू. कार्यशाला (एस.आर.एफ.)				116,408.00
नेशनल मिशन फॉर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की स्थापना हेतु व्यापक परियोजना रिपोर्ट और आर. एवं डी. शेड्यूल डिजाइन तैयार करना				547,907.00
धरोहर राशि : मेसर्स यीनो मिलें				200,000.00
धरोहर राशि : मेसर्स डोगरा एंटर प्राइजेज		5,000.00		
धरोहर राशि : मेसर्स सग्गा दू एंड ट्रेपलस		50,000.00		
धरोहर राशि : मेसर्स परफेक्ट ट्रेडर्स		5,000.00		
धरोहर राशि : मेसर्स सरता दू एंड ट्रेपलस		50,000.00		
धरोहर राशि : मेसर्स पिक हाऊस कीपिंग प्रतिभूति जमा : मेसर्स पिक हाऊस कीपिंग				18,784.00
मेडिकल योजना (टाइफैक खाता)		1,654,617.00		32,820.00
मेडिकल योजना (पी.एफ.सी. खाता)		51,277.00		
डी.ए.वी.पी. अग्रिम		220,775.00		199,333.00
टाइफैक / डी.एस.टी. / आई.टी.एस. कनाडा कार्यशाला				78,908.00
आपदा प्रबंधन पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला				44,493.00
नेशनल मिशन फॉर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की स्थापना हेतु व्यापक परियोजना रिपोर्ट और आर. एवं डी. शेड्यूल डिजाइन तैयार करना				1,008,322.00
श्री कपिल अग्रवाल (निराशा)				25,630.00
		222,148,532.19		231,579,973.53



प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)  
31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त और श्रुतान

श्रुतान	वर्ष		वर्ष	
	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15
पी.एफ.सी द्वारा टाइफैक को देय (कोनट्रा)		5,000,000.00		5,000,000.00
छुटपुट जमा : श्रीमती वीना शंभरी				80,000.00
देय वेतन (प्रो गणपति)		1,800.00		
टाइफैक सिडबी चक्रण निधि		106,049,000.00		
<b>अन्य शेष</b>				
नकद राशि		8,773.00		6,574.00
नकद राशि (पी.एफ.सी. नये खाते के अंतर्गत)		16,225.00		5,623.00
नकद राशि (डब्ल्यू.एस.एस.एस. नये खाते के अंतर्गत)		253.00		911.00
बैंक में नकदी		27,516,562.09		18,691,651.55
नकद राशि (पी.एफ.सी. नये खाते में)		894,178.73		5,364,554.25
नकद राशि (डब्ल्यू.एस.एस.एस. नये खाते में)		24,274,364.00		7,530,883.00
लघु अवधि जमा		247,672,406.00		229,579,705.00
प्रीडिक्टा मशीन		5,355.00		14,473.00
योग (ii)		411,438,913.82		266,274,374.80
योग (i) + (ii) = (ख)		633,587,446.01		497,854,348.33

हमारी इस तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार  
कृते एस.के. जुनेजा एंड एसोसिएट्स (एफ.आर.एन. सं. 012484 एन.)  
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

हस्ता  
नेवाधिकारी  
टाइफैक

हस्ता  
रजिस्ट्रार  
टाइफैक

हस्ता  
कार्यपालक निदेशक  
टाइफैक

हस्ता  
सुरेन्द्र कुमार  
आगोदार  
सदस्यता सं. (91449)  
दिनांक : 23.09.2016  
स्थान : नई दिल्ली

एस.के. जुनेजा एंड एसोसिएट्स  
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

4704, अशोका इन्क्लेव प्लॉट नं. 8 ए  
सेक्टर - 11, द्वारका, दिल्ली - 110075  
फोन: 9810331588, 9810641785  
ई मेल - [madhujun94@gmail.com](mailto:madhujun94@gmail.com)

---

### स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

न्यासी गण  
टाइफैक अंशदायी भविष्य निधि न्यास  
नई दिल्ली

#### वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

1. हमने टाइफैक अंशदायी भविष्य निधि न्यास, नई दिल्ली (यहां न्यास के रूप में संदर्भित) के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2016 को मामलों का विवरण शामिल है।

#### वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधन का दायित्व

2. इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने का दायित्व सोसाइटी के प्रबंधन का है। ये विवरण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों सहित, भारत में सामान्यतः स्वीकृति लेखा सिद्धान्तों के अनुसार, सोसाइटी की वित्तीय स्थिति एवं वित्तीय कार्यों की सत्य एवं स्पष्ट स्थिति को प्रदर्शित करते हैं। उनके दायित्व में, सोसाइटी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा हेतु उचित लेखांकन रिकार्डों का रख - रखाव और जालसाजी और अन्य अनियमितताओं की पहचान एवं रोकथाम, सही लेखांकन नीतियों का अनुप्रयोग निर्णय और आकलन करना जो उचित और न्यायपूर्ण हो और समुचित आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रख - रखाव और जालसाजी और अन्य अनियमितताओं की पहचान एवं रोकथाम, सही लेखांकन नीतियों को अनुप्रयोग निर्णय और आकलनों करना जो उचित और न्यायपूर्ण हों और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रख - रखाव शामिल है जो कि वित्तीय विवरणों के तैयार करने और प्रस्तुतीकरण में सत्य एवं सही छवि प्रस्तुत करते हैं जो कि समग्र असत्य विवरण से मुक्त हो जो जालसाजी या त्रुटि के कारण हो।

#### लेखा परीक्षक का दायित्व

3. हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन विवरणों पर अपनी राय प्रकट करना है। हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा भी है। इन मानकों में अपेक्षित है कि हम नीतिपरक आवश्यकताओं और योजना का अनुपालन करें कि क्या वित्तीय विवरण सामग्री गलत बयानी से मुक्त हैं।

4. एक लेखा परीक्षा में, वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों के सम्बंध में लेखा परीक्षा साक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रक्रियाओं का संपादन करना शामिल होता है। प्रक्रियाओं का चुनाव लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर होता है, इसमें वित्तीय विवरणों की सामग्री गलत विवरण के खतरे का मूल्यांकन शामिल है, यह चाहे जालसाजी या त्रुटि के कारण हो। इन जोखिम मूल्यांकन को करने में, लेखा परीक्षक सोसाइटी के वित्तीय विवरणों की तैयार करने से सम्बंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर भी विचार करता है जो कि सत्य एवं सही छवि प्रस्तुत करता है। लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के क्रम में, जो कि परिस्थितियों के हिसाब से उपयुक्त हो लेकिन यह इस प्रयोजन से राय व्यक्त करने के लिए नहीं है कि सोसाइटी ने वित्तीय रिपोर्टिंग पर समुचित आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और ऐसे नियंत्रणों पर प्रचालन दक्षता रखी है या नहीं। एक लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों के औचित्य का मूल्यांकन और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण के मूल्यांकन के साथ, सोसाइटी के प्रबंधन द्वारा किए गये लेखांकन आकलनों का औचित्य भी शामिल है।
5. हम विश्वास करते हैं कि हमें प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं और हमें अपनी परीक्षा राय देने का आधार प्रदान करते हैं।

#### राय

6. हमारी राय में और हमें प्राप्त सूचना एवं हमें दिए गये स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण अपेक्षित सूचना एवं सत्य एवं सही स्थिति प्रदर्शित करते हैं और 31 मार्च, 2016 को ट्रस्ट के मामलों में, भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के साथ और इसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय पर अधिक व्यय से साम्यता रखते हैं :
  - क) हमने लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त किये, जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक थे।
  - ख) हमारे विचार में ट्रस्ट द्वारा, कानून की अपेक्षा के अनुसार लेखा पुस्तकों का उचित रूप से रख-रखाव किया गया है।
  - ग) इस रिपोर्ट से सम्बंधित तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा की लेखा पुस्तकों से सम्मति है।

कृते एस.के. जुनेजा एवं एसोसिएट्स  
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स  
फर्म पंजीकरण सं. 012484 एन

हस्ता/-  
(सी.ए. सुरेन्द्र कुमार)  
भागीदार  
सदस्यता सं. 091449

दिनांक: 23.09.2016

स्थान: नई दिल्ली



अंशदायी भविष्य निधि-टाइफैक  
31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार कार्य विवरण

गत वर्ष 31.03.2015	विवरण	चाहू वर्ष 31.03.2016	गत वर्ष 31.03.2015	विवरण	चाहू वर्ष 31.03.2015
अर्जित ध्यान			2,61,91,017.63	यू.बी.आई. के पास बचत खाते में	2,26,4,888.13
पिछला शेष			34,951,686.70	आर.बी.आई. के पास विशेष जमा	520,330.00
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त / उपार्जित			6,438,236.00	यू.बी.आई. के पास लघु भवधि जमा	79,318,784.00
			41,389,922.70	फ्लेक्सि जमा यू.बी.आई.	573,076.00
वर्ष के दौरान ध्यान का भुगतान			323,101.90		
			41,066,821.20		
कर्मचारी अंशदान				स्वफ के सदस्यों को ऋण / अग्रिम	71,444.00
पिछला शेष			14,653,405.93	श्री अनिल कुमार राय	52,200.00
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त			7,299,530.00	श्री अरुण सरदार	85,000.00
घट्टा: वर्ष के दौरान भुगतान			21,952,935.93	श्रीमती संगीता नागर	-
			2,099,387.00	श्री सोमनाथ नाथ	-
			19,853,548.93	श्रीमती उमा दयाल	-
टाइफैक अंशदान				सुश्री स्वाति शर्मा	56,000.00
पिछला शेष			19,768,055.00	श्री सुरेन्द्र प्रसाद	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त			2,686,431.00	श्री एम. सुरेश बाबू	233,500.00
घट्टा: वर्ष के दौरान भुगतान			22,451,506.00	डॉ. डी. मजुमदार	4,800.00
			185,554.00	श्री सुरेन्द्र कुमार	-
घट्टा: नियोक्ता अंशदान की प्रवृत्ति पात्रता से पहले छोड़े गये कर्मचारियों के कारण पूर्णवधि			207,368.00	श्री दीप प्रकाश	5,300.00
			22,061,584.00	श्री संजय सुंदरियाल	-
समायोजन टाइफैक को देय				श्री टी. चक्रधर	14,000.00
			207,368.00	श्री सुमित कुमार	-
			207,368.00	श्री टी. आदर्श	-
				श्री विश्राम भक्त	-
कुल			69,373,147.63	कुल	83,189,322.13

कुते एस.के. जुनेजा  
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स  
एफ.आर.एन. सं. : 012484N

हस्ता/-  
श्री.ए. सुरेन्द्र कुमार  
भागीदार  
सदस्यता सं. 091449  
दिनांक : 23.09.2016  
स्थान : नई दिल्ली

हस्ता/-  
एन.सी. चौहान  
अध्यक्ष

हस्ता/-  
दीप प्रकाश  
न्यासी

अंशदायी भविष्य निधि-टाइफैक 31 मार्च, 2016 को ट्रायल बैलेंस			
(राशि रुपये में)			
क्र. सं.	विवरण	नाम राशि	जमा राशि
1	कर्मचारी अंशदान खाता		19,853,548.93
2	नियोक्ता का अंशदान खाता		22,268,952.00
3	ब्याज खाता		41,066,821.20
4	सी.पी.एफ. अग्रिम : श्री अनिल कुमार राय	71,444.00	
5	सी.पी.एफ. अग्रिम : श्री अर्धर्य सरदार	42,200.00	
6	सी.पी.एफ. अग्रिम : श्री संजय सुंदरियाल	5,300.00	
7	सी.पी.एफ. अग्रिम : श्रीमती संगीता नागर	85,000.00	
8	सी.पी.एफ. अग्रिम : श्री सुरेन्द्र प्रसाद	56,000.00	
9	सी.पी.एफ. अग्रिम : श्री डॉ. डी. मजमदार	233,500.00	
10	सी.पी.एफ. अग्रिम : श्री सुरेन्द्र कुमार	4,800.00	
11	सी.पी.एफ. अग्रिम : श्री सुमित कुमार	14,000.00	
12	फ्लेक्सि जमा - (यू.बी.आई.)	573,076.00	
13	अल्पावधि जमा - (यू.बी.आई.)	79,318,784.00	
14	आर.बी.आई. में विशेष जमा खाता	520,330.00	
15	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बचत बैंक खाता	2,264,888.13	
	कुल	83,189,322.13	83,189,322.13

कृते एस.के. जुनेजा  
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स  
एफ.आर. सं. 012484 एन

हस्ता  
सी.ए. सुरेन्द्र कुमार  
भागीदार  
सदस्यता सं. 091449  
दिनांक : 23.09.2016  
स्थान : नई दिल्ली

हस्ता  
एन.सी. चौहान  
अध्यक्ष

हस्ता  
दीप प्रकाश  
न्यासी

अंशदायी भविष्य निधि-टाइफैक 31 मार्च, 2016 को कार्य विवरण (राशि रुपये में)		
गत वर्ष 31.03.2015	विवरण	यात्र वर्ष 31.03.2016 को
2,619,017.13	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बचत बैंक खाता	2,264,888.13
520,330.00	आर.बी.आई. के पास विशेष जमा	520,330.00
65,158,703.00	यू.बी.आई. के पास लघु अवधि जमा	79,318,784.00
535,603.00	फ्लेक्सि जमा-यू.बी.आई.	573,076.00
	स्टाफ के सदस्यों को ऋण/अग्रिम	
24,244.00	श्री अनिल कुमार राय	71,444.00
61,800.00	श्री अर्घ्य सरदार	42,200.00
43,200.00	श्री संजय सुंदरियल	5,300.00
30,000.00	डॉ. डी. मजुमदार	233,500.00
30,000.00	श्री सुमित कुमार	14,000.00
45,000.00	श्री एम. सुरेश बाबू	-
180,600.00	श्री सुरेन्द्र प्रसाद	56,000.00
27,500.00	सुश्री स्वाति शर्मा	-
-	सुश्री संगीता नागर	85,000.00
31,400.00	श्री सुरेन्द्र कुमार	4,800.00
1,250.00	श्री विश्राम भक्त	-
22,500.00	श्रीमती उमा दराल	-
22,000.00	श्री दीप प्रकाश	-
20,000.00	श्री सोमनाथ नाथ	-
69,373,147.13	कुल	83,189,322.13

कृते एस.के. जुनेजा  
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स  
एफ.आर. सं. 012484 एन

हस्ता  
सी.ए. सुरेन्द्र कुमार  
भागीदार  
सदस्यता सं. 091449  
दिनांक : 23.09.2016  
स्थान : नई दिल्ली

हस्ता  
एन.सी. चौहान  
अध्यक्ष

हस्ता  
दीप प्रकाश  
न्यासी



## 9. टाइफैक कर्मचारीगण

### कर्मचारियों की सूची (31.03.2016 को)

1. प्रोफे. प्रभात रंजन, कार्यपालक निदेशक
2. श्री संजय सिंह, वैज्ञानिक -'जी'
3. डॉ. गौतम गोस्वामी, वैज्ञानिक -'एफ'
4. श्री पी.आर. बसाक, वैज्ञानिक -'एफ'
5. श्री टी चन्द्रशेखर, वैज्ञानिक -'ई'
6. श्री सुरेश कुमार के. वैज्ञानिक -'ई'
7. श्रीमती किरन जकारिया, वैज्ञानिक -'ई'
8. श्री ए. सरदार, वैज्ञानिक -'ई'
9. श्रीमती निर्मला कौशिक, वैज्ञानिक -'ई'
10. डॉ. एस.के. गोयल, वैज्ञानिक -'ई'
11. श्रीमती संगीता बखशी, वैज्ञानिक -'ई'
12. श्रीमती ए. जैसी, वैज्ञानिक -'ई'
13. श्री मुकेश माथुर, वैज्ञानिक -'ई'
14. श्री वाई.डी. पवार, वैज्ञानिक -'ई'
15. श्रीमती संगीता नागर, वैज्ञानिक -'ई'
16. डॉ. नीरज सक्सेना, वैज्ञानिक -'ई'
17. डॉ. डी मजुमदार, वैज्ञानिक -'ई'
18. श्री टी. सैल्वन, वैज्ञानिक -'ई'
19. श्री विपिन सी. शुक्ला, वैज्ञानिक -'ई'
20. श्रीमती अचला खन्ना, वैज्ञानिक -'ई'
21. श्री राहुल कुमार, वैज्ञानिक -'डी'
22. श्रीमती मुक्ति प्रसाद, वैज्ञानिक -'सी'
23. श्री एम. सुरेश बाबू, वैज्ञानिक -'सी'
24. डॉ. पी.के. अनिल कुमार, वैज्ञानिक -'सी'
25. श्री दीपक कुमार, वैज्ञानिक -'सी'
26. डॉ. टी. चक्रधर, वैज्ञानिक -'सी'
27. डॉ. ब्रजेश्वर चंदेलिया, वैज्ञानिक -'सी'
28. डॉ. एस.के. मुनेश्वर, वैज्ञानिक -'बी'
29. श्री मनीष कुमार, वैज्ञानिक -'बी'
30. सुश्री स्वाति शर्मा, वैज्ञानिक -'बी'
31. सुश्री सुजाता आर., वैज्ञानिक -'बी'
32. श्रीमती कविता त्यागी, तकनीकी अधिकारी -'बी'
33. श्री दीप प्रकाश, लेखाधिकारी
34. सुश्री इन्दु वरमानी, वैज्ञानिक सहायक - 'बी'
35. श्रीमती प्रोमिला खिलजानी, वैज्ञानिक सहायक - 'बी'
36. श्री रवीन्द्र कुमार, सहा. प्रबंधक (तक.)
37. श्री अनुप सिंह असवाल, कम्प्यूटर सहायक
38. श्री अनिल कुमार राय, वैज्ञानिक सहायक - 'ए'
39. श्री सैमसन जॉर्ज, निजी सहायक
42. सुरेश सोमाचि, सहायक ग्रेड - I
43. श्री उज्ज्वल कुमार सहायक ग्रेड - I
44. श्रीमती अनिता नायर, आशुलिपिक
45. श्रीमती गीता नायर, आशुलिपिक
46. श्रीमती बबीता बोस, आशुलिपिक
47. श्रीमती सुजा जॉर्ज, आशुलिपिक
48. श्रीमती श्रीदेवी एन., आशुलिपिक
49. श्रीमती रीना राणा, आशुलिपिक
50. श्रीमती गीता तोमर, आशुलिपिक
51. श्री राजन शर्मा, आशुलिपिक
52. श्री टी. आदर्श, उच्च श्रेणी लिपिक
53. श्रीमती माला सरपाल, सचिवीय सहायक
54. श्रीमती रेनु बाली, सहायक ग्रेड -II
55. एस बासु, सहायक ग्रेड -II
56. श्रीमती मिनी के.के., सहायक ग्रेड -II
57. श्रीमती ज्योतिका कत्याल, लेखा सहायक
58. श्री अनीश एस., लेखा सहायक
59. श्री अजय कुमार दिवाकर, सहायक ग्रेड -II
60. श्रीमती रचना भट्ट, सहायक ग्रेड -II
61. श्रीमती पद्मा मनराल, सहायक ग्रेड -II
62. श्रीमती उमा दराल, सहायक ग्रेड -II
63. श्री संजय सुंदरियाल, सहायक ग्रेड -II
64. श्री रनबीर सिंह, अवर श्रेणी लिपिक
65. श्री महिपाल सिंह रावत, अवर श्रेणी लिपिक
66. सुश्री मर्सी जेम्स, अवर श्रेणी लिपिक
67. श्रीमती ज्योति सकलानी, अवर श्रेणी लिपिक
68. श्री सुरेन्द्र प्रसाद, एम.टी.एस.
69. श्री सुशील कुमार झा, एम.टी.एस.
70. श्री सुरेन्द्र कुमार, एम.टी.एस.
71. श्री रवि दत्त, एम.टी.एस.
72. श्री कुंवर सिंह, एम.टी.एस.
73. श्री विश्राम भक्त, एम.टी.एस.
74. श्री दिलीप कुमार, एम.टी.एस.





प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद  
ए विंग, विश्वकर्मा भवन, शहीद जीत सिंह मार्ग,  
नई दिल्ली - 110016  
[www.tifac.org.in](http://www.tifac.org.in)